3 राजधानी
आबकारी, वैट से 1,700 करोड़ वसूले

6 अभिमत
अपने मन को वर्तमान में जीना सिखाएं

11 राष्ट्रीय
बुलेट ट्रेन परियोजना का कार्य जोरों पर

12 स्पोर्ट्स
दीपा चयन ट्रायल में वापसी करेंगी

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 11 अंक 236
नई दिल्ली, सोमवार, 3 जुलाई, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

जीवन में नस्लवाद का सामना किया है
विदेश-10

पवार से बगावत कर अजित बने उपमुख्यमंत्री

- राकांपा के 53 में से 40 विधायकों का समर्थन होने का किया दावा
- साढ़े तीन साल में तीसरी बार महाराष्ट्र में राजनीतिक भूचाल, शरद पवार सन्न

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद राकांपा नेता अजित पवार को पुष्पगुच्छ भेंट करते महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस

महाराष्ट्र में साढ़े तीन साल में तीसरी बार उठे राजनीतिक भूकंप ने देश को हिलाकर रख दिया है राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता अजित पवार ने अपने चाचा और पार्टी अध्यक्ष शरद पवार के खिलाफ बगावत करते हुए समर्थकों के साथ अलग हो गए और नाटकीय घटनाक्रम में रविवार को ही राज्य की शिंदे सरकार में उपमुख्यमंत्री बन गए।

अजित के इस कदम ने महाराष्ट्र की राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले शरद पवार को चौंका दिया है। राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। दक्षिण मुंबई के राजभवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के आठ नेताओं ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इस बीच सूत्रों ने दावा किया कि पार्टी के 53 विधायकों में से 40 अजित पवार का पूरी मजबूती से समर्थन कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि पटना में हाल में हुई विपक्ष की बैठक में राकांपा अध्यक्ष शरद पवार और पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले की मौजूदगी से अजित पवार और उनके समर्थक खफा थे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के कुछ घंटे बाद राकांपा नेता अजित पवार ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी ने देश के विकास के लिए एकनाथ शिंदे सरकार का हिस्सा बनने का फैसला किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की भी सराहना की। उन्होंने राकांपा में किसी भी तरह के विभाजन से इनकार करते हुए कहा कि वे भविष्य के सभी चुनाव राकांपा के चुनाव चिह्न पर लड़ेंगे।

अजित ने दावा किया कि पार्टी के सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों ने सरकार में शामिल होने के फैसले का समर्थन किया है। इस बीच अजित पवार ने भाजपा के साथ सत्ता साझा करने के अपने फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि यदि हम शिवसेना के साथ जा सकते हैं, तो हम भाजपा के साथ भी जा सकते हैं। नगालैंड में भी यही हुआ है। उन्होंने कहा कि समग्र और व्यापक विकास को ध्यान में रखते हुए फैसला किया गया है। हमारे पास प्रशासन का व्यापक अनुभव है, हम बेहतर काम करने के लिए इसका उपयोग कर सकते हैं। अजित ने कहा कि मंत्रियों के विभागों की घोषणा कुछ दिनों में की जाएगी और हम तुरंत इस पर काम करना शुरू करेंगे। इससे पहले अपराह्न में राजभवन में आयोजित एक समारोह में राज्यपाल रमेश बैस ने अजित पवार को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। मंत्री पद की शपथ लेने वालों में छगन भुजबल, दिलीप वाल्से पाटिल, हसन मुशरिफ, धनंजय मुंडे, अदिति तटकरे, धर्मराव अत्राम, अनिल पाटिल और संजय बनसोडे शामिल हैं। राजभवन में मौजूद महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि अजित पवार ने निचले सदन में विपक्ष के नेता (एलओपी) के पद से इस्तीफा दे दिया (शेष पेज 9)

धोखा देने वालों पर कार्रवाई की जाएगी: पवार

- राकांपा अध्यक्ष ने भावी रणनीति पर चर्चा के लिए मुंबई में पांच जुलाई को बैठक बुलाई

पायनियर समाचार सेवा। पुणे

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि पार्टी लाइन का उल्लंघन कर महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे नीत सरकार में शामिल होने वाले नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा-शिवसेना सरकार के साथ जाने का फैसला पार्टी का नहीं था। अपने भतीजे के बगावत करने के बाद 82 वर्षीय नेता ने कहा कि रविवार का घटनाक्रम अन्य लोगों के लिए नया हो सकता है, उनके लिए नहीं।

शरद पवार ने भावी रणनीति पर चर्चा के लिए मुंबई में पांच जुलाई को एक बैठक बुलाई है। राकांपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष जयंत पाटिल ने रविवार को यह जानकारी दी। पाटिल ने संवाददाताओं से बातचीत में बताया कि यह बैठक बुधवार दोपहर एक बजे दक्षिण मुंबई के वाई बी चव्हाण सेंटर में होगी। अजित पवार की बगावत के बाद शरद पवार ने पुणे में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि इस घटनाक्रम के बाद उनका प्रयास राज्य और देश के भीतर जितना संभव हो सके यात्रा करना और लोगों के साथ संबंध बनाना होगा।

वह जनता का समर्थन मांगने के लिए सोमवार से राज्य के विभिन्न हिस्सों का दौरा शुरू करेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट किया कि पार्टी कानूनी तौर पर लड़ाई नहीं लड़ेगी और वह इसके बजाय लोगों के पास जाएंगे और उनका समर्थन मांगेंगे। महा विकास (शेष पेज 9)

प्रधान और भूपेंद्र को संगठन में मिल सकती है जिम्मेदारी

- केंद्रीय मंत्रिमंडल विस्तार आज, नए नेताओं को मिल सकता है मौका

दीपक कुमार उप्रेती। नई दिल्ली

लोकसभा चुनावों से ऐन पहले हो रहे मोदी-कैबिनेट में फेरबदल के बीच अनुमान है कि चुनावी रणनीति को धरातल उतारने के लिए केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और भूपेंद्र यादव जैसे कुछ बड़े नेताओं को पार्टी संगठन में भेजा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सोमवार को होने वाली मंत्रिपरिषद की बैठक में इस सप्ताह कई बड़े फेरबदल देखने को मिल सकते हैं।

इस फेरबदल में वर्तमान सहयोगियों के साथ-साथ भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में फिर से शामिल होने वाले सदस्य भी शामिल हो सकते हैं। यह संयोग है कि 1998 में गठित एनडीए अपने स्थापना के 25 साल पूरे कर रहा है। मंत्रिमंडल फेरबदल को लेकर प्रधानमंत्री राज्य के नेताओं के साथ भी बैठकें कर रहे हैं, क्योंकि इस साल के अंत में मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में होने वाले विधान सभा चुनाव के चलते इन राज्यों के सदस्यों को शामिल किया जा सकता है। सूत्रों ने संकेत दिया कि कैबिनेट में नए चेहरों को शामिल करने के साथ बिहार, महाराष्ट्र, पंजाब, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे राज्य पर भी प्रधानमंत्री की खास नजर रहेगी। लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी की रणनीति और सूक्ष्म प्रबंधन कर रहे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के हाथों को मजबूत करने के लिए केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जो कर्नाटक के चुनाव प्रभारी थे और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को पार्टी संगठन में शामिल किया जा सकता है।

सूत्रों के अनुसार बिहार में भाजपा के दलित वोट बैंक को मजबूत करने के लिए लोकजन शक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान को मंत्रिपरिषद में शामिल किया जा सकता है। जहां उसे राष्ट्रीय जनता दल (यूनाइटेड), कांग्रेस और वाम दलों के महागठबंधन से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि शाह चिराग और उनके चाचा पशुपति कुमार पारस के बीच संबंध सुधार की दिशा में भी काम कर रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि मोदी-कैबिनेट में दो साल बाद होने वाले फेरबदल में कुछ ऐसे (शेष पेज 9)

मणिपुर में फिर हिंसा, तीन ग्राम सेवकों की हत्या

पायनियर समाचार सेवा। इंफाल

- इंफाल पश्चिम जिले में धारा 144 की पाबंदियों में दी गई ढील

मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में अज्ञात बंदूकधारियों के साथ गोलीबारी में तीन ग्राम स्वयंसेवक मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी कई घंटे चली, जिसमें पांच अन्य लोग घायल भी हुए। गंभीर रूप से घायल लोगों को इंफाल के अस्पताल ले जाया गया। हालांकि प्रशासन ने हिंसा प्रभावित इंफाल पश्चिम जिले में रविवार को धारा 144 के तहत लागू पाबंदियों में कुछ ढील दी है। दूसरी ओर, दो उग्रवादी संगठनों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-दो पर कांगपोकपी जिले में दो महीने से जारी नाकेबंदी भी हटा ली है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि खोइजुमंताबी गांव में शनिवार देर रात को यह घटना हुई, जब ग्राम स्वयंसेवक अस्थाई बंकर से इलाके की रखवाली कर रहे थे। शुरुआत में दो शव बरामद किए गए और बाद में एक और लाश मिली। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह स्थिति का जायजा लेने के लिए घटना स्थल पहुंचे और स्थानीय लोगों से बात की। पूर्वोत्तर के राज्य में मेइती और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में अब तक 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट (यूपीएफ) और कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन (केएनओ) ने एक संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा शांति और सद्भाव बहाल करने का आह्वान किए जाने के बाद तत्काल प्रभाव से नाकेबंदी हटा ली गई है।

बस दुर्घटना में मारे गए 24 लोगों का हुआ सामूहिक अंतिम संस्कार

भाषा। बुलढाणा

महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में बस हादसे में जान गंवाने वाले 25 में से 24 लोगों का रविवार को सामूहिक रूप से अंतिम संस्कार कर दिया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने पहले बताया था कि एक मृतक का शव अंतिम संस्कार के लिए उसके परिजन को सौंपा जाएगा।

उन्होंने बताया कि बस में आग लगने से ज्यादातर लोगों के शव इतनी बुरी तरह जल गए थे कि उनकी पहचान करना मुश्किल था और उनके परिजनों को शवों की डीएनए जांच कराने के बजाय उनका सामूहिक रूप से अंतिम संस्कार करने के लिए मनाया गया। सूत्रों के अनुसार, डीएनए जांच लंबी प्रक्रिया होती है जिसमें मृतक की शिनाख्त करने में कई दिन लग सकते हैं। बुलढाणा में वैकुंठ धाम हिंदू श्मशान भूमि में रविवार को 24 शवों का सामूहिक रूप से अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के दौरान मृतकों के परिजन और महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन उपस्थित रहे तथा उन्होंने मृतकों को श्रद्धांजलि दी। पुलिस ने पहले बताया था कि महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में नागपुर-मुंबई समृद्धि एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार देर रात करीब डेढ़ बजे एक बस के डिवाइडर से टकराकर पलट जाने के बाद उसमें आग लगने से 25 यात्रियों की झुलसकर मौत हो गई। मृतकों में 11 पुरुष और 14 महिला यात्री शामिल हैं। इनमें से 10 लोग वर्धा, सात पुणे, चार नागपुर और दो-दो लोग यवतमाल और वाशिम से थे।

इस भीषण दुर्घटना में बस चालक और उसके सहायक सहित आठ लोग बच गए थे। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, 25 मृतकों के परिवार के सदस्य बुलढाणा पहुंच गए। शनिवार को बस चालक के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि बस चालक को झपकी आ गई और वह वाहन पर से अपना नियंत्रण खो बैठा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दुर्घटना की जांच के आदेश दिए हैं और प्रत्येक मृतक के परिवार के लिए पांच लाख की अनुग्रह सहायता की घोषणा की है।

रूस ने पिछले 12 दिनों में कीव पर पहली बार ड्रोन हमला किया

एपी। कीव

रूस ने कई दिनों तक अपेक्षाकृत रूप से शांत रहने के बाद शनिवार-रविवार की दरमियानी रात को यूक्रेन की राजधानी कीव को एक बार फिर ड्रोन से निशाना बनाया। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले 12 दिनों में रूस ने कीव पर पहली बार ड्रोन से हमला किया है। कीव शहर के प्रशासनिक प्रमुख सेरही पोपको ने कहा कि रूस की ओर से भेजे गए सभी ईरान निर्मित शहीद ड्रोन का पता लगाकर उन्हें मार गिराया गया।

कीव के क्षेत्रीय गवर्नर रुसलान क्रावचेंको ने बताया कि कीव शहर के अलावा आसपास के इलाकों को भी निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि नष्ट किए गए ड्रोन का मलबा गिरने से एक व्यक्ति घायल हुआ है। हालांकि, यूक्रेन के अधिकारियों ने यह स्पष्ट नहीं किया कि रूस ने कीव पर हमले के लिए कितने ड्रोन विमान का इस्तेमाल किया, लेकिन यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि रूस द्वारा पूरे देश में आठ शहीद ड्रोन और तीन कैलिबर क्रूज मिसाइल से हमले किए गए। खेरसॉन के यूक्रेन के नियंत्रण वाले क्षेत्र के प्रवक्ता ओलेक्सांदर तोलोकोन्निकोव ने बताया कि रूस द्वारा ड्रोन विमानों से रात में की गई बमबारी में 13 साल का एक किशोर घायल हो गया। तोलोकोन्निकोव ने कहा कि यह किशोर उस समय घायल हुआ, जब रूस ने बेरीस्लेच जिले में निपर नदी के किनारे बसे माइलव गांव में बम बरसाए। उन्होंने बताया, किशोर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और वह खतरे से बाहर है।

तोलोकोन्निकोव के मुताबिक, खेरसॉन प्रांत में रविवार सुबह तक बमबारी जारी रही, जिसमें कुल चार लोग घायल हुए हैं। जनरल स्टाफ द्वारा रविवार सुबह दी गई नियमित जानकारी के अनुसार, पिछले 24 घंटे के दौरान (शेष पेज 9)

क्विक न्यूज

एनआईए ने गजवा-ए-हिंद मामले में छापेमारी की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पाकिस्तान मे मौजूद संदिग्धो द्वारा चलाए जा रहे कट्टरपंथी मॉड्यूल गजवा-ए-हिद के खिलाफ एक मामले के सिलसिले मे रविवार को तीन राज्यो मे कई स्थानो पर छापेमारी की। अधिकारियो ने बताया कि पिछले साल दर्ज मामले के संबंध मे एनआईए द्वारा पांच स्थानो - दो पटना मे और एक दरभंगा (बिहार), सूरत (गुजरात) और बरेली (उत्तर प्रदेश) - पर छापेमारी की गई। एजेंसी के मुताबिक, तीन राज्यो मे संदिग्धो के परिसरो पर की गई छापेमारी के दौरान मोबाइल फोन, मेमोरी कार्ड, सिम कार्ड जैसे डिजिटल उपकरणो सहित अन्य दस्तावेज जब्त किए गए। यह मामला पिछले साल 14 जुलाई को बिहार पुलिस द्वारा पटना के फुलवारीशरीफ इलाके से मरगूब अहमद दानिश उर्फ ताहिर की गिरफ्तारी के बाद दर्ज किया गया था। एनआईए ने आठ दिन बाद मामले की जांच अपने हाथ मे ली थी। दानिश के खिलाफ छह जनवरी को भारतीय दंड संहिता और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओ के तहत आरोप पत्र दाखिल किया गया था।

जेल में अंसारी पर खर्च अमरिंदर और सुखजिंदर से वसूला जाएगा

- पंजाब के मुख्यमंत्री मान ने कहा, दोनों नेता पैसा नहीं देते हैं तो उनकी पेंशन व अन्य सुविधाएं होंगी निरस्त

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान रूपनगर की जेल में गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी के आरामदायक प्रवास पर खर्च हुए 55 लाख रुपए की वसूली पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह और तत्कालीन जेल मंत्री सुखजिंदर रंधावा से करेगी।

अमरिंदर अब भाजपा में शामिल हो चुके हैं, जबकि रंधावा कांग्रेस से विधायक हैं। मान ने कहा कि यदि अमरिंदर सिंह और रंधावा पैसे का भुगतान नहीं करते हैं, तो उनकी पेंशन और अन्य सुविधाएं निरस्त कर दी जाएंगी। मोहाली में दर्ज जबरन वसूली के एक मामले में अंसारी जनवरी 2019 से अप्रैल 2021 तक रूपनगर की जेल में था। हालांकि, इसके बाद उच्चतम न्यायालय ने पंजाब सरकार को अंसारी की हिरासत उत्तर प्रदेश पुलिस को सौंपने का निर्देश दिया था।

मान ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया था कि उसने अंसारी के जेल में रहने के दौरान उसे कई सुविधाएं उपलब्ध कराईं। मान ने रविवार को ट्वीट कर कहा कि उत्तर प्रदेश के गैंगस्टर मुख्तार अंसारी को पंजाब की जेल में रखने और दोस्ती निभाने के लिए उसका मुकदमा उच्चतम न्यायालय में लड़ने पर खर्च हुए 55 लाख रुपए का भुगतान पंजाब सरकार के खजाने से नहीं किया (शेष पेज 9)

यूं ही नहीं दरकी जोशीमठ की जमीन

- शोध में खुलासा, कई दशक से बढ़ रही शहर की आबादी, नियोजित विकास पर नहीं दिया गया ध्यान
- सड़कों व अन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण विशेष इंजीनियरिंग कौशल से किया जाए

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

फाइल फोटो

उत्तराखंड के ऐतिहासिक हिमालयी शहर जोशीमठ में यूं ही भूस्खलन या भूमि धंसाव नहीं हो रहा है। बुनियादी ढांचे का अनियोजित विकास, जल निकासी की कमी और ढलानों वाले इलाकों में सड़कों की खुदाई ने यहां त्रासदि को निमंत्रण दिया है।

करंट साइंस जर्नल के नवीनतम संस्करण में प्रकाशित 'भारत के उत्तराखंड में हिमालयी ऐतिहासिक शहर जोशीमठ की अस्थिर ढलान और आजीविका संकट' अध्ययन में ये निष्कर्ष सामने आए हैं। यह अध्ययन भारतीय भूवैज्ञानिकों द्वारा अगस्त 2022 और जनवरी 2023 के बीच किया गया था। उस दौरान क्षेत्र में भूमि धंसने की घटनाएं हो रही थीं और इस कारण बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों को अपने घर छोड़ कर दूसरे सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी थी। वरिष्ठ भूविज्ञानी और वानिकी महाविद्यालय, रानीचौरी के बुनियादी और सामाजिक विज्ञान विभाग के प्रमुख एसपी सती ने कहा कि तत्काल उपाय के तौर पर सबसे पहल जोशीमठ इलाके में उत्खनन गतिविधियों पर रोक लगनी चाहिए। विशेष रूप से क्रिस्टलीय बोल्डर की खुदाई रुकनी चाहिए।

क्योंकि, भूस्खलन को रोकने के लिए बोल्डर के बीच बारीक कंकड़ वाली रेत होती हैं। यह पत्थरों को इधर-उधर खिसकने से रोकती है। उन्होंने कहा कि ऐसा देखा गया है कि मिट्टी की सतह पर गड्ढे बन गए हैं। हमारा अनुमान है कि ये अनियमित घरेलू अपशिष्ट जल निकासी के कारण बने हैं। हाल के दिनों में ये पानी भरे गड्ढे जोशीमठ शहर के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं।

शोध की लेखिका बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में विज्ञान संस्थान के भूगोल विभाग से संबंध रखने वाली मारिया असीम और शुभ्रा शर्मा का मानना है कि चूंकि क्षेत्र में कई स्थानों पर सड़कें धंस रही थीं, इसलिए सड़क के लिए ढलानों की खुदाई करते समय विशेष इंजीनियरिंग कौशल की आवश्यकता होती है, जिसका फिलहाल अभाव दिख रहा है। उन्होंने कहा कि सड़कों के निरंतर धंसाव से बचने के लिए एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण किया जाना चाहिए और पिलर को गहराई में जाकर कठोर चट्टान के आधार से लगाया जाना चाहिए, जैसा कि जोशीमठ शहर (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 3 जुलाई, 2023

जेवर एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले किसानों को मिलेंगे 3900 करोड़ रुपये

● दूसरे चरण के लिए जमीन अधिग्रहण का काम पूरा, आज से बांटी जाएगी राशि

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नाम से बन रहे हवाई अड्डे के दूसरे चरण के लिए अपनी जमीन देने वाले 9 हजार किसानों को 3900 करोड़ रुपये मिलेंगे। यह सिलसिला सोमवार(आज) से शुरू हो जाएगा।

जेवर एयरपोर्ट के दूसरे चरण के लिए किसानों की जमीन के अधिग्रहण का काम पूरा हो गया है। जिन किसानों ने अपनी जमीन जेवर एयरपोर्ट के लिए दी है, उन्हें मुआवजा वितरण की प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो जाएगी। इसके लिए तहसील प्रशासन ने 25 अधिकारी व कर्मचारियों की 6 टीमें बनाकर सभी गांवों में डयूटी लगाई है। पिछले सप्ताह अपर जिलाधिकारी भूमि अध्याप्ति ने प्रभावित सभी छह गांवों के किसानों की जमीन का मुआवजा घोषित कर दिया था। एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के लिए दूसरे चरण में जेवर के रन्हेरा, कुरैब, करौली बांगर, दयानतपुर, वीरमपुर व मुढरह गांव के लगभग 9 हजार किसानों से 1181 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है। अधिग्रहण की सभी प्रक्रिया पूरी कराते हुए पिछले सप्ताह इन गांवों की जमीन का 3,398 रुपये प्रति वर्गमीटर के हिसाब से मुआवजे की घोषणा की गई थी। किसानों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसके लिए तहसील से प्रत्येक गांव में किसानों से मुआवजे की फाइल तैयार कराने के लिए टीमों का गठन कर सोमवार से तैनाती के आदेश दिए गए हैं।

टीमें किसानों से जरूरी कागजात लेकर फाइल अपर जिलाधिकारी के कार्यालय को भेजेंगी। जहां से प्रभावित किसानों के बैंक खातों में मुआवजे की रकम भेजी जाएगी।

आपको बता दें कि सरकार ने किसानों की जमीन 3398 रुपये प्रति वर्गमीटर के हिसाब से ली है। इस प्रकार 1181 हेक्टेयर जमीन 3900 करोड़ रुपये में ली गई है।

3900 करोड़ रुपये की राशि जिला प्रशासन के खाते में आ गई है। इस राशि को सोमवार यानि तीन जुलाई से वितरित किया जाएगा।

एलिवेटेड रोड पर बर्थडे पार्टी- डांस और आतिशबाजी की, चार गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के एलिवेटेड रोड पर शनिवार रात युवक ने 5 दोस्तों के साथ बर्थडे मनाया। लड़कों ने ब्रेजा कार की बोनट पर केक काटा और जमकर डांस किया। यही नहीं, आतिशबाजी भी की। करीब 1 घंटे बाद कूड़ा सड़क के किनारे फेंक कर चले गए। फि लहाल पुलिस ने 4 युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपियों की पहचान ललित शर्मा, दीपक पटेल, शेखर चौधरी और तरुण शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस ने इनकी कार को भी सीज कर दिया है। पुलिस दो आरोपियों की तलाश कर रही है। बर्थडे पार्टी का वीडियो भी सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि एलिवेटेड रोड पर दो कारें सड़क किनारे खड़ी हुई हैं। आगे खड़ी कार के बोनट पर 12 केक रखे हुए हैं। केक पर रिंकू लिखा हुआ है। सभी केकों को युवक कट करता है। उसके बाद दोस्त उसको केक खिलाते हैं। उसके बाद एक-दूसरे के चेहरे पर भी केक लगाते हैं।

पब्जी में दोस्ती फिर हुआ प्यार, चार बच्चों को लेकर पाकिस्तान से ग्रेनो पहुंची महिला

● वीडियो कॉलिंग के जरिये रिश्ते हुए गहरे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पब्जी गेम के विश्वभर में बहुत दीवाने हैं। बच्चों में इसका सबसे ज्यादा क्रेज हैं। लेकिन ग्रेटर नोएडा से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसे सुनकर आपके भी होश उड़ जाएंगे। दरअसल, पब्जी गेम पार्टनर के साथ जिंदगी बिताने के लिए पाकिस्तानी महिला सीमा पार कर 4 बच्चों को लेकर नेपाल के रास्ते रबूपुरा पहुंच गई। करीब 1 महीने पहले सीमा बिना किसी दस्तावेज के यहां आई थी। वह रबूपुरा निवासी सचिन के साथ शुक्रवार रात तक साथ रही। सीमा सचिन से शादी कर भारतीय नागरिकता हासिल करना चाहती थी। इसी बीच पुलिस को इसकी सूचना मिल गई तलाश शुरू होने की भनक लगते ही शनिवार सुबह महिला चारों बच्चों और सचिन संग फरार हो गई। पुलिस ऑटो चालक से पूछताछ में जुटी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह मामला प्रेम प्रसंग का है या दोस्ती के बहाने साजिश का।

मिली जानकारी के मुताबिक रबूपुरा के अंबेडकर नगर निवासी सचिन की कुछ महीने पहले पब्जी गेम खेलने के दौरान पाकिस्तान की एक महिला से दोस्ती हुई थी।

गेम खेलने के दौरान ही दोनों ने एक दूसरे का मोबाइल नंबर ले लिया। दोनों में गहरी दोस्ती हो गई सीमा ने बताया था कि वह करांची में अपने चार बच्चों के साथ रहती है। वीडियो कॉलिंग के जरिए दोनों में रिश्ते और भी गहरे रहे हो गए। सीमा ने किसी तरह नेपाल का वीजा बनवाया और फिर वहां से भारत आ गई और रबूपुरा के सचिन के साथ रहने लगी। दोनों शादी करने के लिए कानूनी जानकारों से सलाह ले रहे थे इसी बीच गौतमबुध नगर पुलिस के पास पाकिस्तानी महिला के आने की सूचना मिल गई। महिला और युवक शादी करने के लिए कानूनी सलाह दे रहे थे। उसी दौरान सलाह देने वाले को महिला के जासूस होने का संदेश हुआ। दरअसल, महिला ने जानकारी दी थी कि उसका भाई पाकिस्तानी सेना में तैनात है। उसका पति भी उससे दूर रहता है जबकि जिन चार बच्चों को अपने साथ लेकर आई है, उनकी उम्र 3 से 8 वर्ष तक है। इसके अलावा सचिन जल्द से जल्द शादी करना क्योंकि सीमा उससे बार-बार दिल्ली घूमने की जिद कर रही थी।

इस तरह की बातों से उस पर जासूस होने का शक हुआ जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गयी। विदेशी महिला के कस्बे के रहने की सूचना शुक्रवार रात को दे दी गई आला अधिकारियों ने मामले की पड़ताल और महिला से पूछताछ के लिए रात में ही टीम गठित कर दी थी। लेकिन स्थानीय पुलिस और जांच में जुटी टीम दिन निकलने पर कार्रवाई का हवाला देकर इंतजार करते रहे। शनिवार सुबह लगभग 9:30 बजे सीमा बच्चों और सचिन के साथ कस्बे से एक चालक की ऑटो में बैठकर यमुना एक्सप्रेसवे की तरफ चली हो गई।

पाक महिला एक महीने से ग्रेटर नोएडा में पर किसी को खबर नहीं

रबूपुरा के अंबेडकरनगर के कुछ लोगों ने बताया कि सचिन कस्बे की एक दुकान में काम करता है। 1 महीने से महिला और बच्चे उसके घर पर रह रहे थे। सचिन महिला को अपना रिश्तेदार बताता था। उसने मोहल्ले के लोगों को उसके संबंध में अधिक जानकारी नहीं दी थी। ऑटो ड्राइवर ने जानकारी दी है कि महिला उसके बच्चे और युवक को उसने जेवर टोल से कुछ दूर पहले छोड़ा था। आशंका है कि किसी वाहन में बैठकर सभी यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते कहीं चले गए हैं। पुलिस बसों की पड़ताल में जुटी है पुलिस दावा कर रही है कि महिला को जल्द पकड़ लिया जाएगा। पुलिस मीडिया सेल ने बताया कि पाकिस्तान से आई 27 वर्षीय महिला के रबूपुरा क्षेत्र में आने की जानकारी मिली है। पुलिस महिला की तलाश में जुटी है।

5 करोड़ से नोएडा के 15 डार्क स्पॉट होंगे खत्म

● कंपनी ने किया सर्वे, ये सभी दुर्घटना और भारी ट्रैफिक के स्थान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा सड़क सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर करने के लिए डार्क स्पाट को खत्म करने की प्लानिंग बनाई गई। इस प्लानिंग के तहत शहर के 15 डार्क स्पॉट को खत्म किया जाएगा।

ये सभी डार्क स्पाट फ रवरी 2023 में चिह्नित किए गए। ये डार्क स्पॉट एक्सीडेंट एरिया माने जाते है। प्राधिकरण को ये सूची यातायात पुलिस ने उपलब्ध कराई। इन डार्क स्पॉट को खत्म करने के लिए प्राधिकरण 5.35 करोड़ रुपए खर्च करेगा। इन डार्क स्पॉट का सर्वे कंसल्टेंट कंपनी टीपीए इंजीनियरिंग सर्विस प्राइवेट लिमिटेड ने किया।

इसके बाद प्लानिंग तैयार की है। टेंडर जारी होते ही इन स्पॉट को खत्म करने का काम शुरू कर दिया जाएगा।

दरअसल नोएडा एक इंडस्ट्रियल और रेजिडेंशियल एरिया है। यहां पीक आवर में लाखों की संख्या में वाहनों की आवाजाही नोएडा, गाजियाबाद, दिल्ली से होती है। ऐसे में सड़क पर जाम और एक्सीडेंट होते है। एक्सीडेंट के आकड़ों को देखते हुए यातायात पुलिस ने फरवरी 2023 में 15 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए। सभी क्रासिंग का सर्वे सलाहकार कंपनी ने किया। जिसमें 2020, 2021 और 2022 में हो चुके एक्सीडेंट और इनके स्पॉट को ध्यान में रखा गया। ताकि स्पॉट में ऐसा सुधार किया जाए जिससे यहां हादसे न हो।

गैंगस्टर सुंदर भाटी गिरोह के तीन बदमाश गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर में सुंदर भाटी गिरोह के तीन बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया, लेकिन पुलिस द्वारा चलाई गई गोली पैर में लगने से दो बदमाश घायल हो गए हैं।

पुलिस ने रविवार को बताया कि घायल बदमाशों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बीती रात को एक सूचना के आधार पर थाना ईकोटेक- प्रथम व स्वाट टीम ने संयुक्त अभियान चलाकर थाना इकोटेक- वन क्षेत्र में एक पुलिस मुठभेड़ के दौरान गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय चौराहे के पास से दिल्ली निवासी बृजेश कुमार उर्फ बिल्लू फौजी पुत्र मांगेराम तथा कासना के ग्राम घंघोला निवासी सतेंद्र उर्फ सत्ते पुत्र बदले को गिरफ्तार किया।

उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा चलाई गई गोली दोनों बदमाशों के पैर में लगी है और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।उन्होंने बताया तलाशी के दौरान पुलिस ने मौके से भागे इनके एक साथी प्रिंस खारी उर्फ पिंटू पुत्र गज्जू राम को गिरफ्तार किया है। प्रिंस नोएडा के थाना फेस-2 के गांव इलाहाबास का निवासी है।

संक्षिप्त समाचार

आसरा फाउंडेशन कैंप के समापन समारोह में बच्चे।

आसरा फाउंडेशन के बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

गाजियाबाद। गाजियाबाद के वसुंधरा में रविवार को आसरा फाउंडेशन कैंप के समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने नृत्य और संगीत के अपने प्रदर्शन से दर्शकों को मोहित कर दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि आलोक द्विवेदी, पार्षद भूपेंद्र उपाध्याय, पार्षद विजय चौधरी, आंगन और आंचल नाम से वृद्धाश्रम चलाने वाली सुदर्शना घिल्डियाल, सीएन चौबे ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारंभ अपूर्वा मिश्रा और माही कुमारी के सरस्वती वंदना से हुआ। कार्यक्रम के आयोजन में साहिबाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के सदस्य चरणजीत सिंह का विशेष सहयोग रहा। आसरा फाउंडेशन की सचिव गीता मिश्रा और कोषाध्यक्ष अंजू मेहरा ने कार्यक्रम में आए सभी लोगों का आभार जताया। कार्यक्रम को सफल बनाने में फाउंडेशन की सदस्य ऋतु कुमार, साक्षी खोबा, यामिनी आदि का योगदान रहा।

बिजली कटौती पर निकाला लालटेन जुलूस

गाजियाबाद। आम आदमी पार्टी ने रविवार को प्रदेश के सभी जिलों में बिजली कटौती को लेकर लालटेन जुलूस निकाला। इसी क्रम में गाजियाबाद जिला अध्यक्ष डॉ. सचिन शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जीटी रोड घंटाघर से बाबा साहब डॉ बीआर अम्बेडकर पार्क नवयुग मार्किट तक लालटेन जुलूस निकाला गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने अघोषित बिजली कटौती पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। जिलाध्यक्ष डॉ सचिन शर्मा ने कहाए प्रदेश में बिजली की अघोषित कटौती हो रही है। जनता बिजली कटौती से त्राहिमाम कर रही है। पूरे प्रदेश में बिजली कटौती का संकट लोग झेल रहे हैं। गर्मी की वजह से अस्पतालों में लोग भर्ती हो रहे हैं और मौतें हो रही हैं। प्रदर्शन में मोहित चौधरी, अधिवक्ता मनोज त्यागी, निमित यादव, शैलेश कुमार, जाकिर, अधिवक्ता अनिल हटैत, रहिसुद्दीन, अनवार, मुकेश, कमल, इरफान, गौरव, विजय कसाना, प्रशांत चौधरी, पंडित मुकुल गौतम, सबा, संतराज, आशीष कसाना, नवीन गुप्ता, गुंजन राघव, राधा यादव, पूनम रानी, सोनू, कौशल कुमार, अजय कुमार, वसीम इलाही आदि मौजूद रहे।

पशु अवशेष से भरे मिनी ट्रक को पकड़ा

गाजियाबाद। मोदीनगर में रावली कुम्हैड़ा मार्ग पर झाल के पास सुबह हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने पशु अवशेष से भरे एक मिनी ट्रक को पकड़ लिया। कार्यकर्ताओं ने प्रतिबंधित पशु का मांस होने की बात कहकर जमकर हंगामा किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हंगामा कर रहे युवकों को शांत किया। अवशेष को जांच के लिए भेज दिया है। हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं को सूचना मिली कि रावली कुम्हैड़ा मार्ग से मिनी ट्रक में प्रतिबंधित पशुओं का मांस ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने रावली कुम्हैड़ा मार्ग स्थित झाल के पास मिनी ट्रक को रोक लिया। जब चालक से पूछा कि मिनी ट्रक में क्या है तो उसने बताया कि कुर्बानी के पशुओं के अवशेष हैं। जब उसने चेक कराने को कहा तो वह आनकानी करने लगा। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने हंगामा करना शुरू कर दिया। हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं का आरोप है कि गाड़ी में प्रतिबंधित पशु का मांस ले जाया जा रहा है। हंगामा बढ़ता देखकर निवाड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और हंगामा कर रहे कार्यकर्ताओं को शांत किया। पुलिस ने पशु चिकित्सक को मौके पर बुला लिया। पशु चिकित्सक ने पशुओं को अवशेषों को जांच के लिए लैब भेज दिया है।

जल्द बसना शुरू हो जाएगा नया नोएडा शहर

● 21 हजार हेक्टेयर भूमि पर बनेगा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश में एक नया नोएडा शहर बसेगा। न्यू नोएडा के नाम से बनने वाला यह शहर जल्दी ही आकार लेना शुरू कर देगा। न्यू नोएडा का पूरा खाका कागजों पर खींचा जाना शुरू हो गया है। न्यू नोएडा गौतमबुद्धनगर जिले की दादरी व बुलंदशहर जिले की सिकंदराबाद तहसील के 81 गांवों की जमीन पर न्यू नोएडा शहर बसेगा। 81 गांवों के किसानों को 21102 हेक्टेयर भूमि अलग अलग ढंग से अधिग्रहित की जाएगी। उसी भूमि पर न्यू नोएडा शहर स्थापित किया जाएगा। इस शहर को बसाते वक्त उन सभी गलतियों का ध्यान रखा जाएगा जो गलतियां नोएडा, ग्रेटर नोएडा एवं यमुना सिटी को बसाते हुए हो गई थी। यही कारण है कि शहर के लिए जमीन अधिग्रहित करने से पहले पूरा वित्तीय प्लान तैयार किया जा रहा है।

साथ ही मास्टर प्लान पर भी व्यापक मंथन किया जा रहा है। न्यू नोएडा शहर का प्लान नोएडा प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालक अधिकारी रितु माहेश्वरी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इस शहर की भावी योजना के विषय में पूछे जाने पर ऋतु माहेश्वरी ने बताया कि न्यू नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ही होगा। इसका विकास भी उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास अधिनियम 1976 के तहत किया जाएगा। इस शहर में 8811 हैक्टेयर जमीन उद्योगों के लिए आरक्षित की जाएगी।

ट्रैफिक और ट्रांसपोर्ट के लिए 3283 हैक्टेयर जमीन निर्धारित की जाएगी। 3174 हैक्टेयर जमीन को ग्रीन बेल्ट के रुप में रखा जाएगा। साथ ही 2477 हैक्टेयर जमीन घरों के लिए आवासीय श्रेणी में रहेगी। इसी प्रकार स्कूल कॉलिज व दूसरी संस्थाओं के लिए 1682 हैक्टेयर जमीन का प्रावधान अलग अलग सेक्टरों में किया जाएगा। बाकी जमीन को व्यवसायिक, मनोरंजन स्थलों एवं दूसरी आवश्यक सुविधाओं के लिए पहले से निर्धारित करके रखी जाएगी।

1063 ऑटो से निकाली अतिरिक्त सीटें 53 लाख रुपये के काटे गए चालान

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद पुलिस ने अतिरिक्त सीट लगाकर सवारियां बैठाने वाले ऑटो ड्राइवरों के खिलाफ एक जुलाई से विशेष अभियान शुरू किया है।

अभियान के शुरुआती दो दिनों में ट्रैफिक पुलिस ने 1063 ऑटो से एक्स्ट्रा सीट हटवाई हैं। इनका पांच/पांच हजार रुपए का चालान काटा गया है। यानि दो दिन में चालान की रकम 53 लाख रुपए पार हो गई है। अपर पुलिस उपायुक्त ट्रैफि क रामानंद कुशवाहा ने बताया ऑटो में ड्राइवर सीट पर सिर्फ ड्राइवर को बैठा होना चाहिए, लेकिन ड्राइवर अपने अगल बगल सीटें लगवा लेते हैं। इससे ड्राइवर के दोनों तरफदो एक्स्ट्रा सवारियां बैठ जाती हैं।

इनका ज्यादातर शरीर ऑटो से बाहर निकला रहता है। इस वजह से सड़क हादसे होने की आशंका बढ़ जाती है। ज्यादा सवारियां भरने से ऑटो भी ओवरलोड हो जाते हैं, जो ट्रैफिक नियमों का सीधे तौर पर उल्लंघन है। कई बार सवारियां ज्यादा होने से ऑटो को नियंत्रित करने में भी परेशानी होती है।

कांवड़ियों के लिए दो दिन में बनकर तैयार होगी सड़क

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● एनएच 91 हाईवे पर जगह-जगह बड़े गहरे गड्ढे बने हुए हैं

3 जुलाई को सावन माह का पहला सोमवार है। कांवड यात्रा को लेकर तैयारियां जोर शोर से चल रही है। कांवड़ियों को किसी भी प्रकार की तकलीफना हो इसके लिए अधिकारियों द्वारा मुख्य मार्गों की जांच की जा रही है। ग्रेटर नोएडा एनएच 91 हाईवे पर जगह-जगह बड़े गहरे गड्ढे बने हुए हैं। यह मार्ग कांवड़ियों का मुख्य मार्ग है। रविवार की सुबह जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने इस सड़क का निरीक्षण किया और अधिकारियों को दो दिन के भीतर सड़क तैयार करने के निर्देश दिए।

सोमवार से सावन महीना शुरू हो रहा है। 4 जुलाई से कांवड यात्रा शुरू हो जाएगी। भोले बाबा के भक्त कांवड़ लाने के लिए जोरों शोरों से तैयारी कर रहे हैं। कावड़ियों को किसी भी परेशानी का सामना ना करना पड़े इसके लिए सरकार द्वारा सख्त निर्देश दिए गए हैं। एनएच 91 अच्छेजा, बादलपुर, छपरोला, धूम मानिकपुर के पास 10 किलोमीटर लंबा रोड गड्ढों में तब्दील हुआ पड़ा है।

रविवार की सुबह जिलाधिकारी मनीष वर्मा, डीसीपी साद मियां, एसडीएम दादरी आलोक गुप्ता, एसीपी सार्थक सेगर, दादरी थाना प्रभारी आला अधिकारी मौके पर जाकर कांवड़ रूट चेक किया। एनएचएआई टोल कंपनी द्वारा 2 दिन के अंदर रोड को पूरी तरीके से तैयार किया जाएगा। 2 दिन बाद दोबारा अधिकारियों द्वारा मौके पर जाकर मुआयना किया जाएगा। ज्ञात हो सोमवार से कांवड़ यात्रा शुरू हो गई है। कुछ दिनों में कांवड़ यात्री वापस लौटेंगे जिसको लेकर प्रशासन ने अपनी तैयारी तेज कर दी है ताकि श्रद्धालुओं को परेशानी नहीं हो सके।

कांवड़ यात्रा के कल से बदले जाएंगे रूट

गाजियाबाद। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर गाजियाबाद पुलिस ने वाहनों का रूट डायवर्जन प्लान जारी कर दिया है। 4 जुलाई से दिल्ली से देहरादून, सहारनपुर, बुलंदशहर की तरफ जाने वाले भारी/मालवाहक वाहनों का रूट बदल जाएगा।

दिल्ली से कोई भी भारी वाहन लोनी होते हुए गाजियाबाद शहर के अंदर नहीं घुस पाएगा। ये सभी वाहन चरण सिंह मार्ग का प्रयोग करते हुए दिल्ली से गाजीपुर होकर यूपी गेट आएंगे। दिल्ली-बदरपुर की तरफ से दिल्ली होकर बुलन्दशहर की ओर जाने वाले सभी भारी वाहन एक्सप्रेस से जाएंगे।

थाना सेक्टर-113 नोएडा पुलिस के साथ मुठभेड़ में बदमाश नवीन को गोली लगने के बाद गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार व लूटी गई क्रेटा कार बरामद की गई। अभी उसे दूसरे साथी की तलाश जारी है।

10 साल से कम उम्र के बच्चे नहीं कर सकेंगे तैराकी

● जिलाधिकारी ने किया आदेश जारी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा और ग्रेटर नोएडा की हाईराइज सोसायटियों और स्कूलों में स्विमिंग पूल को लेकर जिला खेल विभाग ने नई गाइडलाइन जारी की है।

दस से कम उम्र के बच्चों के पूल में जाने पर पाबंदी लगा दी गई है। अगर स्विमिंग पूल के अंदर 10 साल से कम उम्र का बच्चा नहाता हुआ मिला तो पूल के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। इस गाइडलाइन को स्विमिंग पूल के संचालककर्ताओं को निर्देश दिए गए हैं। नोएडा, ग्रेटर नोएडा की सोसायटी, स्कूल, स्पोर्ट्स स्टेडियम और होटल मिलाकर खेल विभाग के पास करीब 500 से अधिक पूल रजिस्टर्ड हैं। करीब 15 दिन पहले खेल विभाग ने 14 स्कूलों में स्विमिंग पूल के संचालकों को नोटिस भेजा था।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट की कई सोसायटियों में बच्चों के साथ पूल में घटना हो चुकी है। इसके बाद निवासियों ने स्विमिंग पूल में बढ़ती घटनाओं को लेकर सवाल खड़े किए थे। इसके बाद जिला उप खेल अधिकारी अनीता नागर ने बताया कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा के करीब 300 स्विमिंग पूल संचालकों को खेल विभाग ने संचालन के लिए एनओसी जारी की है। शहर में लगातार बढ़ रहे घटनाओं को देखते हुए शासन स्तर पर आए निर्देश के बाद गाइडलाइन जारी की गई है। 10 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए स्विमिंग पूल रोक लगा दी गई है।

महागुन मायवुड्स सोसाइटी में इबोनी टावर नंबर छह में विभोर चौधरी परिवार के साथ 18वें फ्लोर पर रहते हैं। बच्ची के पिता ने स्वीमिंग पूल के रखरखाव में लापरवाही का आरोप लगाया है। बच्ची के पिता के मुताबिक, पिछले दिनों नहाने के बाद कई और बच्चों की तबीयत भी खराब हुई थी। परिजनों ने बच्ची को डॉक्टर से दिखाया। जहां डॉक्टर ने मेडिसन दे दी लेकिन बच्चे की सेहत पर आराम नहीं पड़ा। उसको और ज्यादा तकलीफ होने लगी। बच्ची के परिजन घबरा गए उसके आंख और नाक से खून बहने लगा। जिसके बाद बच्ची अस्पताल में भर्ती कराया था। इस घटना के बाद सोसाइटी के निवासियों में मेंटेनेंस डिपार्टमेंट के खिलाफ रोष था। आरोप है कि मेंटिनेंस टीम की तरफ से पूल में क्लोरीन की मात्रा अधिक कर दी गई थी। इस वजह से बच्ची के आंख में इंफेक्शन हो गया था। करीब 15 पहले नोएडा के एपीजे इंटरनेशनल स्कूल के स्विमिंग पूल में चार्टर्ड एकाउंटेंट की डूबने से मौत हो गई। इस घटना के बाद डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स ऑफिसर ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा के 14 नामचीन स्कूलों को नोटिस भेजे हैं।

पिस्तौल की जांच करते समय चली गोली, मां-बेटा घायल

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● घटना के बाद आरोपी फरार

मोदीनगर के गांव खंजरपुर स्थित मेडिकल स्टोर पर सुबह दवाई लेने आई मां-बेटे गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद आरोपी फरार है।

अवैध रूप से लाई गई पिस्टल चेक करते समय गोली चलने से यह हादसा हुआ है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गांव खंजरपुर निवासी आदेश कुमार अपनी पत्नी सुभद्रा 38 वर्ष, पुत्र आर्यन 9 साल, कृष्णा 4 साल व पुत्री तन्नु 7 साल के साथ रहते हैं। वह नोएडा की एक निजी कंपनी में नौकरी करके परिवार का लालन पालन करते हैं। शनिवार सुबह आदेश कुमार ड्यूटी पर चले गए। घर पर उनकी पत्नी व बच्चे रहे गए।

सुबह के समय अचाकन कृष्णा की तबीतय बिगड़ गई। महिला सुभद्रा कृष्णा को लेकर गांव में ही एक डॉक्टर के पास पहुंची, लेकिन क्लीनिक बंद था। इसके बाद वह सांगवान मेडिकल स्टोर पर पहुंची। अचानक मेडिकल स्टोर के अंदर से गोली चल गई। गोली कृष्णा के मुंह के पास से लगकर महिला के पैर में जा लगी। गोली महिला के पैर में आरपार हो गई।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ऐ, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

नौकरशाह पलट रहे सरकार के फैसले : केजरीवाल

राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण की दूसरी बैठक में सभी निर्देश हुए खारिज तो एनसीसीएसए पर बरसे मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय द्वारा दिल्ली में नौकरशाहों के तबादले और तैनाती के लिए गठित राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण के कामकाज पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सवाल उठाए हैं।

मुख्यमंत्री ने आशंका जताई थी कि अध्यादेश लागू होने से मंत्रियों के उपर नौकरशाहों का शासन हो जाएगा। अध्यादेश के जरिए दिल्ली में अफसरों की ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर गठित राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण की हुई बैठकों में नौकरशाहों के मनमाने रवैये से साफ होता जा रहा है कि यह प्राधिकरण मात्र एक दिखावा बनकर रह गया है। नौकरशाह एक तरफा निर्णय लेकर मुख्यमंत्री द्वारा लिए गए निर्णयों को पलट दे रहे हैं। इसकी एक बानगी 29 जून को हुई एनसीसीएसए की दूसरी बैठक में देखने को मिली। इस बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों की पूरी तरह से अवहेलना की गई है, जो ये दिखाता है कि एनसीसीएसए मात्र एक दिखावा से ज्यादा कुछ नहीं है।

अध्यादेश के तहत मुख्यमंत्री को एनसीसीएसए का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि दिल्ली के मुख्य सचिव और प्रमुख गृह सचिव को सदस्य बनाया गया है। एनसीसीएसए अपने फैसले बहुमत के आधार पर लेगा। ऐसे में इस अध्यादेश ने केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त दोनों नौकरशाहों मुख्य सचिव और प्रमुख गृह सचिव को मुख्यमंत्री के किसी भी फैसले को पलटने में समक्ष बना दिया है। एक तरह से नौकरशाहों को एनसीसीएसए को चलाने का अनियंत्रित शक्ति मिल गई है और चुनी हुई सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे मुख्यमंत्री एनसीसीएसए में खुद को अल्पमत में पाते हैं। मुख्यमंत्री कार्यलय के अनुसार, 29 जून को हुई एनसीसीएसए की बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लंबित ट्रांसफर-पोस्टिंग प्रस्तावों से संबंधित कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए।

इन निर्देशों में शिक्षा विभाग से योग्य अधिकारियों को हटाने पर आपत्तियां और महिला अधिकारियों उनके वर्तमान पदों से ट्रांसफर को मंजूरी देना शामिल था। इसमें 11 महिला अधिकारियों ने सहानुभूति के आधार पर अपना ट्रांसफर का अनुरोध किया था। केजरीवाल ने इन अनुरोधों का समर्थन करते हुए कहा था कि कामकाजी महिलाएं ऑफिस और घर दोनों जगह काम संभालती हैं। इसलिए उनके अनुरोधों पर सहानुभूति पूर्वक विचार किया जाना चाहिए।

एनसीसीएसए के बारे में फैलाया जा रहा झूठ : राजनिवास

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण की बैठक में लिए फैसलों पर सवाल उठाए जाने पर उपराज्यपाल कार्यालय ने पटलवार किया है। राजनिवास के एक अधिकारी ने बताया कि एनसीसीएसए के पहली बैठक में मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया था कि किसी भी अच्छे अधिकारी को बिना किसी विकल्प के शिक्षा विभाग से तबादला नहीं किया जाना चाहिए। हालाँकि, शिक्षा विभाग, से किसी भी अधिकारी के स्थानांतरण का कोई प्रस्ताव नहीं है। चूंकि केवल वे अधिकारी जो शिक्षा विभाग में काम नहीं कर रहे हैं, लेकिन शिक्षा विभाग में अपनी भौतिक उपस्थिति के बिना केवल वेतन प्राप्त कर रहे हैं, उन्हें स्थानांतरण के लिए प्रस्तावित किया गया है ताकि उचित वेतन मद से वेतन निकालने की सुविधा मिल सके। स्थानांतरण के लिए प्रस्तावित दो अधिकारियों के संबंध में, सीएम ने यह भी सुझाव दिया कि जो अधिकारी सतर्कता के दृष्टिकोण से स्पष्ट नहीं हैं, उन्हें शिक्षा विभाग में तैनात नहीं किया जाना चाहिए, जिसे तदनुसार संशोधित किया गया है। सब रजिस्ट्रार से तबादले के लिए महिला अधिकारियों का अनुरोध एजेंडे का हिस्सा नहीं था और सैद्धांतिक तौर पर इस बात पर सहमति बनी कि इसे अगली बैठक में लाया जाएगा। उपराज्यपाल कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री कार्यालय यह झूठ फैला रहा है कि एनसीसीएसए बैठक में नौकरशाह मनमाने ढंग से मुख्यमंत्री के फैसले पटल रहे हैं। एनसीसीएसए की दूसरी बैठक में केजरीवाल के सभी निर्देशों को खारिज किया गया। यह पूरी तरह से गलत है।

सड़क पर अवैध रूप से बने मंदिर व मजार ढहाए

● पीडब्ल्यूडी मंत्री ने उपराज्यपाल से मंदिरों को तोड़ने का निर्णय वापस लेने का किया था अनुरोध : कुलदीप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अवैध तरीके से बने धार्मिक स्थलों को हटाने की कार्रवाई प्रशासन के लिए हमेशा से टेढ़ी खीर साबित हुई है। आस्था से जुड़े होने के कारण यह मामला संवेदनशील होता है।

इसी क्रम में उत्तर पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा इलाके में वर्षों पुरानी हनुमान मंदिर और मजार को हटा दिया गया। यहां भी लोगों ने लोक निर्माण विभाग की कार्रवाई का विरोध किया लेकिन शांतिपूर्वक तरीके से ढ़ांचे को हटा लिया गया। इस पर दिल्ली सरकार और आम आदमी पार्टी ने नाराजगी जाहिर की है। आप विधायक कुलदीप कुमार ने कहा कि भाजपा के इशारे पर प्राचीन मंदिरों को तुड़वाकर दिल्ली की शांति व्यवस्था बिगाड़ना चाहते हैं उपराज्यपाल। पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने ट्वीट कर कहा कि एलजी साहब, मैंने कुछ दिनों पहले आपसे पत्र लिख कर अनुरोध किया था कि मंदिरों एवं अन्य धार्मिक स्थलों को तोड़ने का जो आपका निर्णय है वह आप वापस ले लें। इसके बाद रविवार को फिर से आपके आदेश पर भजनपुरा में एक मंदिर तोड़ दिया गया है। रविवार सुबह जब पुलिस और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी कार्रवाई करनेके लिए पहुंचे तो वजीरावाद मेन रोड पर अलग ही नजारा देखने को मिला। दिल्ली पुलिस के एडिशनल डीसीपी सुबोध गोस्वामी मंदिर के अंदर गए। उन्होंने श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की और हनुमान जी से कार्रवाई सफल रहने का आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने हनुमान की प्रतिमा को पुजारी की अगुवाई में वहां से हटाकर अन्य जगह पर स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू की। मंदिरों में रखे मूर्तियों को मंदिर से आदरपूर्वक निकालकर गाड़ी में रखा और विदा किया गया। इसके बाद ढ़ांचे पर पीडब्ल्यूडी का बुलडोजर चलाया गया। इसी तरह मजार को भी हटाया गया। इस बीच विधायक कुमार कुलदीप संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना लगातार धार्मिक स्थानों को तुड़वाने का काम कर रहे हैं।

एलएनजेपी अस्पताल में करंट लगने से मजदूर की मौत

● जीबी पंत और एलएनजेपी अस्पताल के बीच बन रही 22 मंजिला इमारत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन इमारत में काम करने के दौरान एक मजदूर की करंट लगने से मौत हो गई। व्यक्ति को करंट लगने के बाद वहां काम कर रहा अन्य मजदूर उसे सुबह करीब नौ बजे एलएनजेपी के आपातकालीन वार्ड लेकर पहुंचा जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। फॉरेंसिक विशेषज्ञों और दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की एक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान बिहार के समस्तीपुर निवासी सुजीत कुमार के रूप में हुई है। एलएनजेपी अस्पताल के एक वरिष्ठ डॉक्टर के मुताबिक, जीबी पंत और एलएनजेपी अस्पताल के बीच बन रही 22 मंजिला इमारत के निर्माण स्थल पर मजदूर को करंट लगा। डॉक्टर ने कहा कि यह स्थल लोक निर्माण विभाग के स्वामित्व में है और इमारत के बनने के बाद इसमें एलएनजेपी अस्पताल का मातृ एवं शिशु ब्लॉक होगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि मजदूर को करंट लगने की घटना एलएनजेपी और जीबी पंत जैसे अस्पतालों को चलाने में दिल्ली सरकार की संवेदनहीनता को दर्शाती है। अस्पताल के परिसर में करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि मई में जीबी पंत अस्पताल से कथित बलात्कार और हमले का मामला सामने आया था और महिला की मौत हो गई थी।

दिल्ली की कैबिनेट मंत्री आतिशी ने रविवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना से उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया जिनकी लापरवाही के कारण एलएनजेपी अस्पताल परिसर में मजदूर की मौत हुई है। पिछले रविवार को रेलवे स्टेशन परिसर में बारिश के बीच करंट लगने से 34 वर्षीय शिक्षिका साक्षी आहूजा की मौत हो गई थी। उसी दिन शाम के समय 17 वर्षीय किशोर की भी दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के तैमूर नगर इलाके में करंट लगने से मौत हो गई थी।

जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करें एलजी: आतिशी

नई दिल्ली। कैबिनेट मंत्री आतिशी ने रविवार को उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना से उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया है जिनकी कथित लापरवाही के कारण हर्ष विहार और एलएनजेपी अस्पताल में हुई अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। उन्होंने यह भी कहा कि सेवाओं के नियंत्रण पर केंद्र के अध्यादेश के तहत उपराज्यपाल को ऐसी कार्रवाई करने का अधिकार है। उपराज्यपाल को लिखे पत्र में आतिशी ने दावा किया, वह आपसे कहना चाहती हूं कि जब तक इस काले अध्यादेश पर अदालत का फैसला नहीं आ जाता। आप इन लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करें। इनकी लापरवाही के कारण ही दो जिंदगियां खत्म हो गईं। आपको अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए और तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए, अन्यथा दिल्ली के लोगों को इसी तरह परेशानी का सामना करना पड़ता रहेगा।

कैबिनेट मंत्री आतिशी

अधिकारियों ने बताया कि ऑटो चालक अजीत शर्मा शुक्रवार को पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा में एक यात्री को छोड़ने के बाद घर लौट रहे थे और इसी दौरान उनका ऑटो वजीराबाद रोड के पास बारिश के पानी से भरे गड्ढे में फंस गया।

जब वह गाड़ी को धक्का देने के लिए बाहर निकले, तो गड्ढे में गिरकर डूब गए। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को एलएनजेपी अस्पताल की एक निर्माणाधीन इमारत में करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई।

दिल्ली में 4-5 जुलाई को तेज बारिश की संभावना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी में एक बार फिर बारिश का दौर शुरू होने वाला है। मौसम विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में अगले चार से पांच दिन तक हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की है।

अगले दो-तीन दिनों मे हल्की बारिश देखी जाएगी। इसके बाद अगले तीन दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश होगी। रविवार को सुबह मौसम सुहावना रहा। न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो औसत से दो डिग्री कम है। अगले 24 घंटे के दौरान हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने दिन में आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और हल्की बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना जताई है। दिल्ली मेंअधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। वहीं 4 और 5 जुलाई को तेज बारिश हो सकती है।

इन दो दिनों में तेज बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि बारिश के चलते तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा। विभाग ने सोमवार को शहर का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 37 डिग्री सेल्सियस और 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान लगाया है।

पीएम हर भाषा में चाहते हैं शिक्षा विस्तार : प्रधान

● मोदी सरकार की शिक्षा-स्वास्थ्य उपलब्धियों पर शोध पत्र लोकार्पित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर भाषा में शिक्षा का विस्तार चाहते हैं, ताकि देश का प्रत्येक छात्र शिक्षित हो।

यह बात केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राजधानी में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की 9 वर्ष की उपलब्धियों पर लोक नीति शोध केन्द्र (पीपीआरसी) द्वारा एक शोध लोकार्पित करते हुए कही। दिल्ली भाजपा द्वारा आयोजित एक सेमिनार में केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने लोक नीति शोध केन्द्र द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में मोदी सरकार के 9 वर्ष के कार्यों पर एक शोध पत्र का लोकार्पण किया। धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार पिछले 9 वर्षों में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित सरकार रही है। मोदी सरकार ने विगत 9 वर्षों में विशेष रुप से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में ऐतिहासिक काम किया है। जिसका विवरण इस शोध पत्र में है।

प्रधान ने कहा कि आजादी से लेकर 2014 तक देशभर में कुल 380 मेडिकल कॉलेज थे लेकिन मोदी सरकार के आने के बाद 262 नए मेडिकल कॉलेज बने। इसके साथ कोविड महामारी में सरकार ने ऐतिहासिक काम किया है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि पीपीआरसी की रिपोर्ट पिछले 9 सालों में इस देश में हुये अभूतपूर्व परिवर्तन का साक्षात दर्पण है। इस अवसर पर लोक नीति शोध केन्द्र के निदेशक सुमित भसीन, प्रदेश भाजपा महामंत्री हर्ष मल्होत्रा मौजूद थे।

पीडब्ल्यूडी सचिव से करनी चाहिए निलंबन की सिफारिश : भाजपा

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि मंत्री आतिशी का उपराज्यपाल को लिखा पत्र और कुछ नहीं, बल्कि केजरीवाल सरकार की विफलताओं से अधिक उनकी अपनी लोक निर्माण विभाग की विफलता से दिल्ली वालों का ध्यान हटाने की एक कोशिश है।

वीरेंद्र ने कहा कि लोग अच्छी तरह से जानते हैं कि पीडब्ल्यूडी पर पूरी तरह से आतिशी का नियंत्रण है और उन्हें बताना चाहिए कि उन्होंने आखिरी बार पीडब्ल्यूडी के निर्माण स्थलों का निरीक्षण कब किया था। मंत्री अपनी प्रशासनिक जिम्मेदारी से भागने वाले केजरीवाल को बचाने की कोशिश कर रही हैं और इसलिए वह बलि का बकरा ढूंढने की कोशिश कर रही हैं। आतिशी को पता है कि 2 निर्दोष लोगों की मौतों के लिए कौन से पीडब्लूडी अधिकारी जिम्मेदार हैं।

विनोद नगर में लावारिस वाहन में मिले भैंस के सिर, मामला दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर इलाके में विनोद नगर डिपो के पास एक लावारिस वाहन से भैंस के सिर बरामद किए गए हैं।

पुलिस बताया कि पुलिस को शनिवार दोपहर एक पीसीआर कॉल से ए जानकारी मिली थी कि डिपो के पास पशु मांस से लदा एक वाहन लावारिस खड़ा हुआ है। अधिकारी के मुताबिक, जब पुलिस दल मौके पर पहुंचा, तो उसने वाहन में भैंस के कई सिर और पशु मांस पाया। उन्होंने कहा कि जांच के बाद पशु चिकित्सकों ने पुष्टि की कि वाहन में मिला मांस भैंस का है। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) अमृता गुगुलोथ ने बताया कि घटना के संबंध में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 293 (युवा व्यक्ति को आपत्तिजनक वस्तु की बिक्री, आदि) और 269 (लापरवाही से जीवन के लिए खतरनाक बीमारी का संक्रमण फैलने की आशंका) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

वाहन को जब्त कर मामले की जांच की जा रही है। इससे पहले, वेलकम इलाके में एक मंदिर के बाहर सड़क पर भैंस का सिर मिला था। पुलिस ने मामले में एक किशोर को हिरासत में लिया था और एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया था।

फतेहपुर बेरी में नाले से शव मिला

नई दिल्ली। फतेहपुर बेरी में रविवार सुबह एक नाले से एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि व्यक्ति गलती से नाले में गिर गया था या यह घटना किसी साजिश का हिस्सा है।

पुलिस ने बताया कि सुबह करीब आठ बजे पीसीआर को फोन करके बताया गया कि आया नगर के जी-ब्लॉक में नाले में शव पड़ा हुआ है। पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची, तो शव नाले में पड़ा मिला।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और व्यक्ति की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मामले की जांच जारी है।

ट्रांसजेंडर की हत्या की गुत्थी सुलझी, लिव-इन पार्टनर गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अपराध शाखा ने प्रशांत विहार इलाके में हुई ट्रांसजेंडर की हत्या की गुत्थी को सुलझा लिया है। पुलिस ने मामले में मयूर मलिक और उसकी लिव-इन पार्टनर रेशमा खान उर्फ सीमा खान को गिरफ्तार किया है।

आरोपीयों ने खुलासा किया कि सीमा खान व मृतक नवीन उर्फ खुशी दोनों रोहिणी स्थित बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल के पास सड़क किनारे अनैतिक कार्य में संलिप्त थे। दोनों के बीच आमतौर पर प्रतिस्पर्धा और ग्राहकों को लुभाने के शुल्क को लेकर झगड़ा होता था। विशेष पुलिस आयुक्त रवींद्र सिंह यादव ने बताया कि 29 जून को रोहणी स्थित जापानी पार्क के पास एक ट्रांसजेंडर का शव मिला। मृतक की पहचान नवीन के रूप में हुई थी। इलाके के सीसीटीवी कैमरों की जांच करने पर पता चला कि कुछ अज्ञात व्यक्ति नीले रंग की बलेनो कार में आए थे व शव को फेंक कर चले गए। कार की पहचान कर ली गयी लेकिन आरोपियों का कोई सुराग नहीं मिला। सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया गया। बाद में आरोपी मयूर मलिक व उसकी लिव-इन पार्टनर रेशमा खान खान की पहचान की गई। टीम ने जाल बिछाकर आरोपीयों के घर पर छापेमारी कर उन्हें पकड़ लिया गया।

● आरोपी और मृतक के बीच प्रतिस्पर्धा और रुपये को लेकर अकसर होता था झगड़ा : पुलिस

आरोपीयों ने खुलासा किया कि घटना वाले दिन मृतक नवीन और आरोपी सीमा खान के बीच ग्राहकों को लेकर झगड़ा हुआ। मृतक नवीन ने आरोपी रेशमा खान के साथ मारपीट की और तभी लिफ्ट ले कर बलेनो कार में सवार होकर मौके से फरार हो गयी। दूसरा आरोपी मयूर मलिक अपनी मोटरसाइकिल पर घटना स्थल से 20-30 मीटर की दूरी पर खड़ा था। आरोपी रेशमा खान बाइक पर बैठ गई और आरोपियों ने कार का पीछा किया।

उन्होंने बलेनो कार को जापानी पार्क के पास रोक लिया। आरोपी व्यक्ति कार की बाईं ओर की खिड़की के पास गए, जहां नवीन बैठा था।

उसके बाएं तरफ की खिड़की का शीशा खुला हुआ था और उनके बीच हाथापाई शुरू हो गई।

दोनों आरोपी मयूर मलिक और रेशमा खान ने नवीन पर चाकू से हमला किया और वहां से भाग गए। चाकू लगने के कारण नवीन ने दम तोड़ दिया।

777 पैरा-मेडिकल स्टाफ व 476 शिक्षकों को सेवा विस्तार

एलजी ने 44 कर्मियों की सेवा बढ़ाने और 24 संविदा वेलफेयर ऑफिसरों की पुन: नियुक्ति को भी दी मंजूरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने संविदा पर काम कर रहे 777 पैरा-मेडिकल कर्मचारियों और 476 अंशकालिक वोकेशनल शिक्षकों के सेवा विस्तारित की मंजूरी दे दी है।

इसके साथ उन्होंने आपदा प्रबंधन कर्मचारियों के 44 अस्थायी पदों के विस्तार और 24 संविदा कल्याण अधिकारियों की पुनर्नियुक्ति को भी स्वीकृति दी है। स्वास्थ्य, शिक्षा, राजस्व और समाज कल्याण विभागों द्वारा विधिवत प्रस्तुत किए गए प्रस्तावों को उन्होंने मंजूरी दे दी। इन प्रस्तावों को मंजूर करते हुए एलजी ने इन विभागों को निर्देश दिया कि जो स्थायी पद हैं, उन्हें नियमित

प्रक्रियाओं और निश्चिय समय सीमा के साथ हर हाल में एक साल के अंदर भरा जाए। इसके अलावा जो मौजूदा संविदा कर्मचारी हैं, उन्हें नियमित भर्ती की खुली प्रक्रिया में शामिल होने का एक बार मौका दिया जाए। उपराज्यपाल कार्यालय के अधिकारी ने बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर एलजी ने 8 चिकित्सा अधिकारी (होम्योपैथिक) को वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, 1 वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (होम्योपैथिक) को मुख्य चिकित्सा अधिकारी (होम्योपैथिक) और 23 वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (एनएफएसजी) को मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसएजी) में प्रमोशन देने संबंधी प्रस्ताव मंजूर कर लिया है। प्रमोशन की तारीख उस दिन से मान्य होगी जो दिल्ली हेल्थ सर्विस जेनरल ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर (होम्योपैथी) नियम, 2016 में उल्लिखित है। उपराज्यपाल ने 777 पैरा-मेडिकल टेक्निकल स्टाफ के संविदा के कार्यकाल को एक वर्ष तक बढ़ाने की भी मंजूरी दी है। इन कर्मचारियों को स्थायी नियुक्ति के लिए डीएसएसएसबी खुली भर्ती प्रक्रिया ला रही है जिसमें शामिल होने के लिए इनकी उम्र सीमा को दरकिनार कर दिया गया है।

सिर्फ एक बार के लिए इन्हें खुली भर्ती में शामिल होने का मौका दिया जा रहा है। एक वर्ष तक का जो कार्यकाल बढ़ाया गया है, उसकी अवधि 1 जुलाई 2023 से शुरू होगी या अगर वे डीएसएसएसबी की खुली भर्ती प्रक्रिया में शामिल होते हैं तो इस प्रक्रिया के पूरा होने तक यह अवधि मान्य होगी।

उपराज्यपाल ने यह भी निर्देश दिया है कि जिन रिक्त पदों के लिए इन संविदा कर्मचारियों को लिया गया है, उन्हें अधिसूचित किया जाए और इन पदों पर नियमित नियुक्तियों के लिए निश्चित समय सीमा के अंदर परीक्षाएं आयोजित की जाएं। इस मामले में अगले तीन महीने के अंदर स्वास्थ्य विभाग एक्शन टेकेन रिपोर्ट उपलब्ध करायेगा।

दिल्ली सरकार के सरकारी स्कूलों में 476 शक्षकों (458 क्लालिफाइड और 18 नॉन क्वालिफाइड) और पार्ट टाइम वोकेशनल शिक्षकों (पीटीवीटी) की सेवा को आगे बढ़ाने के प्रस्ताव को भी एलजी ने मंजूरी दे दी। इसी तरह एलजी ने राजस्व विभाग के 44 अस्थायी और संविदा पर काम कर रहे आपदा प्रबंधन कर्मिया की सेवा को और आगे बढ़ाने संबंधी प्रस्ताव को भी मंजूर कर लिया है।

अप्रैल-जून तिमाही में आबकारी वैट से 1,700 करोड़ रुपये वसूले

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के आबकारी विभाग ने वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में आबकारी और मूल्य वर्धित कर से लगभग 1,700 करोड़ रुपए कमाए हैं। वित्त वर्ष 2022-23 में विभाग ने शराब की 62 करोड़ से अधिक बोतलें बेचकर 6,821 करोड़ कमाए थे।

इस राशि में आबकारी के रूप में 5,548.48 करोड़ और वैट के रूप में 1,272.52 करोड़ रुपए शामिल हैं। आबकारी विभाग को उम्मीद है कि अगले कुछ महीनों में शराब की अधिक दुकानें खुलने से राजस्व में बढ़ोतरी होगी। गर्मी में ग्राहक बीयर को प्राथमिकता देते हैं। इस पर आबकारी कम होता है, यही कारण है कि वित्त वर्ष की दूसरी छमाही की तुलना में पहली छमाही में राजस्व संग्रह हमेशा अपेक्षाकृत कम होता है।

डॉक्टरों का 50 लाख से 5 करोड़ का बीमा होना आवश्यक: श्रीवास्तव

● रोहिणी स्थित जयपुर गोल्डन अस्पताल में मनाया गया डाक्टर्स डे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एक मरीज के लिए उसका डॉक्टर किसी फरिश्ता से कम नहीं होता है। रोहिणी स्थित जयपुर गोल्डन अस्पताल में शनिवार को डाक्टर्स डे के अवसर पर यह बात एमडी डॉ. डीके बलूजा ने कही।

जयपुर गोल्डन अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. बलूजा ने कहा कि यह सिर्फ एक प्रोफेशन नहीं बल्कि एक इंसान कि लाइफ लाइन है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि

वरिष्ठ अधिवक्ता डीपी श्रीवास्तव

सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता डीपी श्रीवास्तव ने सुझाव देते हुए कहा कि सबसे पहले डॉक्टरों का 50 लाख से 5 करोड़ रुपए का इंश्योरेंस होना आवश्यक है। सरकार ने महामारी रोग अधिनियम, 2020 पारित किया, जिसके तहत किसी भी स्थिति के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ हिंसा के कृत्यों को संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध माना गया।

शिखर धवन व अमन गुप्ता से मिले अनुराग ठाकुर, बताईं मोदी सरकार की उपलब्धियां

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर भारतीय जनता पार्टी के संपर्क से समर्थन महा अभियान के अंतर्गत भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन व बोट कंपनी के सह-संस्थापक अमन गुप्ता से मिले। श्री ठाकुर ने इस दौरान दोनों गणमान्यों को मोदी सरकार के 9 वर्षों के कार्यों व उपलब्धियों से अवगत कराया।

ठाकुर ने कहा, हमने आज युवा उद्यमी व बोट कंपनी के सह संस्थापक अमन गुप्ता से मुलाकात की जिन्होंने पूरे विश्व में भारत का नाम ऊंचा किया है। जब हम ब्रांड इंडिया की बात करते हैं तो एक तरफ जहां मोदी जी इसका नेतृत्व कर रहे हैं वहीं हमारे युवा उद्यमी भी अपनी मेहनत और लगन से, ब्रांड के जरिए भारत को विदेशों में पहुंचा रहे हैं। मेरा मानना है कि इसी प्रकार देश को भी आगे बढ़ने के लिए स्थिरता की आवश्यकता होती है जो सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भारतीय जनता पार्टी की सरकार में संभव है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, मोदी सरकार की पॉलिसी हमेशा से युवाओं को जॉब गीवर बनाने की रही है न कि जॉब सीकर की। मोदी सरकार की पॉलिसियों के कारण ही आज भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम हब बना है। उन्होंने कहा, हमारे युवा मोदी व सरकार के विश्वास पर शत-प्रतिशत खरे उतरे हैं।

युवा उद्यमी व बोट कंपनी के सह संस्थापक अमन गुप्ता ने कहा, इंडिया में स्टार्टअप और उद्यमियों को लेकर पहले हमारी सोच बड़ी नहीं थी। पर मोदी सरकार की नीतियों व नीयत की वजह से अभी हमारे अंदर भी बड़ा करने का कॉन्फिडेंस है। हाल में प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका गए तो पूरे विश्व ने हमें नेक्स्ट बिग थिंग के रूप में लिया। पूरे विश्व में कहीं और स्टार्टअप डे नहीं मनाया जाता सिर्फ इंडिया में होता है। पहले उद्यमिता सिर्फ चंद हाथों में थी, आज उसे डेमोक्रिटाइज्ड किया गया है। पिछले 9 वर्षों में देश को पॉलीटिकल स्टेबिलिटी मिली है। मुझे आशा है कि यह आगे भी बनी रहेगी। पहले किसी ने मेक इन इंडिया और मेड इन इंडिया के बारे में सोचा भी नहीं था। मोदी जी ने सोचा और किया। आज हम भारत में सामान बना रहे। पहले इंडिया में इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने पर लोग मजाक उड़ाते थे। आज यह संभव हो पाया है। क्रिकेटर शिखर धवन से मुलाकात पर श्री ठाकुर ने कहा, हमने शिखर जी को सरकार की उपलब्धियां बताई हैं और उनका व खेल जगत का समर्थन मांगा है। पिछले 9 वर्षों में मोदी सरकार के कार्यकाल में भारत में खेलों में 360 डिग्री का परिवर्तन देखने को मिला है। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर शिखर धवन ने कहा, सरकार की उपलब्धियां देखकर हमें गर्व होता है। आज पूरे देश का खेल प्रोसेस व इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत हो रहा है। आज हम कहीं भी बाहर जाते हैं तो गर्व महसूस करते हैं। पहले हम सोने की चिड़िया कहे जाते थे आगे भी हम उसी तरफ बढ़ रहे हैं। दूसरे खेलों को भी आगे बढ़ता देख हमें बेहद खुशी होती है। ठाकुर ने आगे कहा, खेलों को आगे बढ़ाने व युवाओं को अवसर उपलब्ध कराने की मोदी सरकार की नीतियों की दोनों गणमान्यों ने सराहना की व भारत के बढ़ते दबदबे व आर्थिक मोर्चे पर भारत की सुखद स्थिति पर संतोष प्रकट किया।

प्रदेश में 196 महिला पदाधिकारियों, सदस्यों की नियुक्ति से मिली ताकत

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

भारतीय जनता पार्टी हरियाणा की महिला इकाई भी अब मजबूत हो गई है। प्रदेश में 196 महिला पदाधिकारियों, सदस्यों की महिला मोर्चा में नियुक्ति के साथ ही इन महिलाओं में संगठन के लिए काम करने का जोश भी दुगुना हो गया है। बड़े पैमाने पर नियुक्तियां करके भाजपा महिला मोर्चा भी अब प्रदेश में संगठन की मजबूती के लिए मोर्चा संभालकर काम में जुटेगा।

महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सुनीता दांगी ने लोकसभा प्रभारी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, विशेष आमंत्रित सदस्य और स्थायी आमंत्रित सदस्यों की घोषणा की है। महिला प्रदेश स्तरीय इस टीम में 10 लोकसभा प्रभारी, 91 प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, 43 विशेष आमंत्रित सदस्य और 52 स्थायी आमंत्रित सदस्य नियुक्त किए हैं। सुनीता दांगी द्वारा जारी सूची के अनुसार लोकसभा प्रभारी का दायित्व अंबाला में अरुणा अब्रोल दिया गया है। इसी तरह सुमन सैनी को कुरूक्षेत्र लोकसभा प्रभारी, महेंद्रा चौहान को करनाल लोकसभा प्रभारी, पुष्पा तायल को सोनीपत, नीलम अहलावत

भाजपा महिला मोर्चा में 10 लोस प्रभारी, 91 कार्यकारिणी सदस्य, 43 विशेष व 52 स्थायी आमंत्रित सदस्य नियुक्त

को रोहतक, रेणु शर्मा को सिरसा, बबीता तंवर को हिसार, मुकेश पहाड़ी को भिवानी-महेंद्रगढ़, विदु कालरा को गुरुग्राम, कुसुम महाजन को फरीदाबाद की लोकसभा प्रभारी और श्रीमती गीता सरौत को सह प्रभारी का दायित्व दिया गया है।

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी की सदस्य : बीजेपी महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी में करनाल से महेंद्रा चौहान, कुरूक्षेत्र से शशि सैनी, पानीपत से राजवंती पांचाल, गुरुग्राम से ऋचा वशिष्ठ, फरीदाबाद से आशा रानी, चरखी दादरी से सुनीता स्वामी, सपना सेन, कश्मीरी देवी, राजरानी सांगवान को कार्यकारिणी में शामिल किया गया है। इसी तरह गुरुग्राम से गुरुग्राम से विदु कालरा, पूनम यादव, निधि मल्होत्रा कीर्ति सिंह, राजवती काजला

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सुनीता दांगी।

चरखी दादरी, राजबाला श्योराण भिवानी, योगिता धीर गुरुग्राम, कुसुम महाजन फरीदाबाद, पंचकूला से अनुराधा वर्मा, अरुणा अबरोल, वंदना गुप्ता, और सुनीता सिंह को कार्यकारिणी में शामिल किया गया है।

अंबाला से कंचन हीरा, सरला कपूर, सुमन सैनी, मनप्रीत कौर, यमुनानगर से प्रेमलता रादौर, सावित्री, कुरूक्षेत्र से ममता सैनी, सुकन्या तंवर, निर्मला लाठर, कैथल से शारदा राठौर, सुमन राणा, करनाल से ऊषा मंचल, सुमन शर्मा, करनाल से मीना कंबोज, सुमित्रा प्रोचा, सीमा देवी, रजनी शर्मा, सुनीता अरदाना, पानीपत से मोना शर्मा, नीरजा सिंघला को कार्यकारिणी में शामिल किया गया है। सोनीपत जिला से अंजू दहिया, रेखा गर्ग, सुनीता मान, सोनिया अग्रवाल को दायित्व दिया गया है।

जिला जींद से गीता बिटानी, सरोज भाटिया, सुमन बेदी, रोहतक से राधा अहलावत, राजरानी शर्मा, उषा शर्मा, आशा शर्मा, झज्जर जिला से नीलम अहलावत, सुशीला लांबा, कमलेश अत्री, कमलेश बाल्याण, जिला सिरसा से रेणु शर्मा, दशना बामणिया, आशा जैन और हिसार से सुनीता रेडु, डॉक्टर मीनू भूटानी, प्रोमिला पुनिया, डॉक्टर सुमन यादव, जिला फतेहाबाद से सीमा दत्ता, पूनम सिंघला को नियुक्त किया गया है।

जिला भिवानी से मुकेश पहाडी, मुकेश चौहान, वीना तंवर, शकुंतला प्रधान, रेवाड़ी से गीता कुमारी, सुनीता धावल, नीतू चौधरी,चांदनी चांदना, डॉ. कविता गुप्ता, महेंद्रगढ़ से भारती सैनी, सरिता जांगड़ा, मौसम शर्मा, सरला यादव को कार्यकारिणी में शामिल किया गया है। नूंह मेवात से अनीशा बानो, निशा कोर, श्वेता स्वामी, जिला पलवल से योगेश चौधरी, सविता शर्मा, दर्शना भारद्वाज, सुनीता सोनी, सीमा राजपाल, गीता सरौत शामिल हैं।

स्टार्टअप-20 शिखर कार्यक्रम के लिए विदेशी प्रतिनिधि पहुंचे गुरुग्राम

गुरुग्राम में स्टार्टअप-20 शिखर कार्यक्रम के लिए पहुंचे विदेशी प्रतिनिधियों का दिल्ली एयरपोर्ट पर स्वागत करते सदस्य।

गुरुग्राम। गुरुग्राम में 3 व 4 जुलाई को होने वाले स्टार्टअप-20 शिखर कार्यक्रम में भागीदारी के लिए विदेशी डेलिगेट्स का आगमन हो चुका है। नई दिल्ली स्थित आईजीआई एयरपोर्ट पर मेहमानों का कला एवं संस्कृति विभाग की टीम ने हरियाणा के पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार स्वागत किया।

हरियाणा के आतिथ्य सत्कार से विदेशी मेहमान बेहद प्रभावित हुए। भारत में अतिथि देवो भव: की परंपरा से रूबरू मेहमानों ने हरियाणा की टीम के साथ सेल्फी भी ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को मिली जी-20 ग्रुप की अध्यक्षता में जारी कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत 3-4 जुलाई को गुरुग्राम के सेक्टर-58 स्थित ग्रैंड हयात होटल में स्टार्टअप 20 शिखर बैठक होगी। इसी बैठक के तहत दोनों दिन सेक्टर-64 स्थित ओरोना कंवेशन सेंटर में स्टार्टअप कांक्लेव व प्रदर्शनी तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। गुरुग्राम में स्टार्टअप 20 शिखर कार्यक्रम में लगभग 800 प्रतिनिधिमंडलों के भाग लेने की संभावना है। स्टार्टअप 20 शिखर बैठक में पहुंचने वाले विदेशी मेहमानों के सम्मान में हरियाणा सरकार द्वारा तीन जुलाई को ओरोना कन्वेंशन सेंटर में रात्रि भोज भी दिया जाएगा। मुख्यमंत्री मनोहर लाल सहित राज्य मंत्रीमंडल के सदस्य भी रात्रि भोज में शामिल होंगे। बैठक में पहुंचने वाले मेहमानों का भी नई दिल्ली स्थित आईजीआई एयरपोर्ट पर कला एवं सांस्कृतिक विभाग, हरियाणा की टीम द्वारा प्रदेश की पारंपरिक संस्कृति के अनुरूप स्वागत किया गया। विदेशी प्रतिनिधियों के समक्ष हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत संजोई।

भतीजे ने ही रची थी चाचा की मौत की साजिश, तीनों हत्यारोपी पहुंचे जेल

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

टोनी हत्याकांड में संलिप्त तीन नामजद हत्यारोपी।

खेड़ला निवासी टोनी हत्याकांड में भतीजे ने ही रची थी चाचा को हत्या करने की साजिश। रिमांड पर आए हत्यारोपी भतीजे ने पुलिस द्वारा की -ई पूछताछ में यह खुलासा हुआ है। पुलिस ने रिमांड के दौरान हत्यारोपियों से बाइक व खून से लथपथ कपड़ों को बरामद कर लिया है। अदालत ने तीनों आरोपियों को अल दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भोंडसी जेल भेज दिया है।

टोनी हत्याकांड में एक दिन की रिमांड पर आया ललित उर्फ चेला ने पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में हत्या करने का राज खोल दिया। ललित उर्फ चेला ने पुलिस को बताया कि दो साल पहले टोनी और उसके परिजनों को झगड़ा हो गया था। इस दौरान टोनी ने परिजनों को जान से मारने की धमकी व गालियां दी थीं। उसी दिन से ललित ने टोनी की हत्या करना ठान लिया था। वह दो साल तक टोनी के साथ रहता था। लेकिन अपने इरादे को लेकर मौके की तलाश में था। ललित ने खेड़ला निवासी अशोक व दमदमा निवासी दिनेश को विश्वास में लेकर गुरुवार को दिन में ही टोनी की हत्या करने का योजना बना ली थी। जब टोनी को शराब पीते समय अधिक नशा होने लगा तो उसने झगड़ा किया था। ललित ने पहले टोनी के सिर में बीयर की बोतल मारी उसके बाद पास में पड़ा पत्थर से उसके मुंह से लेकर पैरों तक अ से ू0 वार किए। दिनेश व अशोक वहां से बाइक पर चले गए थे। लेकिन ललित टोनी की हत्या करने के बाद वहीं पर घंटो बैठने के बाद देर रात में चला गया था।

अदालत ने भेजा जेल : मामले की जांच कर रहे एसआई रामबीर ने बताया कि रिमांड के दौरान तीनों आरोपियों से बाइक व उनके खून से लथपथ कपड़ों को मौके पर ले जाकर बरामद कर लिया है। रविवार को एक दिन की रिमांड के बाद अदालत में पेष किया। अदालत ने तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

ऐलिवेटेड मार्ग के साथ बना बरसाती नाले की टूटी प्लेट, जान को खतरा

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

-गुरुग्रम-सोहना एलिवेटेड मार्ग के साथ-साथ बना बरसाती नाले पर लगी प्लेटें टूटी होने से जान लेवा हादसो को न्यौता दे रही है। यह नाला सफाई न होन के कारण कूड़ा कचरा से भरा हुआ है। जिसकी -हरा साढे तीन से चार फुट तक है। एनएचआई के स्थानीय अधिकारी नाले की टूटी प्लेटों की तरफ ध्यान न देने से स्थानीय नागरिकों में भारी रोष पनप रहा है।

गुरुग्राम-सोहना के बीच बना एलिवेटेड मार्ग से बरसात के मौसम में पानी निकासी के लिए नाला का निर्माण किया था। लेकिन इस नाले की बीतें डेढ़ साल में एक बार भी सफाई नहीं कराई गई है। नाले में जगह-जगह बरसाती पानी ओवर फ्लो होकर सड़क या नाले के साथ लगती खेती वाली जमीन में जा रहा है। जिससे किसानों के खेतों में बरसाती पानी जमा हो रहा है।

टूटी प्लेटों से जान जाने का खतरा : एलिवेटेड मार्ग के साथ बरसाती नाले को कंकरीट की प्लेटें बनाकर ढक दिया था। आस पास के ना-रिक, किसान, मजदूर या पैदल चलने वाले को नाले से किसी प्रकार की परेषानी न हो। लेकिन नाले पर लगाई गई प्लेटे जगह-जगह से टूट गई है। टूटी प्लेटों को बीतें छह माह से बदला नहीं गया है। उल्टा यें टूटी प्लेटें किसी भी पैदल चलने वाले की जान ले सकती है।

विरोध प्रदर्षन की चेतावनी : शहर निवासी बलराज का कहना है कि मार्ग पर यूनिवर्सिटी के विद्यार्थी समेत आस पास की सोसायटियों में मजदूरी करने वाले पुरुष व महिलाएं पैदल चलकर अपने घर आती व जाती हैं। मार्ग के साथ लगते खेतों में काम करने वाले किसान भी सिर पर वजन रखकर नाले के ऊपर से पैदल निकलते है। ऐसे में टूटे हुए स्थान पर नाले में गिरने का खतरा बना हुआ है। यदि एनएचआई वाले नाले की टूटी प्लेटों को जल्द से ठीक न करने पर स्थानीय नागरिक सड़क पर उतर आएंगे। राधेश्याम का कहना है कि मजदूर व किसान के बच्चे स्कूल आते व जाते समय नाले का ही उपयो- करते हैं। ऐसे में पढ़ने वाला बच्चा नाले में गिरने से चोटिल हो सकता है।

मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान को गति दे रहे अल्पकालीन विस्तारकों को मिल रहा जनसमर्थन : सचिन बघेल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान के दौरान लोगों से मिलते अल्पकालीन विस्तारक।

थानागाजी विधानसभा के राजपुर धमरेड मंडल में अल्पकालीन विस्तारकों की बैठक हुई। संपर्क से समर्थन बैठक सफल रही, जिसमें 20 मंडल कार्यकारिणी पदाधिकारी, 5 कार्य समिति सदस्य तथा 5 महिला मोर्चे की कार्यकर्ता उपस्थित रहीं। सभी 6 मोर्चो के अध्यक्ष इस अवसर पर मौजूद रहे। गुरुग्राम से बतौर विस्तारक पहुंचे भाजपा पंचायती राज प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सरपंच सुंदर लाल समेत अन्य कार्यकर्ताओं का गर्मजोशी से स्वागत भी हुआ।

बैठक 11.30 बजे से लेकर दोपहर 2.30 तक चली। जिसमें पन्ना प्रमुख चयन, बूथ समिति सत्यापन, नमो ऐप/सरल ऐप उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। सकट शक्ति केंद्र की बैठक भी हुई। आगामी 4 जुलाई को पन्ना प्रमुख सम्मेलन के बारे में विस्तृत चर्चा हुई।

पांच बूथों के पन्ना प्रमुख सरल पोर्टल पर अपलोड कराए। विस्तारक सचिन बघेल ने कहा कि भाजपा संगठन की यह विशेषता है कि देश के हर कोने में कार्यकर्ताओं को भेजकर एक-दूसरे वहां के कार्यकर्ताओं को जानने, काम करने का अवसर दिया है। हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी तय है। सभी पूरी ईमानदारी के साथ अपने काम को गति दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य संगठन की मजबूती और आम जनता के बीच जाकर पार्टी और सरकार की नीतियों के बारे में जानकारी देना है।

बैठक में उपस्थित लगभग सभी मंडल पदाधिकारियों ने अपना भरपूर सहयोग देने के लिए आश्वस्त किया। संपर्क से समर्थन के अंतर्गत वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से मुलाकात की, जिसमें प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य व पूर्व संघ प्रचारक ब्रजेश शर्मा व भाजपा के अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता रहे। कार्यकर्ताओं ने बताया कि इस प्रकार की बैठक द्वारा कार्यकर्ताओं को जानकारी सांझा कर सक्रिय करने का प्रयास इससे पहले कभी नहीं हो पाया था। इस तरह इस सफल आयोजन के लिए उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने मंडल ईकाई व विस्तारक का आभार व्यक्त कर धन्यवाद किया।

नरसिंहानंद गिरी ने पोप व राष्ट्रपति पुतिन को खून से लिखे पत्र

प्रवीन शर्मा। गुरुग्राम

धर्म गुरु पोप व रूसी राष्ट्रपति पुतिन को खून से पत्र लिखते यति नरसिंहानंद गिरि।

महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी ने ईसाई धर्म गुरू पोप और रुस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन को अपने रक्त से पत्र लिखकर हिंदुओं के अंजाम से सबक लेने का आह्वान किया है। उनके इन पत्रों को महाराज की प्रतिनिधि डॉ. उदिता त्यागी दिल्ली में पोप के प्रतिनिधि और रूस के दूतावास को सौंपेंगी।

महामंडलेश्वर ने पोप के लिखे पत्र मे लिखा है कि आज आपको इस्लामिक जिहाद के परिपेक्ष्य में हम हिन्दुओं की स्थिति का ठोस अध्ययन करना चाहिए और हिंदुओं की दुर्गति से शिक्षा लेते हुए वो गलतियां नहीं करनी चाहिए, जो हमारे धर्म गुरुओं ने की हैं। हिंदू समाज इस्लामिक जिहाद के विगत 1300 से भी अधिक वर्षों से शिकार होता जा रहा है। हिंदू धर्म गुरुओं ने भी इस बुराई को समाप्त करने का कोई प्रयास कभी नहीं किया।

हिंदू समाज को दोषी ठहराया जा रहा है कि भारत में रहने वाले मुसलमानों पर बड़ा भारी अत्याचार हो रहा है, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है। यदि ऐसा होता तो बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार, श्रीलंका और विश्व के अन्य देशों से भी न जाने कहां-कहां से मुस्लिम अपना देश छोडकर भारत में आ बसे हैं।

रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन को रक्त से पत्र में महाराज जी ने कहा है कि उन्होंने जो गत 28 जून को कुरान को लेकर जो कहा है वह कुरान के प्रति उनकी अज्ञानता को प्रदर्शित करता है। उन्हें कुरान और इस्लाम के इतिहास का विस्तृत अध्ययन करना चाहिए। जो बातें उन्होंने कही हैं, ये बातें देश के नेता भी कहते रहे हैं और समाज ने उन पर विश्वास भी किया है।

इसका परिणाम यह निकला कि हम अपना सब कुछ खोकर संपूर्ण रूप से नष्ट होने के कगार पर खड़े हैं। उन्होंने पुतिन से कहा है कि वे मानवता के लिए कार्य करें। इस अवसर पर भगवताचार्य पवन कृष्ण शास्त्री, गिरीश मिश्रा मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

बुजुर्ग महिला को बेटे ने पीटकर घायल किया

फरीदाबाद। एनआईटी पांच जे ब्लॉक में बुजुर्ग महिला को उसके बेटे ने मारपीट कर घायल किया। उसे उपचार के लिए सरकारी अस्पताल भर्ती कराया गया है। लीला नामक एक बुर्जग महिला अपने बेटे और पोते के साथ रहती है एनआईटी पांच में रहती है। उसका एक बेटा यूपी में रहता है और एक बेटा उसके साथ रहता है। बेटे का नाम डिंपल बताया जाता है जो पिछले पांच दिन से लगातार अपनी मां की पिटाई कर रहा। सरकार द्वारा दी जानी वाली पेंशन को भी मां से छीन कर ले जाता बताया जाता है। पीड़ित महिला ने पुलिस की सहायता की गुहार लगाई है।

तेज रफ्तार वाहन ने किसान को कुचला, उपचार के दौरान मौत

सोहना। बल्लभगढ़ सोहना मार्ग पर गांव निमौठ के पास सड़क पार कर रहा 41 वर्षीय किसान की वाहन की टक्कर से मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफमामला दर्ज कर लिया और मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। गांव खेड़ली लाला निवासी नरेंद्र ने सदर थाना पुलिस को बताया कि शुक्रवार की रात करीब सवा नौ बजे पास के गांव निमौठ के पास उसका भाई बिरेंद्र ढाबा पर खाना खाने गया था। बिरेंद्र जब पैदल घर के लिए सड़क पर चलने लगा। उसी समय फरीदाबाद की तरफसे आई तेज रफ्तार गाड़ी ने सीधी टक्कर मार दी। बिरेंद्र सड़क पर गिर गया और उसके सिर में गंभीर चोटें लगीं। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने बिरेंद्र को मृत घोषित कर दिया। सदर थाना पुलिस ने आरोपी वाहन चाची तलाश शुरू कर दी है।

माउस की एक क्लिक पर पाएं जमाबंदी की ऑनलाइन फर्द

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अधिकतम शासन, न्यूनतम सरकार के अपने सिद्धांत पर चलते हुए नागरिक केंद्रित सेवाओं को ऑनलाइन किया है। प्रदेश सरकार द्वारा पारदर्शी सुशासन की दिशा में एक कदम और बढ़ाया गया है। हरियाणा में जमाबंदी की ऑनलाइन फर्द (कॉपी) ऑनलाइन उपलब्ध कराने के लिए वेब-हैलरिस प्रणाली का उपयोग करते हुए भूमि अभिलेख प्रबंधन कार्यों का कम्प्यूटरीकरण किया गया है, जिसके तहत अब किसानों को जमाबंदी की फर्द माउस की एक क्लिक पर ऑनलाइन मिल उपलब्ध कराई जा रही है। डीसी निशांत कुमार यादव ने बताया कि सरकार की ओर से लागू की गई ऑनलाइन जमाबंदी प्रणाली सुशासन की दिशा में मनोहर सरकार द्वारा उठाया गया एक सराहनीय कदम है। उन्होंने बताया कि राजस्व विभाग ने प्रदेशभर की सभी तहसीलों व उप-तहसीलों में वेब-हैलरिस प्रणाली का उपयोग करते हुए भूमि अभिलेख प्रबंधन कार्यों का कम्प्यूटरीकरण किया है। इसके बावजूद किसानों को जमाबंदी के प्रिंट को पटवारी से सत्यापित करवाना पड़ता है, जिससे उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ता है। परंतु अब किसान जमाबंदी की डिजिटल हस्ताक्षरयुक्त जमाबंदी के पोर्टल से प्राप्त कर सकते हैं।

सीवरेज डालने के कार्य का विधायक ने किया शिलान्यास

गुरुग्राम। बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलताबाद ने रविवार को गांव बजघेड़ा में 9.12 करोड़ रुपये की लागत से किए जाने वाले सीवरेज कार्य का शिलान्यास किया। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा गांव में सीवरेज लाइन डाली जाएगी, जिससे गांव में सीवरेज की बेहतर सुविधा बनेगी। इस मौके पर विधायक ने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम में शामिल नए गांवों और क्षेत्रों में सीवरेज, पेयजल आपूर्ति, सामुदायिक केंद्र, चौपाल, सड़क एवं गलियों का निर्माण आदि मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों व सीवरेज डालने का कार्य करने वाली एजेंसी के प्रतिनिधियों से कहा कि वे निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करें तथा गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। ग्रामीणों ने विधायक का पगड़ी पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर चौधरी रामपाल राणा, बल्लूराम, रतन राणा, बलबीर, राजन नंबरदार, सतबीर नंबरदार, महाबीर, मूलचंद राणा, दुली राणा, भरते, नफेसिंह, रिशाल राणा, सूबे राणा, टीका प्रजापत, धर्मपाल प्रजापत, राजिंद्र वाल्मिकी, तारा मास्टर, हरीओम मास्टर, सूरजभान मास्टर, जयकिशन प्रजापत, बिटटू राणा, कर्मबीर, परमिन्द्र, रवि, सोनू, कुणाल, प्रवीण, रणदीप पंच, नैनसिंह, अनिल पंच, जोनी पंच, मोनू पंच, देवेन्द्र पंच, लच्छीराम, भूपसिंह, साधुराम, जयदीप, बीरबल प्रजापत, भूप कश्यप, कुलदीप पंच, कपिल, सुभम, सुरेंद्र, राजपाल, दलबीर, समय नंबरदार, सुरेंद्र नंबरदार, राजकुमार, राजू, कुलदीप, जिलेसिंह, उमेद सरपंच, प्रदीप प्रधान, उमेद बल्हारा, माईचंद कश्यप, विष्णु वाल्मिकी, तेजराम, रमेश, बालकिशन प्रजापत, श्रीनिवास राणा, सोनू और बजघेड़ा के काफी लोग उपस्थित थे।

पार्क है पानी-पानी, लोग कैसे करें सुबह की सैर सुहानी

गुरुग्राम। बीते सप्ताह बारिश से शहर के अनेक हिस्सों में जलभराव हुआ। इससे पार्क भी अछूते नहीं रहे। हाइवे पर से तो पानी की निकासी के लिए अधिकारी गंभीरता दिखाते हैं, लेकिन पार्कों में भरे पानी की निकासी पर ध्यान तक नहीं दिया जाता। इससे लोगों की सुबह की सैर प्रभावित हो रही है। लोगों की मांग है कि अगर पार्क में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम हों तो यह पानी जमीन में डाला जा सकता है। सेक्टर-9 क्षेत्र के पार्क में घुटनों तक पानी भरा है। इस पार्क में प्रतिदिन सुबह-शाम काफी लोग टहलने के लिए आते रहे हैं। अधिकांश पार्क में जिम की सुविधाएं भी हैं। युवा भी स्वस्थ रहने के लिए जिम के उपकरणों का इस्तेमाल करते रहे हैं, लेकिन पिछले दिनों हुई बारिश ने पूरे पार्क को एक टापू की स्थिति में पहुंचा दिया है। पार्क में लगे घने वृक्ष भी जलभराव की चपेट में हैं।

गुरू पूर्णिमा पर विशेष

गुरु के मार्गदर्शन में ज्योति बनी अंतरराष्ट्रीय योग प्रशिक्षक

विनोद शर्मा, पलवल।

हम न हंसकर सीखे हैं न रोकर सीखे हैं, जो कुछ सीखे हैं गुरु के होकर सीखे हैं। यह कहना है गांव अहरवां निवासी ज्योति शर्मा का। अंतरराष्ट्रीय योग प्रशिक्षक ज्योति शर्मा अपने मुकाम का श्रेय अपने गुरु व योग प्रशिक्षक प्रताप सिंह डागर को बताती हैं। ज्योति शर्मा के अनुसार वर्ष 2000 में जब पहली बार उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भारत योग सम्राज्ञी का खिताब जीता तो उस समय प्रताप सिंह डागर स्कूल के हेडमास्टर थे। उनके मार्गदर्शन में

मास्को में योग सिखाते व वहां के नागरिकों के साथ ज्योति का फाइल फोटो।

ज्योति शर्मा।

पलवल के कई लोग राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के योग खिताब जीत चुके हैं। प्रताप सिंह डागर को जल योग में भी महारत हासिल है।

ज्योति शर्मा ने बताया कि जब वह स्कूल में छठी कक्षा में पढ़ती थीं, तब प्रताप सिंह डागर बच्चों को योग की कलाएं सिखाते हुए उनके फायदे बताते थे। जिनसे प्रेरणा लेकर उन्होंने योग को जीवन में उतारने का निर्णय लिया था। उनके मार्गदर्शन में योग सीखकर उन्होंने कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय योग प्रतियोगिताएं जीतीं। इसके बाद केरल व फिर मास्को में योग प्रशिक्षण देकर न केवल पलवल का नाम रोशन किया, बल्कि विदेश में जाकर योग से ही अच्छी आजीविका भी मिली। महामारी के बाद से वे अपने ही क्षेत्र में रहकर लोगों को ऑनलाइन योग से स्वस्थ रहने के टिप्स बता रही हैं।

रसूलपुर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य जल्द पूरा किया जाए : सुधीर राजपाल

विभिन्न प्रोजेक्ट की प्रगति तथा महत्वाकांक्षी योजनाओं की समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

अंत्योदय परिवारों की आय में बढोत्तरी के लिए अन्य इनकम सोर्स जैसे ऋण की सहायता से रोजगार शुरू करवाने आदि की दिशा में कार्य किया जाए। ताकि ऐसे गरीब परिवारों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके, जिससे सरकार के अंत्योदय उत्थान के ध्येय को साकार किया जा सके। अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं सीईओ जीएमडीए सुधीर राजपाल जिला सचिवालय में 25 करोड़ रुपए के चल रहे विभिन्न प्रोजेक्ट की प्रगति की और महत्वाकांक्षी योजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर जिला अधिकारियों को निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि अंत्योदय मेलों के आयोजन का मुख्य उद्देश्य यही है कि गरीब वर्ग का आर्थिक रूप से उत्थान किया जा सके।

एसीएस सुधीर राजपाल ने बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सीएचसी, पीएचसी, एसडीएच तथा नागरिक अस्पताल में दी जा रही सेवा-सुविधाओं जैसे-संस्थागत डिलिवरी बढाने तथा सीएचसी बडौली का इंफ्रास्ट्रक्चर पूरा कर उसे राउंड द क्लॉक क्रियान्वित करने के लिए चिकित्सक, स्टाफ नर्स आदि कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिला के तीन स्वास्थ्य संस्थानों को राष्ट्रीय स्तर पर सर्टिफाइड किया जा चुका है। उन्होंने सरल पोर्टल की रैंकिंग व कार्यप्रणाली तथा रिपोर्टिंग और पैंडेंसी, पुलिस विभाग द्वारा जिला में इस वर्ष की सभी घटनाओं में की गई कार्रवाई, विजिलेंस मैटर्स के पेंडिंग केस, समाज कल्याण विभाग से वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, बेसहारा पेंशन, शिक्षा विभाग से मॉडल संस्कृति स्कूलों के संचालन, जिला के राजकीय विद्यालयों में वैकेंसी पोजिशन, टीचिंग स्टाफ, निपुण हरियाणा में राज्य स्तर पर जिला की रैंकिंग, आबकारी एवं कराधान विभाग से वैट, जीएसटी, एसजीएसटी, सैस, अंत्योदय परिवार उत्थान योजना, परिवार पहचान-पत्र, जिला परिषद की ओर से करवाए जाने वाले कार्यों जैसे-गांवों में सामुदायिक केंद्र, लाइब्रेरी, व्यायामशालाएं, आंगनबाडी केंद्रों, शिवधाम योजना के तहत अब तक किए गए कार्यों की क्रमवाइज समीक्षा की। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं को तय समय पर पूरा किया जाए।

नगर परिषद के कार्यकारी अभियंता सतपाल ने एसीएस को अवगत करवाया कि अमृत योजना के तहत तीनों एसटीपी का कार्य पूरा किया जा चुका है। वाटर डिस्चार्ज के लिए पानी को ड्रेन में डाला जा रहा है। इस पर एसीएस सुधीर राजपाल ने कृषि विभाग के उप निदेशक को निर्देश दिए कि वे ट्रीटिड पानी को चैक करवाएं कि यह पानी खेतों में सिंचाई के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। उप जिला शिक्षा अधिकारी सुखवीर तंवर ने एसीएस को अवगत करवाया कि जिला के खंड हसनपुर में ड्यूअल डैस्क का कार्य पूरा हो चुका है तथा तीन ब्लॉक की मांग पर अभी कार्य प्रगति पर है। सुधीर राजपाल ने गांव औरंगाबाद के जोहड, जिस पर अमृत सरोवर के अंतर्गत कार्य किया गया है, का मौके पर जाकर अवलोकन कर जायजा लिया व अधिकारियों को निर्देशित किया।

सिपाही ने शादी का झांसा देकर महिला से किया दुष्कर्म

पीड़ित महिला की नाबालिग बेटी का ब्याह अधेड़ से कराया

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

जिले में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने शादी के लिए कहने पर मारपीट की। पीड़ित की नाबालिग बेटी की अधेड़ से शादी करा दी। महिला थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर पुलिस के सिपाही के खिलाफ केस दर्ज किया है।

महिला थाना प्रभारी सुशीला के अनुसार, होडल थाना एरिया में रहने वाली विवाहिता ने शिकायत दी है। इसमें उसने कहा कि उसकी शादी 2004 में हुई थी। उसका एक बेटा-बेटी है, लेकिन पांच वर्ष पूर्व उसके पति ने उसका और उसकी बेटी का परित्याग कर दिया। बेटे को अपने पास रख लिया।

वह बेटी के साथ अलग रहने लगी। इसी दौरान उसकी मुलाकात बलदेव से हुई। पीड़िता के अनुसार, बलदेव ने उसे अपनी मीठी-मीठी बातों में फंसाकर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी पीड़िता व उसकी बेटी को होडल से पलवल ले आया और एक मकान में किराए पर रहने लगा। इसके बाद पीड़िता जब भी उससे शादी की बात कहती तो वह टालमटोल करने लगता। दो वर्ष पूर्व बलदेव यूपी पुलिस में सिपाही की नौकरी लग गया।

14 साल की बेटी की शादी 31 साल के शख्स से कराई

पीड़िता के अनुसार, उसने शादी के लिए कहा तो बलदेव ने कहा कि अपनी शादी से पहले बेटी की शादी कर दो। रिश्ता तलाश लिया है तो उसने कहा कि बेटी की उम्र अभी 14 साल है। उसने कहा कि ऐसा रिश्ता दोबारा नहीं मिलेगा। जब बेटी की शादी हो जाएगी, तभी वह शादी करेगा। आरोपी ने उसकी 14 वर्ष की बेटी की शादी 31 वर्षीय गुरूदत्त से झांडसेतली मंदिर में करा दी। पीड़िता ने बताया कि उसने पांच साल तक रिश्ता निभाया, जिससे वह तीन बार गर्भवती भी हो गई, लेकिन उसने गर्भनिरोधक गोलियां खिलाकर उसका गर्भ गिरा दिया। अब उसने कहा कि बेटी की शादी हो गई, अब तो शादी कर लेते हैं। इस पर बलदेव गाली गलौच और मारपीट करने लगा। वह उसे जान से मारने की धमकी देते हुए शादी से इनकार करके चला गया।

संक्षिप्त समाचार

सुख, शांति व समृद्धि के लिए किया हवन यज्ञ

फरीदाबाद। सेक्टर 21 आर्य समाज के तत्वावधान में सीनियर सिटीजन क्लब 21ए में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। डॉ. देवकीनंदन शास्त्री ने यज्ञाचार्य की भूमिका निभाते हुए हवन यज्ञ विधिवत संपन्न कराया। वेदों में वर्णित श्लोकों एवं ऋचाओं के उच्चारण से वातावरण आध्यात्मिक भावों से परिपूर्ण हो गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य समाज सेक्टर 21 के प्रधान राजन सिक्का ने की एवं सेक्टर वासियों को आषाढ मास शुक्ल पक्ष में गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। डॉ. देवकीनंदन शास्त्री ने कहा कि हवन यज्ञ के आयोजन में समिधा के जलने से वातावरण में सुगंधित खुशबू बढ़ती है। हमारे देवी देवता प्रसन्न होकर परिवार जनों की सुख समृद्धि और शांति के लिए अपनी कृपा अनवरत बनाए रखते हैं एवं हवन यज्ञ से लाभ मिलता है। इस मौके पर उपप्रधान आरके मल्होत्रा, कोषाध्यक्ष अर्जुन भल्ला, चंद्रवती अरोड़ा, शांति आर्य, एसके दत्त (रिटायर्ड मेजर जनरल), जेएल गुलाटी, राजेश वधवा, महेश आर्य आदि कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विधायक ने प्रॉपर्टी आईडी कैंप में जाकर सुनीं लोगों की समस्याएं

फरीदाबाद। तिगांव विधायक राजेश नागर ने पुरी प्राणायाम सोसायटी में लगे प्रॉपर्टी आईडी कैंप का निरीक्षण किया और लोगों से बात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो, अधिकारी इसका विशेष ध्यान रखें। नागर ने बताया कि कई दिनों से तिगांव विधानसभा में प्रॉपर्टी आईडी कैंप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह अलग-अलग स्थानों पर लग रहे प्रॉपर्टी आईडी शिविरों का लाभ लें। प्राणायाम सोसायटी में करीब 50 लोगों ने कैंप का लाभ उठाया। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रॉपर्टी आईडी में सुधार के काम को तेजी से पूरा करने के लिए अधिकारी को निर्देश दिए हैं, जिसका असर सभी तरफ दिखाई भी दे रहा है। नागर ने कहा कि प्रॉपर्टी आईडी सही होने के बाद आपको अनेक कार्यों में इसकी सहायता मिलेगी। केवल एक नंबर कंप्यूटर में डालने से आपका सारा डाटा सामने आ सकेगा, जिससे हाउस टैक्स, सीवर, विकास शुल्क, पानी कनेक्शन, प्रॉपर्टी ट्रांसफर आदि सभी कार्यों में मदद मिलेगी। इसी प्रकार का कैंप सेक्टर-37 स्थित कार्यालय पर भी लगाया गया है, जिनका लोगों को लाभ उठाना चाहिए। एनआईटी नगर निगम मुख्यालय में भी कैंप लगाकर लोगों की प्रोपर्टी आईडी में कमियों को दूर किया गया।

ईद पर मायके आई मामी से भांजे ने किया दुष्कर्म

पलवल। ईद की रात मायके आई विवाहिता के साथ भांजे ने ही रेप किया। रात के समय घर में घुसकर ननद के बेटे ने कमरे में बंद करके मुंह दबाकर उससे संबंध बनाए। पीड़िता ने किसी तरह जबरन मुंह से हाथ हटाकर शोर मचाया तो आरोपी भाग गया और लोग आ गए। 112 पर फोन करके पुलिस को सूचना दी गई। महिला थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज करके उसको गिरफ्तार कर लिया है। महिला थाना प्रभारी सुशीला देवी के अनुसार, हथीन थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली विवाहिता ने शिकायत दी है। इसमें उसने बताया कि उसकी शादी नूंह जिले के एक गांव में हुई थी। पीड़िता बकरीद के पर्व पर अपनी ससुराल से मायके आई हुई थी। ईद मनाने के बाद परिवार सो गया। करीब दो बजे दरवाजा खटकाया गया। उसने उठकर खोला तो उसकी ननद का बेटा कमरे के अंदर आया। उसे लगा कुछ काम होगा, लेकिन उसने कमरे की कुडी अंदर से बंद कर दी। विरोध करने पर उसने मुंह दबा दिया और जबरन संबंध बनाए। जैसे ही उसका हाथ पीड़ित के मुंह से हटा तो उसने शोर मचा दिया, जिससे परिजन दौड़े आए और युवक बाहर की तरफ भाग गया। पीड़िता ने परिजनों को सारी बात बताई। उन्होंने डायल 112 पर फोन किया। साथ ही आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस जांच अधिकारी मुन्नी ने बताया कि विवाहिता की शिकायत पर उसकी ननद के बेटे के खिलाफ केस दर्ज करके उसे पकड़ लिया है।

अवैध हथियार सहित एक गिरफ्तार

पलवल। पुलिस ने अवैध हथियार सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वाहन चोर निरोधक दस्ता हथीन प्रभारी उप निरीक्षक प्रदीप कुमार की टीम में तैनात हेड कांस्टेबल मुनफेद की टीम ने सूचना के आधार पर धीरनकी मोड़ हथीन पर खड़े अवैध हथियार धारक युवक को अवैध असला के साथ काबू किया। आरोपी की पहचान सहबाज पुत्र जान मोहम्मद निवासी पहाड़पुर थाना हथीन जिला पलवल के रूप में हुई। जिसकी तलाशी लेने पर एक देशी कट्टा बरामद हुआ। बरामद अवैध हथियार को कब्जे में लेकर थाना हथीन में आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी से पूछताछ जारी है।

75वें चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस पर किया 113 लोगों ने रक्तदान

पलवल। 75वें चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस के अवसर पर अतुल कृष्ण बंसल फाउंडेशन, पलवल डोनर्स क्लब ज्योतिपुंज और इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की फरीदाबाद शाखा के संयुक्त तत्वावधान में पृथला स्थित डी डवलपमेंट इंजीनियर्स लिमिटेड कंपनी में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का संयोजन अतुल कृष्ण बंसल फाउंडेशन की डायरेक्टर शिखा बंसल, एनआईआरसी फरीदाबाद के चेयरमैन सीए नीतेश पाराशर और क्लब के संयोजक विकास मित्तल ने किया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि कंपनी के एसोसिएट उपाध्यक्ष मनोहर मदान, विशिष्ट अतिथि पूर्व चाइल्ड वैलफेयर समिति सदस्य पलवल अल्पना मित्तल, कंपनी के एजीएम सचिन जिंगन, सीए मोहित अग्रवाल, मनुज गर्ग, राजेंद्र सिंह ढिल्लो, दिनेश कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। सभी अतिथियों ने 75वें चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हमारे द्वारा दिए गए थोड़े से रक्त से किसी की जिंदगी बच जाए तो इससे बड़ा पुण्य का कार्य और कोई नहीं हो सकता। जो रक्त हम दान करते हैं, वह कुछ ही समय में दोबारा हमारे शरीर में बन जाता है। इसलिए हम सभी को अधिक से अधिक रक्तदान करना चाहिए। शिविर में 150 लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाया, जिसमें से 113 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र दिया।

गुरु ही नाम है, नाम ही गुरु है : स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य

श्री सिद्धदाता आश्रम में विदेशों से पहुंचे हजारों भक्तों ने मनाई गुरु पूर्णिमा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सूरजकुंड रोड स्थित श्री सिद्धदाता आश्रम में श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव का धूमधाम के साथ आयोजन हुआ। दो दिवसीय समारोह के प्रथम दिन विदेशों से आए हजारों भक्तों ने श्री गुरु महाराज का दर्शन पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज ने कहा कि शिष्य और गुरु का संबंध आदि और अनंत है। शिष्य वह है जो गुरु के वचनों में विश्वास रखे और उनकी आज्ञा का पालन करे और गुरु वह है जो शिष्य को खोटरहित बनाए। उन्होंने कहा कि शिष्य बनाते समय गुरु ने जो नाम दिया है, वह आपके हृदय में बैठ गया है। वही नाम गुरु है, वही नाम परमात्मा है, वही सब कल्याण करने वाला है। इसलिए सभी नाम का जप अवश्य करें और गुरु के वचनों को अपने जीवन में धारण करें, इसी से कल्याण होगा।

स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज ने अनेक कथानकों एवं उदाहरणों के माध्यम से गुरु शिष्य के संबंध के बारे में स्पष्ट किया। उन्होंने सभी से कहा कि वह अपने जीवन में सुख शांति चाहते हैं तो पहले भगवान को चाहें। जो भगवान को चाहेगा, उसका दुखों से पीछा अपने आप ही छूट जाएगा। इससे पहले उनकी आरती में एनआरआई भक्तों, कमेटी सदस्यों एवं स्वामी सुदर्शनाचार्य वेद वेदांग संस्कृत महाविद्यालय के छात्रों शिक्षकों ने श्री गुरु महाराज की आरती की। इस अवसर पर जयपुर से आए मशहूर गायक एवं गुरुभक्त लोकेश शर्मा ने मधुर भजनों से सभी का मन मोह लिया। उनके भजन गुरु ही गोबिंद हैं, दूसरा न कोई को भक्तों ने बहुत पसंद किया। भक्त यहां भाव में झूमते रहे। वहीं हजारों भक्तों ने श्री गुरु महाराज से आशीर्वाद प्रसाद प्राप्त किया और उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट की। इस अवसर पर सभी के लिए लंगर प्रसाद एवं अनेक छबीलों पर भोज्य पदार्थ उपलब्ध कराए गए। यहां सोमवार को भी गुरु पूर्णिमा महोत्सव आयोजित किया जाएगा, जिसमें देशभर से लाखों लोगों के पहुंचने की उम्मीद है।

श्री सिद्धदाता आश्रम में श्री गुरु महाराज स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य का पूजन करते शिष्यगण।

राहगीरी कार्यक्रम में कलाकारों संग जमकर थिरके पुलिसकर्मी व स्कूली छात्र

एडिशनल एसपी जसलीन कौर ने युवाओं को नशे से दूर रहने की अपील की

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

न्यू कॉलोनी में जिला पुलिस की तरफ से एडिशनल एसपी जसलीन कौर की देखरेख मे राहगीरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में थाना कैंप पलवल प्रभारी निरीक्षक सत्यनारायण सहित पलवल के थाना व चौकी प्रबंधकों ने अपने स्टाफ सहित भाग लिया। कार्यक्रम में लोगों को स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित किया।

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल सीमा राजवंशी, स्कूल प्रबंधन एवं छात्रों ने गानों तथा अनेक इवेंट के जरिए नशा के प्रति जागृति, महिला सुरक्षा, यातायात नियमों की पालना करना, डायल 112 के महत्व, साइबर जागरूकता अपनाने की प्रेरणा दी। राहगीरी कार्यक्रम में देशभक्ति गीतों ने लोगों में देशभक्ति की भावना को जागृत किया तो वहीं सांस्कृतिक गानों पर लोगों ने जमकर नृत्य किया, सभी तनावमुक्त नजर आए।

इस अवसर पर एडिशनल एसपी ने समाज में बढ़ते हुए अपराध और अपराधियों के प्रति सचेत रहने के लिए लोगों को जागरूक किया और लोगों से किसी भी अपराधिक घटना के बारे में पुलिस को सूचित करने की अपील की। उन्होंने युवाओं से भी अपील करते हुए कहा कि युवा नशा के दलदल से बच सकते हैं और देश व समाज के निर्माण में अहम योगदान दे सकते हैं। इसलिए वह नशे से दूर रहें और नशा न करें।

उन्होंने कहा कि लोगों को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। साइबर अपराध के बारे में जागरूकता अपनाएं एवं किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर अपनी शिकायत अवश्य रजिस्टर्ड कराएं। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार की हरियाणा उदय मुहिम के तहत न्यू कॉलोनी में जिला पुलिस द्वारा राहगीरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस तरह के कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुलिस विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ जिला पलवल के आमजन का मेल मिलाप बना रहे। जिला पुलिस प्रशासन की तरफ से इस प्रकार के कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाते रहेंगे।

गलत दिशा में पार्किंग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर काटे चालान

फरीदाबाद। ट्रैफिक पुलिस ने गलत तरीके से वाहन पार्क करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर उन्हे आर्थिक रूप से दंडित किया है।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि फरीदाबाद की मेन मार्केट या मॉल के बाहर गलत पार्किंग या नो पार्किंग में वाहन खड़े करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया है। जिसके तहत ट्रैफिक पुलिस ने एक दिन में 848 वाहन चालकों का चालान काटकर 4.24 लाख रुपए जुर्माना लगाकर दंडित किया है। इसके साथ ही वाहन चालकों को जागरूक करते हुए पुलिसकर्मियों ने कहा कि गलत पार्किंग में वाहन खड़े करने की वजह से ट्रैफिक व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न होता है। कुछ लोग वाहन को सड़क पर ही खड़ा करके बाजार में चले जाते हैं और घंटों तक वाहन सड़क पर खड़ा रहता है। जिसकी वजह से सड़क पर आने जाने वाले वाहनों को आवागमन में परेशानी होती है। कुछ लोग नो पार्किंग वाले स्थानों पर भी वाहन पार्क कर देते हैं, जोकि कानून के तहत प्रतिबंधित है। इस प्रकार गलत तरीके से वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है और उन्हें जागरूक करके समझाया भी गया है कि इस प्रकार से वाहन न खड़ा करें कि किसी दूसरे वाहन चालक को इसकी वजह से परेशानी न हो और सड़क पर यात्रा करते समय ट्रैफिक नियमों का पालन करें, अन्यथा उनके खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई करके उन्हें आर्थिक रूप से दंडित किया जाएगा।

800 मेगा वाल्ट का पॉवर प्लांट झारखंड शिफ्ट हो रहा, ये सीएम की नाकामी : सुशील गुप्ता

कहा, प्रदेश में कुछ भी फ्री नहीं फिर भी तीन लाख करोड़ का कर्जा

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद डॉ. सुशील गुप्ता ने गांव बहरोला और होडल हलका के गांव डाडका में जनसभा की। इस दौरान सैकड़ों लोग आम आदमी पार्टी में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कितनी पार्टियां आई और गई, लेकिन इस क्षेत्र में कुछ नहीं बदला। किसी भी सरकर ने यहां के विकास पर ध्यान नहीं दिया।

अब 2024 में एक मौका केजरीवाल को देना है। दिल्ली की तर्ज पर विकास कार्य करवाए जाएंगे। इस दौरान चंद्रमाल, धर्म सिंह, विरेंद्र, बाबू, रोहताश, महेंद्र, राजेश, अजीपाल, विकास, संदीप, दीपक और सुनिल समेत सैकड़ों लोग आम आदमी पार्टी में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि 800 मेगा वाल्ट का पॉवर प्लांट यमुनानगर से झारखंड में शिफ्ट हो रहा है, जबकि हरियाणा के लोगों को पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही। इससे खट्टर सरकार की नाकामी का पता चलता है। पंजाब में आम आदमी पार्टी ने सीएम भगवंत मान के नेतृत्व में प्राइवेट पॉवर प्लांट खरीदकर पंजाब के लोगों को बिजली दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सांसदों को 50 हजार यूनिट सालाना मुफ्त और 65 हवाई यात्रा मुफ्त मिलती है। यदि गरीब आदमी को कुछ मिले तो कहते हैं मुफ्त की रेवड़ी बांट रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार शिक्षा पर बजट का तीन प्रतिशत और हरियाणा सरकार 11 प्रतिशत भी खर्च नहीं करती, जबकि दिल्ली सरकार शिक्षा पर 24 प्रतिशत खर्च कर रही है। इसी का परिणाम है कि दिल्ली के सरकारी स्कूल में पढ़कर बच्चे बड़े बड़े अफसर बन रहे हैं। प्रदेश का 80 प्रतिशत पैसा 10 परिवारों के पास जा रहा है। अब इन परिवारों को बेदखल करना है। आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार के खिलाफ और हरियाणा को बदलने की लड़ाई लड़ रही है। देश की आजदी के 75 साल बाद भी हिंदुस्तान विकसित नहीं हो पाया।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी बिजली पानी फ्री देती है, अच्छे स्कूल और अस्पताल बनवाती है और महिलाओं को मुफ्त यात्रा व बुजुर्गों को मुफ्त तीर्थ यात्रा देती है। इसके अलावा युवाओं के लिए रोजगार के प्रबंध करती है। पंजाब में आम आदमी पार्टी ने सीएम भगवंत मान के नेतृत्व में कांग्रेस के समय का 40 हजार करोड़ रुपये का कर्जा एक साल में उतारा। सब कुछ मुफ्त देने के बाद भी आम आदमी पार्टी की सरकार मुनाफे में है।

तमिलनाडु की राजनीति

सेंथिल बालाजी प्रकरण

सेंथिल बालाजी जांच एजेंसियों के निशाने पर थे, इसलिए उनको स्वयं इस्तीफा दे देना चाहिए था। लेकिन तमिलनाडु में राजनीति और सिनेमा का आपस में जबरदस्त घालमेल हुआ है। 1967 में द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम-द्रमुक की स्थापना तथा पहली गैर-कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से तमिल राजनीति पर सिनेमा व राजनीति हावी रही हैं। इसकी शुरुआत द्रमुक प्रमुख सी.एन. अन्नादुराई से हुई जो राज्य में पहली गैर-कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री बने। लेकिन गंभीर बीमारी के कारण दो साल से पहले ही मुत्तुवेल करुणानिधि को मुख्यमंत्री बनाया गया। करुणानिधि ने अपनी शैली की रिश्वतों व खैरातों से भरी राजनीति आगे बढ़ाने के लिए सिनेमा और नाटकीयता का सहारा लिया। 1996-98, 1999-2004 तथा 2004-2013 के बीच केन्द्रीय कैबिनेट में द्रमुक का कोई प्रतिनिधि भ्रष्टाचार के आरोपों से मुक्त नहीं था। इससे पार्टी के लिए अभूतपूर्व रूप से कहा जाने लगा कि 'भ्रष्टाचार का डीएनए उसके जीन्स में है।' इंदिरा गांधी सरकार ने करुणानिधि के खिलाफ भ्रष्टाचार आरोपों की जांच के लिए जस्टिस रणजीत सिंह सरकारिया की अध्यक्षता में आयोग गठित किया था। आयोग के अनुसार, उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के 'स्पष्ट, समझ में आने वाले तथा विश्वसनीय' प्रमाण मिले। उसने करुणानिधि को वैज्ञानिक भ्रष्टाचार का विशेषज्ञ बताया। 'के-क्लान' सदस्यों की बेईमानी पर सवाल उठाने वाले एम.जी. रामचंद्रन को द्रमुक से निकाल दिया गया था। उनका कहना था कि करुणानिधि के निकट पहुंचने के लिए भ्रष्टाचार करने की क्षमता प्रमुख आवश्यकता थी। हालांकि, मुख्यमंत्री के रूप में एमजीआर का कार्यकाल भ्रष्टाचार के किसी आरोप से मुक्त रहा, पर उनकी वारिस जयललिता ऐसे अनेक मामलों में फंसी थीं और सर्वोच्च न्यायालय ने उनकी चार साल कैद की सजा पर अपनी मुहर लगाई थी।

इसी परिदृश्य में एम.के. स्टालिन कैबिनेट के मंत्री सेंथिल बालाजी की गिरफ्तारी को देखा जाना चाहिए। प्रवर्तन निदेशालय ने उनकी गिरफ्तारी रिश्वत लेकर नौकरियां देने तथा मनी लांड्रिंग के आरोपों में की है। 2016 में जयललिता के निधन तक बालाजी अन्नाद्रमुक के एक्टिविस्ट थे और तब भी पद के दुरुपयोग के आरोप उन पर थे। सैकड़ों लोगों ने बालाजी के खिलाफ जयललिता से शिकायत की थी जो 2011-2015 में सरकार में परिवहन मंत्री थे। जयललिता ने उनको मंत्रिमंडल से हटा दिया था और वर्तमान मुख्यमंत्री स्टालिन ने भी तब बालाजी की गिरफ्तारी की मांग की थी। मजेदार है कि उन्हीं स्टालिन ने बाहें फैला कर बालाजी का द्रमुक में स्वागत किया, उनको विधायक बनवाया तथा बिजली व मद्यनिषेध जैसे 'मलाईदार' विभागों का मंत्री भी बनाया। बालाजी के खिलाफ भ्रष्टाचार के अनेक आरोप हैं और अंतत: वे कानून के शिकंजे में फंस गए। सामान्य परिस्थितियों में मुख्यमंत्री ने उनको जांच का नतीजा आने तक मंत्रिमंडल से हटा दिया होता। लेकिन स्टालिन ने जिद पकड़ ली कि बालाजी उनके साथ बने रहेंगे। उन्होंने बालाजी को बर्खास्त करने की राज्यपाल आर.एन. रवि की कार्रवाई का घोर विरोध किया। हालांकि, राज्यपाल ने अपना आदेश वापस ले लिया, पर नुकसान हो चुका था। तमिलनाडु के लिए यह विजातीय तत्व है कि 'सार्वजनिक जीवन में निष्ठा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।' चूंकि राज्य और केन्द्र की एजेंसियां बालाजी के खिलाफ आरोपों की जांच कर रही थीं, इसलिए आदर्श रूप से उनको स्वयं इस्तीफा दे देना चाहिए था। यदि उनकी ईमानदारी व निष्ठा संदेह से परे सिद्ध होती तो इससे द्रमुक, स्टालिन तथा बालाजी का कद ऊंचा होता। सार्वजनिक जीवन फूलों का बिछौना नहीं है और यहां बने रहने के लिए साहस जरूरी है।

भारत-अमेरिका संबंध में महत्वपूर्ण मोड़

अमेरिका और भारत के पास एक दूसरे से साझा करने के लिए बहुत कुछ है। करीब पांच मिलियन भारतीय अमेरिकी अर्थव्यवस्था की प्रगति में अपना योगदान कर रहे हैं।

सुधीर हिंदवान
(लेखक, रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञ हैं)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया अमेरिका यात्रा बहुत महत्वपूर्ण सिद्ध हुई है। इससे भारत-अमेरिका संबंधों में नया संवेदनशील मोड़ आया है। इसने अब तक छिपी रही भारत की सांस्कृतिक राजनय का महत्वपूर्ण प्रदर्शन किया है। इससे सकारात्मक अंतरराष्ट्रीय परिवेश तैयार हुआ है और भारत का दुनिया भर में कद बहुत बढ़ गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अमेरिकन कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधन की व्यापक प्रशंसा हुई है। इसने दिखा दिया है कि सकारात्मक नेतृत्व तथा गतिशीलता कैसे अंतरराष्ट्रीय राजनीति के जटिल सत्ता संघर्ष में महत्वपूर्ण गेम-चेंजर बन सकती है। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान अमेरिकी सरकार तथा निजी क्षेत्र के साथ महत्वपूर्ण समझौतों की नींव रखी है। जीई एयरोस्पेस तथा हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स के बीच एमओयू से भारत में महत्वपूर्ण 99 एफ-414 इंजनों के निर्माण व तकनीक हस्तांतरण का रास्ता साफ किया है।

इसके साथ ही लड़ाकू विमानों के लिए एमके 2 इंजनों के निर्माण तथा एमक्यू-9बी हेल यूएवी-ड्रोन के निर्माण से संवेदनशील तकनीक का सहज हस्तांतरण संभव होगा। इसके साथ ही दोनों देशों ने रक्षा रणनीतियों तथा खुफिया सूचनायें एकत्र करने व उनका साझा करने में महत्वपूर्ण समझौते किए हैं। इससे चीन व पाकिस्तान तथा किसी आंतकी समूह से पैदा होने वाली सुरक्षा चुनौतियों का मुकाबला करने में सहायता मिलेगी। इसक साथ ही कृत्रिम बुद्धि-एआई के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग अत्यन्त महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। परंपरागत रूप से किसी देश की विदेश नीति पर अनेक प्रकार के तत्वों का प्रभाव पड़ता है। लेकिन विदेश नीति मुख्यत: राष्ट्रीय हितों से संचालित होती है जिसमें आर्थिक व सुरक्षा सरोकारों को महत्वपूर्ण स्थान मिलता है। बदलती स्थितियों और परिस्थितियों के अनुसार ये हित बदलते रहते हैं और इस प्रकार विदेश नीति अपनी प्रकृति से अत्यधिक गतिशील बनी रहती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया अमेरिका यात्रा द्विपक्षीय संबंधों तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक 'गेम चेंजर' है। भारत ने दिखा दिया है कि विदेश नीति संबंधों तथा अंतरराष्ट्रीय संबंधों में विचारधारा, सांस्कृतिक विरासत, नैतिकता तथा अच्छे कामों का कितना महत्व है। ऐसे कामों व स्थितियों से ही कुछ मतभेदों के बावजूद विभिन्न देशों के बीच बेहतर संबंध विकसित होते हैं तथा उनके बीच निकटता आती है। भारत और अमेरिका के बीच बढ़ती गरमाहट व निकटता से अंतरराष्ट्रीय राजनीति में नए सिद्धान्त गढ़ने का समय भी आ गया है। भारत के परंपरागत व ऐतिहासिक विचार तथा सांस्कृतिक विचारों को आज सारी दुनिया में स्वीकार किया जा रहा है। इनमें 'वसुधैव कुटुम्बकम', यानी एक धरती-एक परिवार तथा 'जन भागीदारी', यानी अधिकांश जनता की व्यापक सहभागिता का केन्द्रीय स्थान है।

सारी दुनिया ने आज इन सिद्धान्तों को महत्वपूर्ण कार्यनीतियों के रूप में स्वीकार किया है। ये केवल विचार नहीं हैं। ये उस सोच को बढ़ावा देने में प्रेरक और परिवर्तनकारी भूमिका निभा रहे हैं जिसके अनुसार देशों के बीच राजनीति के प्रति दृष्टिकोण में अंतर आया है। हैंस जे. मार्गनेंथाऊ के यथार्थवादी दृष्टिकोण से आगे बढ़ कर अब अंतरराष्ट्रीय राजनीति का अध्ययन हो रहा है। इसके अनुसार अंतरराष्ट्रीय संबंधों-आईआर की विभिन्न अवधारणायें सामने आई हैं जिनमें शांति, सद्भावना व सहयोग को बढ़ावा देना शामिल है। भारत की सेवा-संचालित औद्योगिक शक्ति तथा उसका संस्थागत स्थायित्व तथा गहराई तक परस्पर संबंद्ध बहुलतावाद व लोकतंत्र ने उसे असाधारण आंतरिक शक्ति प्रदान की है जिससे वह ज्यादा से ज्यादा मित्र बनाने में सफल हुआ है। हाल ही में स्टार्टअप बनाने की प्रक्रिया में क्रांति आई है और उनकी संख्या दस हजार से अधिक हो गई है। इनसे केवल पिछले पांच साल में ही रोजगार सृजन में भारी वृद्धि हुई है।

एक आर्थिक विश्लेषक की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, स्टार्टअप की जीवन्त रणनीति ने प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से एक लाख से अधिक रोजगारों का सृजन किया है। स्टार्टअप की आपरेशनल क्षमता तथा इसके सहायक नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने के प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक तेजी से हो रहे हैं। वर्तमान समय में भारत को अपने संसाधनों और परिसंपत्तियों पर अधिकाधिक लाभ प्राप्त करने की आवश्यकता है। भारत ने पिछले एक दशक में अनेक क्षेत्रों में असाधारण प्रगति की है। इनमें ज्ञान व कौशल का गहन उपयोग करने वाला सेवा क्षेत्र तथा दूरसंचार क्षेत्र शामिल हैं। इन क्षेत्रों में कौशल व ज्ञान का अद्यतन एवं अधिकाधिक उपयोग कर वैज्ञानिक व तकनीकी खोजों को बढ़ावा दिया जा रहा है। भारत विदेशी निवेशकों के लिए लगातार 'पहली पसंद' के रूप में उभर रहा है। शेयर बाजार को नियंत्रित करने वाली नियामक संस्था सेबी के अनुसर,, पिछले लगभग दो दशकों से विदेशी निवेशक भारत में बड़े पैमाने पर पैसा लगा रहे हैं। उन्होंने भारतीय शेयर बाजार में 60 बिलियन डालर से अधिक पैसा लगाया है तथा 260 नए विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजारों में अपना पंजीकरण कराया है। भारत की आर्थिक प्रगति तथा खासकर उसके आईटी उद्योग की शानदार प्रगति के परिणामस्वरूप एक नया युग सामने आ रहा है।

वर्तमान समय में अनेक भारतीय कंपनियां आक्रामक रूप से विदेश के बाजारों पर अपनी पकड़ बना रही हैं। अमेरिका समेत दुनिया के अनेक विकसित देश भारतीय उद्यमियों तथा भारतीय कंपनियों की क्षमता पहचान रहे हैं और अपने देशों में उनका स्वागत भी कर रहे हैं। भारत में विगत एक दशक में विभिन्न कानून लागू कराने वाली व नियामक एजेंसियां अपनी पूरी क्षमता तथा तकनीकी उपकरणों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित कर तय कर रहे हैं कि भारत तथा उसके उद्यमों को आवश्यक आर्थिक सुरक्षा मिले। भारत ने 'बिजनेस सुगमता' के दृष्टिकोण से अनेक आर्थिक तथा नीतिगत निर्णय लिए हैं जिनका प्रभाव वर्तमान समय में भारत की तेज आर्थिक प्रगति तथा दुनिया में उसकी बढ़ती पहुंच के रूप में सामने आ रहे हैं। भारत की आर्थिक व नियामक एजेंसियों से आज कुछ भी छिपा नहीं है। कर की दरों में प्रस्तावित व क्रियान्वित कमी से भी विदेशी निवेशकों में उत्साह बना हुआ है। भारत ने सुरक्षा से बिना कोई समझौता किए वर्तमान प्रोटोकाल लागू किए हैं।

भारत-अमेरिका संबंधों में और मजबूती आने से अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के विस्तार से मुकाबला करने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग विकसित करने में सहायता मिलेगी। इससे वह सुरक्षा संजाल तथा आवश्यक गतिशीलता विकसित करने में भी सहायता मिलेगी जिससे आधुनिक आतंकवाद के सबसे खतरनाक रूपों से निपटा जा सकेगा। संचार तथा सूचना सुरक्षा मेमोरैंडम क्षेत्र में अनेक प्रकार से सुरक्षा एवं रक्षा सहयोग एवं बेसिक एक्सचेंज व सहयोग समझौतों से भारत-अमेरिका के बीच नए संबंधों का आधार तैयार हुआ है।

दोनों देशों के बीच सहयोग से ऐसी सुरक्षा व्यवस्थायें तैयार करने का प्रयास हो रहा है जो किसी प्रकार की चुनौतियों से निपटने में सक्षम हों। इनसे किसी भी राज्य या गैर-राज्य कारक की ओर से पैदा होने वाले संभावित खतरे का पता लगाने में आसानी होगी। इससे संचार, समन्वय व सुरक्षा व्यवस्थाओं में सहयोग के नए आयाम खोलने में सहायता मिलेगी। दोनों सबसे बड़े लोकतंत्रों के बीच सुरक्षा व रक्षा अवस्थापनाओं के बीच सहयोग से संचार व सुरक्षा क्षेत्रों में नए आयाम खुलेंगे। अमेरिका और भारत के पास एक दूसरे से साझा करने के लिए बहुत कुछ है। लगभग 5 मिलियन भारतीय प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से अमेरिकी अर्थव्यवस्था की प्रगति में अपनी भूमिका अदा कर रहे हैं। वे या तो अमेरिका में नौकरी कर रहे हैं या विभिन्न अमेरिकी विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे हैं। इसके साथ ही विभिन्न कंपनियों ने एक दूसरे के देश में भारी निवेश किया है जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार के नए अवसर विकसित हो रहे हैं तथा परस्पर आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिल रहा है। यह स्थिति दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों के बीच भावी राजनयिक संबंधों के लिए बहुत अच्छी है।

अपने मन को वर्तमान में जीना सिखाएं

योग, प्राणायाम और ध्यान आपको वर्तमान क्षण में जीना सीखने में मददगार साबित हो सकते हैं।

रवि वल्लूरी
(लेखक, आध्यात्मिक उपदेशक हैं)

बंगाली भाई-बहन मेरे घनिष्ठ साथी थे। उनका मुख्य आहार चावल के साथ मछली करी था। बड़ा व्यक्ति स्वप्नद्रष्टा था जबकि छोटा अपने व्यवहार में व्यावहारिक था। उनके पिता की अल्जाइमर से मृत्यु हो गई और उनकी माँ पेट के कैंसर से पीड़ित हो गईं। हालाँकि ऐसा लगता था कि वे दोहरी मार से उबर गए हैं और अपने जीवन में आगे बढ़ गए हैं, लेकिन वे कभी भी अपनी पूरी क्षमता का एहसास नहीं कर सके क्योंकि उनका दिमाग अतीत और भविष्य के बीच झूल रहा था।

मार्केटिंग शब्दकोष 4पी- उत्पाद, स्थान, प्रचार और कीमत की बात करता है। मैं कॉकटेल में कुछ और जोड़ना चुनता हूं जो मानव मस्तिष्क पर प्रभाव डालता है। ये हमारे अतीत के संस्कार, भोजन ग्रहण करना और समय का मार्ग हैं। मानव प्रतिभा सामान्य से असाधारण तक फैली हुई है। यह उपलब्ध उत्पाद है. अब, तपस के माध्यम से उत्पाद का दोहन और विकास किया जा सकता है। दृढ़ साधना और सांस लेने की तकनीक उत्पाद को एक उत्कृष्ट स्थिति तक पहुंचने के लिए सुशोभित और चमकाती है।

आइए हम सकारात्मक और नकारात्मक आभा से आच्छादित एक घर की कल्पना करें। यह वह स्थान है जहां मन निवास करता है। सकारात्मक विचारों, मंत्रों, ध्यान, प्रेरणादायक भाषणों या भावपूर्ण गायन से प्रभावित होने पर वर्तमान क्षण में रहने वाले मन की गुणवत्ता में काफी वृद्धि होगी। उत्तेजक भाषणों या झगड़ों से वही मन अशांत और व्याकुल हो जाता है। कोई मन को कैसे बढ़ावा दे? मन को चुनौतियाँ पसंद हैं, चाहे वे कितनी भी कठिन क्यों न हों! मेजर डीपी सिंह कृत्रिम पैर से दौड़ते हैं।

कारगिल संघर्ष के दौरान, उन्होंने अपना अंग खो दिया लेकिन उन्होंने खुद को हर उस गतिविधि से मुक्त करने का संकल्प लिया जो सामान्य अंगों वाले लोग कर सकते हैं।

मन की कीमत सीधे उस बलिदान की मात्रा पर निर्भर करती है जो शरीर करने को तैयार है। इस प्रयास में मन और शरीर दोनों जुड़े हुए हैं। मन इच्छुक हो सकता है, लेकिन शरीर उसके अधिकार के अधीन नहीं हो सकता है। संयोगवश, स्टीफन हॉकिंग ने मोटर न्यूरॉन विकलांगता से पीड़ित होने के बावजूद ब्रह्मांड के रहस्यों से पर्दा उठाया। अतीत के संस्कारों का मन और उसके प्रदर्शन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। संस्कार या कर्म हमारे विचारों, दृष्टिकोणों, कृत्यों और कार्यों से प्रभावित होते हैं जो अन्य लोग हमारे आयोजन और प्रशासन के तहत करते हैं। हिंदू धर्म के अनुसार, तीन प्रकार के कर्म या संस्कार होते हैं, अर्थात् संचित (संचित कर्म - जिसे हम एक ही जीवनकाल में सहन नहीं कर सकते), प्रारब्ध कर्म (फल देने वाले कर्म) और क्रियमाण कर्म (यह हमारे भाग्य को बदल सकते हैं)।

पहले को अगले जीवनकाल तक आगे बढ़ाया जाता है। प्रारब्ध कर्म को ध्यान और योग तकनीकों के माध्यम से कम किया जा सकता है, जबकि उचित कार्रवाई (क्रियमाण कर्म) से दुख कम हो सकता है।

भोजन करने से हमारे विचारों और मन पर परिणामी प्रभाव पड़ता है। विचार राय या धारणाएँ हैं। हमारे मन में चिंतनशील या उदासी भरे विचार, जश्न मनाने वाले या ध्यानपूर्ण विचार हो सकते हैं। मानव शरीर सात्विक, राजसिक और तामसिक तीन प्रकार के भोजन का सेवन करता है। सात्विक भोजन आसानी से पचने योग्य होता है, जिसमें आम तौर पर फल, मेवे और शाकाहारी भोजन शामिल होता है। योग के अनुशासित अभ्यासकर्ता इस भोजन का सेवन करते हैं। राजसिक भोजन न तो अधिक लाभकारी होता है और न ही हानिकारक। इसमें तैलीय और स्टार्चयुक्त भोजन, वातित पेय, कैफीनयुक्त उत्पाद और अत्यधिक नमकीन और शर्करा युक्त चीजें शामिल हैं जो हमें उत्तेजित या चिड़चिड़ा बनाती हैं। तामसिक भोजन में मांस, शराब, तंबाकू, प्याज, लहसुन, किण्वित और डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ शामिल होते हैं। इन्हें पचने में काफी समय लगता है। समय के प्रक्षेप पथ का मन पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। घटनाएँ और घटित घटनाएँ हमारे दिमाग की विचार प्रक्रियाओं, सतर्कता और निर्णय लेने की क्षमताओं को आकार देती हैं। योग, प्राणायाम और ध्यान के अभ्यास से मानव मन वर्तमान क्षण में जी सकता है। इससे दिमाग पर गहरा असर पड़ता है।

आप की बात

समान नागरिक संहिता

समान नागरिक संहिता देश में बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है। इस पर रोजाना टीवी डिबेट देखी जा सकती है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के अपने-अपने तर्क हैं। सैद्धांतिक रूप से सहमति और असहमति के बिंदु भी सामने आ चुके हैं। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने इसका जोरदार विरोध किया है। लेकिन हकीकत यह है कि इस पर तनाव का माहौल बनता जा रहा है। मुस्लिम समाज को डर है कि इससे शरीयत के हिसाब से मिले अधिकार छिन सकते हैं। यह बेहद संवेदनशील मुद्दा है। यदि टीवी पत्रकार आक्रोश व उत्तेजना में डिबेट करते हैं तो इसका कोई अर्थ नहीं रह जाता है क्योंकि इससे समाज में तनाव और बढ़ सकता है। वर्तमान समय में-एक देश, एक विधान और संविधान, की बात जोर शोर से की जा रही है। इसके लिए आवश्यक है कि पूरे देश में सहमति बनाने के लिए संसद के बाहर और संसद में सौहार्दपूर्ण वातावरण में विमर्श को बढ़ावा दिया जाए। समान नागरिक संहिता यदि सबको नहीं तो भी अधिकांश लोगों को स्वीकार होनी चाहिए। इसके लिए विमर्श धार्मिक के बजाय सामाजिक-आर्थिक व महिला अधिकारों के दृष्टिकोण से भी होना चाहिए। समान नागरिक संहिता से दलितों व आदिवासियों को और अधिकार मिलने चाहिए।

- **वीरेंद्र कुमार जाटव,** दिल्ली

फ्रांस में उपद्रव

फ्रांस में पिछले कई दिन से उपद्रव थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। जैसे अमेरिका में मई 2020 में 46 वर्षीय काले अमेरिकी जॉर्ज फ्लॉयड को वहां के गोरे पुलिस अधिकारी ने खुलेआम गला दबाकर मार डाला था, लगभग ऐसी ही घटना फ्रांस में हुई है। 17 वर्षीय अल्जीरियाई फ्रांसीसी मूल के किशोर को जिस तरह श्वेत पुलिस वाले ने मारा है, उससे जनता भड़क गई है और व्यापक हिंसा हुई है। इस हिंसा के पीछे कहीं न कहीं अश्वेतों व आप्रवासियों के प्रति घृणा और ईर्ष्या की भावना छिपी है। विडंबना है कि राष्ट्रपति एमानुएल मैक्रान ने उस किशोर की हत्या की निंदा करने के बजाय कहा है कि लोगो के इस तरह के हिंसक उपद्रव को किसी भी कीमत पर न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता है। फ्रांस के कुछ उग्र दक्षिणपंथी सांसदों ने राष्ट्रपति से आपातकाल लगाने की मांग की है ताकि विरोध कर रहे लोगों को सबक सिखाया जा सके। यूरोप का वृद्ध होता समाज अपनी सेवा के लिए विदेशों से गैर-श्वेत आप्रवासी तो चाहता है, पर वह उनको कोई सांस्कृतिक-सामाजिक अधिकार नहीं देना चाहता है। अत: निकट भविष्य में ऐसे और टकराव बढ़ने की आशंका है।

- **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

सहमति की आयु

इन दिनों सहमति से सेक्स की उम्र 18 वर्ष या 16 वर्ष पर बहस चल रही है। विदेशों में तो 11से 12 वर्ष की उम्र में ही बच्चे सेक्स कर लेते हैं और 9 वर्ष की उम्र में लड़की के मां बनने का विश्व रिकॉर्ड है। हमारे देश में गुरुकुल के समय की बात करें तो 25 वर्ष तक ब्रह्मचर्य या शिक्षा, 50 वर्ष तक गृहस्थ, 75 वर्ष तक वानप्रस्थ और 100 वर्ष तक संयास आश्रम को जीवन का मुख्य आधार माना गया है। अब स्मार्टफोन व इंटरनेट की दुनिया ने बच्चों को 10 वर्ष की उम्र में ही वयस्क बना दिया है। सरकार चाहे सेक्स की जो भी उम्र तय करें, यदि लड़का-लड़की राजी तो क्या करेगा काजी वाला मामला है। वर्तमान खुलेपन के दौर में, घर-परिवार से दूर पढ़ाई और जाब करने वाले अधिकांश लड़के-लड़कियां बड़े शहरों में सभी सामाजिक वर्जनाओं और पारिवारिक दबाव से मुक्त रहते हैं। सेक्स की ऊर्जा को तीव्रतम माना जाता है। अत: बेहतर है कि परिवार में शुरू से तथा स्कूल में माध्यमिक शिक्षा से ही बच्चों को संयमित रहकर अपनी उर्जा का रचनात्मक उपयोग करना सिखाया जाए। विकलांगों व वृद्धों की सेवा ऐसे काम हो सकते हैं।

- **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

ओबामा का बयान

मोदी की अमेरिका यात्रा के बाद बराक ओबामा ने भारत में अल्पसंख्यको को लेकर जो बयान दिया है वह तथ्यहीन और राजनीति से प्रेरित है। ओबामा के शासनकाल से लेकर बाद तक अमेरिका ने मुस्लिम राष्ट्रों में ड्रोन द्वारा खूंखार आतंकवादियों को मारा है। हालांकि, इन हमलों में अनेक बेगुनाह महिलायें और बच्चे भी मारे गए। अनेक बार अमेरिका को ऐसे मामलों में माफी भी मांगनी पड़ी। दो बार अमेरिका के राष्ट्रपति रह चुके ओबामा आतंकवादियों और तानाशाहों के मंसूबे अच्छी तरह जानते हैं। इसके बावजूद उनका ऐसा बयान नौ सौ चूहे खा कर बिल्ली हज को चली वाली कहावत चरितार्थ करता है। खुद अमेरिकी राष्ट्रपति और वहां के विशेषज्ञ कह रहे हैं कि भारत कई जातियों व धर्मों वाला सबसे अनूठा देश है। शायद ओबामा का यह बयान भारत पर दबाव बनाए रखने की चाल है। इसका वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सटीक जवाब दिया है। उनके बयान से स्पष्ट है कि नया भारत अब किसी भी व्यक्ति द्वारा अपनी निरर्थक आलोचना सहने को बिल्कुल तैयार नहीं है।

- **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

प्रगति के नए मानक पेश कर रहा नया भारत

● पीएम मोदी को संकटमोचक के रूप में देखती है पूरी दुनियाः योगी

● पीएमजी कार्यालय भवन आरोग्य मंदिर उप डाकघर भवन का शिलान्यास किया सीएम ने

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में गत नौ वर्षों में भारत ने प्रगति व समृद्धि के नए मानक पेश किए हैं। आज पूरा विश्व भारत के प्रबंधन का लोहा मान रहा है। भारत और भारतवासियों के प्रति वैश्विक मंचों पर प्रतिष्ठा तो बढ़ी ही हैए दुनिया के लोगों का भारत के प्रति नजरिया भी बदला है। पूरी दुनिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आज संकटमोचक के रूप में देखती है।

सीएम योगी रविवार शाम पोस्ट मास्टर जनरल (पीएमजी) कार्यालय भवन व आरोग्य मंदिर उप डाकघर के शिलान्यास तथा पार्सल हब एवं नोडल डिलीवरी सेंटर का लोकार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। रासी नगर फेज तीन में आयोजित शिलान्यास] लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में एक नए भारत का उभार हुआ है। दुनिया के जिन भी देशों में पीएम मोदी जाते हैंए वहां के लोगों में एक नया उत्साह पैदा होता दिखता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता व लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ पीएम मोदी ने कोरोना संकटकाल में देश को जिस प्रकार का नेतृत्व दियाए इससे पूरी दुनिया पलक पांवडे बिछाकर उनका अभिनंदन करने को आतुर रहती है। कोरोना संकटकाल में देश के सभी नागरिकों के लिए मुफ्त जांच, उपचार व वैक्सीन की व्यवस्था पीएम मोदी ने की। वैक्सीन की 220 करोड़ डोज दी गईए जरूरतमंदों को भरण पोषण भत्ता दिया गयाए 12 करोड़ किसानों को पीएम सम्मान निधि का लाभ दिया जा रहा हैए जनधन खातों में जनकल्याणकारी योजनाओं की धनराशि डीबीटी के जरिए भेजी जा रही हैए सवा तीन साल से 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन की सुविधा दी जा रही है। दुनिया के किसी भी और देश में ऐसी व्यवस्था नहीं की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया के जो लोग पहले यह मानते थे कि भारत यह काम नहीं कर सकता, वही लोग अब यह मानते हैं कि भारत ही यह काम कर सकता है। वे मानते हैं कि दुनिया की सभी समाधान समस्याओं के समाधान का रास्ता भारत के ही पास है। इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट से लेकर आंतरिक व वाह्य सुरक्षाए गरीब कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के नागरिकों के जीवन में व्यापक परिवर्तन किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत की नई तस्वीर डाक सेवाओं के क्षेत्र में भी दिखती है। एक समय जब संचार क्षेत्र में डिजिटल क्रांति आई तो लगता था डाक सेवाएं बंद हो जाएंगी। परए पीएम मोदी के नेतृत्व में डाक सेवाएं भी डिजिटल क्रांति से जुड़े और अपनी सेवाओं को नया आयाम भी दिया। सीएम योगी ने कहा कि डाक सेवाओं का हमारे जीवन पर व्यापक प्रभाव रहा है। ऐसे समय में जब दूर.दराज तक कोई आवागमन के साधन नहीं होते थे, तब भी डाकिए गांव गांव पैदल पहुंचकर चिट्ठीए मनी ऑर्डर आदि उपलब्ध कराते थे। आज बैंकिंग व बीमा सेवाओं से जुड़कर डाक विभाग के नए स्वरूप का दर्शन हो रहा है। स्मृति डाक टिकटों के माध्यम से डाक विभाग ने अतीत को वर्तमान से जुड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोरोना संकटकाल में डाक विभाग की सेवाएं अति सराहनीय रही हैं। संकट का साथी विश्वसनीय साथी होता है और कोरोना के समय डाक विभाग ने संकट के साथी की ही भूमिका निभाई। जब सारी व्यवस्थाएं ठपप्राय थीं तब डाकियों ने गांव.गांव जाकर लोगों को उनके अपनों द्वारा भेजी गई धनराशि उपलब्ध कराई। मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी द्वारा डाक विभाग को माध्यम बनाकर शुरू की गई सुकन्या समृद्धि योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस योजना से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा तो साकार होगा हीए बेटी लक्ष्मी की भी प्रतीक बनेगी। सीएम योगी ने लोकार्पित नए पार्सल हब की महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि डाक विभाग की बढ़ती लोकप्रियता और जन आकांक्षाओं के प्रति प्रतिबद्धता का संकेत है। इसका लाभ पूर्वी उत्तर प्रदेश के साथ ही रेलवे के समन्वय से देश के अलग.अलग क्षेत्रों को भी प्राप्त होगा।

लाभार्थियों को दिया प्रमाण पत्र

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पोस्ट मास्टर जनरल के कार्यालय भवन तथा आरोग्य मंदिर उप डाकघर का शिलान्यास करने के बाद मंच से सुकन्या समृद्धि योजनाए महिला सम्मान बचत पत्रए दीनदयाल स्पर्श छात्रवृत्ति योजना आदि के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया। शिलान्यास व लोकार्पण समारोह में केंद्रीय संचार राज्यमंत्री देवुसिंह चौहान ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत करते हुए कहा कि सीएम योगी दूसरे राज्यों के नेतृत्वकर्ताओं के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बना दिया है। श्री चौहान ने कहा कि किसी राज्य में कानून व्यवस्था मजबूत होगी तो उद्योग भी लगेंगे और शांति भी आएगी। सीएम योगी ने कानून व्यवस्था व विकास की शानदार मिसाल पेश की है। उन्होंने इसे अपना सौभाग्य बताया कि गुरु पूर्णिमा के अवसर पर उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिला। संचार राज्यमंत्री ने जनहित में डाक विभाग के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि जनकल्याण की योजनाओं को डाक विभाग ने गांव.गांवए घर.घर तक पहुंचाया है। डाक विभाग के पास 1.60 लाख डाकघरों का ऐसा नेटवर्क है जिस पर भारत की जनता पूरा भरोसा करती है। उन्होंने कहा कि विभाग 5760 नए डाकघर खोलेगा जिसमें से 75 डाकघर यूपी के इसी क्षेत्र में खोले जाएंगे।

फ्रांस में भी योगी की बहुत डिमांडः रविकिशन

इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि केंद्र की मोदी और राज्य की योगी सरकार विकास की गंगा बहा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा राज्य में किए गए कानून व्यवस्था व विकास के शानदार कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब तो सीएम योगी की फ्रांस में भी बहुत डिमांड हो रही है। चूंकि भारत को महाराज जी ;योगी आदित्यनाथद्ध की बहुत जरूरत है इसलिए हम लोग उन्हें कहीं जाने नहीं देंगे। रविकिशन ने डाक विभाग के कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि सरकार ने डाक विभाग की सभी व्यवस्थाओं को हाईटेक कर दिया है। स्वागत संबोधन में भारतीय डाक विभाग के सचिव विनीत पांडेय ने लोकार्पित व शिलान्यास वाली परियोजनाओं की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रमुख रूप से महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तवए भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंहए विधायक महेंद्रपाल सिंहए विपिन सिंहए डॉ विमलेश पासवान प्रदीप शुक्लए चीफ पोस्ट मास्टर जनरल वीण् सेल्वाकुमार, पोस्ट मास्टर जनरल विनोद कुमार वर्मा आदि उपस्थित रहे।

सीएम योगी से उनके सरकारी आवास पर सम्पूर्ण भारत की साइकिल यात्रा पर निकलीं पर्वतारोही आशा मालवीय ने की भेंट

आरोग्यता के साथ बीमार लोगों के भी स्वास्थ्य का जरिया बनेंगे मिलेट्स

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पोषण संबंधी अपनी खूबियों की वजह से मिलेट्स ;मोटे अनाजद्ध हर किसी के बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी हैं। लोग बाजराए सावांए कोदोए टांगुन जैसे मोटे अनाजों की इन खूबियों को जानेंए स्वाद के अनुसार इनको पसंदीदा डिश के रूप में अपने नाश्तेए लंचए और डिनर में इनको शामिल करेंए यह केंद्र सरकार के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार की भी मंशा है। इसके लिए वह हर संभव प्रयास भी कर रही है।

अपनी पोषण संबंधी खूबियों के साथ मोटे अनाज सुपाच्य भी होते हैं। इसलिए यह बीमार लोगों और बीमारी के बाद स्वास्थ्य लाभ ले रहे लोगों के लिए तो और भी उपयोगी हैं। इसी के मद्देनजर लखनऊ स्थित डाण् राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान ने एक अच्छी पहल की है। यहां भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों को सावां का डोसाए मल्टीग्रेन ;मिश्रित अनाजोंद्ध का नमक पाराए मडुवा का चीलाए कुट्टू की बर्फीए बाजरा चकलीए ज्वार मठरीए कुट्टू की सेवए रामदाना टिक्कीए कोदो की खिचड़ीए कुट्टू की कढीए बाजरे का लड्डूए रागी का पेड़ा आदि के बारे में जानकारी दी जा रही है।

इस बाबत संस्थान की डायटिशियन और पोषण विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मिलकर एक व्यंजन पुस्तिका तैयार की है। इसमें मोटे अनाजों की महत्ता और 14 तरह के

● योगी सरकार की मंशा के अनुसार लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान ने तैयार की मिलेट की पुस्तिका

● भर्ती होने वालों को सालाना 10 हजार प्रतियां निशुल्क बांटने का लक्ष्य

चटपटे और स्वादिष्ट व्यंजन बनाने की आसान रेसिपी शामिल की गई है। संस्थान की ओर से तैयार पुस्तिका का नाम है. श्पोषण की खानए स्वास्थ्यवर्धक पौष्टिक धान्यश्। इसे संस्थान की डायटिशियन पूनम तिवारी के साथ डायटिशियन अनामिका सिंहए डौली इदरीसीए प्रियंका सिंह और इंटर्न महिमा गुप्ताए शिवानी यादवए शुभीए प्रियंका समेत 30 लोगों की टीम ने मिलकर तैयार किया है। यह पुस्तिका मरीजों को निःशुल्क वितरित की जाएगी। संस्थान का लक्ष्य सालाना 10 हजार प्रतियां वितरित करने का है। मोटे अनाज भारत की परंपरा एवं संस्कृति का हिस्सा रहे हैं। भारत 2018 में मिलेट्स वर्ष मना चुका है। भारत की ही पहल पर 2023 को पूरी दुनिया अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स ईयर के रूप में मना रही है। सरकार हर संभव प्लेटफॉर्म पर इसकी ब्रांडिंग भी कर रही है। इससे लोगों में इन अनाजों को लेकर जागरूकता भी आयी है।

आसानी से घर पर मोटे अनाजों से कैसे पसंद के अनुसार स्वादिष्ट बनाये जा सकते हैंए यही इस पुस्तिका का मकसद है। यह आम आदमीए बीमार और बीमारी के बाद स्वास्थ्य लाभ ले रहे लोगों के लिए बेहद उपयोगी है। खासकर पेटए हृदय रोगए मधुमेह या हादसे से उबर रहे लोगों के लिए। इनको लंबे समय तक नियंत्रित एवं पोषण युक्त डाइट की जररूत होती है। कुछ रोगों में तो यह उम्र भर के लिए उपयोगी होगी।

भाजपाई झूठे नारों से गुमराह करते हैंः अखिलेश

● डॉ. सोने लाल पटेल ने पिछड़ो, कमजोर वर्गों की लड़ाई लड़ीःकृष्णा पटेल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपाई झूठे नारों से गुमराह करते हैं। सबका साथ से सबका विकास नहीं हो सकता है। जब तक सभी जातियों की गणना नहीं होगी तब तक उनकी भागीदारी कैसे तय होगीघ् पीडीए.पिछड़ेए दलित और अल्पसंख्यकों की एकता के आगे एनडीए मुकाबला नहीं कर सकता। समाजवादियों के आगे भाजपाई नहीं टिक पाएंगे। व्यवस्था परिवर्तन के लिए सत्ता के कब्जाधारियों को हटाया जाएगा।

अखिलेश यादव रविवार को राज्य मुख्यालय में डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में कमेरा चेतना फाउण्डेशन के द्वारा जातीय जनगणना की जरूरत विषय पर आयोजित संगोष्ठी को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने डॉ. सोने लाल पटेल को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि कन्नौज सोने लाल की जन्मस्थली और मेरी कर्मस्थली है। यह रिश्ता भावनात्मक है। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज के लिए दलितों, पिछड़ोंए कमेरा समाज के लिए संघर्ष किया था। उनके रास्ते पर चलकर और हक तथा सम्मान के लिए संकल्प लेकर हम उनके सपने को पूरा करेंगे।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपाराज में निवेश सम्बंधी जो एमओयू हुए थे वे जमीन पर नहीं उतरे हैं। आंकड़े बताते हैं कि जहां समाजवादी सरकार में औसत वार्षिकी ग्रोथ रेट 6.2 प्रतिषत आंकी गई वहीं भाजपा सरकार में यह 3.2 प्रतिशत पर टिक गई।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राज में न तो नए उद्योग धंधे लगे हैं और नहीं गरीब के घर पर खुशहाली आई है। मैन्यूफैक्चरिंग के बस सपने ही दिखाए गए हैं। भाजपा सरकार के पास बढ़ती महंगाईए बेरोजगारी और भ्रष्टाचार पर जवाब नहीं है इसलिए वह सामान नागरिक संहिता की बात कर रही हैं। भाजपा किसानों की आय दुगनी करने के बजाय किसानों की और समस्याएं बढ़ा रही है। किसानों की बुनियादी समस्याओं पर चर्चा नहीं हो रही है। आलू और धान किसान बर्बाद हो गया। भाजपा सरकार ने गेहूं की सरकारी खरीद न करके प्राइवेट कम्पनियों को खरीदवा दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्तालोभी है। वह पिछड़ोंए दलितोए अल्पसंख्यकों का हक छीनकर सत्ता में काबिज रहना चाहती है। भाजपा देश को पीछे ले जा रही है। श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी समान नागरिक संहिता के खिलाफ है।

इस्लामिक राष्ट्र बनाने का मकसद था गिरफ्तार आतंकियों का

● मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय रहकर आतंकियों और आतंकी संगठनो के फोटो वीडियो प्रसारित कर रेडिकल लोगो को जोड़ने में थे जुटे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के आतंक निरोधक दस्ते (एटीएस) ने हिजबुल मुजाहिदीन व अंसार गजवातुल हिन्द से जुड़े दो आतंकियों को गिरफ्तार किया है। एटीएस के अनुसार गिरफ्तार किए गए रिजवान और शेख प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से मिलकर देश विरोधी क्रिया कलाप कर रहे थे तथा प्रतिबंधित संगठनो के प्रमुख बुरहान वानी, जाकिर मूसा, नावीद जट आदि की विचार धाराओं एवं जेहाद के माध्यम से देश में शरिया कानून लागू कर देश को इस्लामिक राष्ट्र बनाना चाहते थे ।

यूपी एटीएस को सूचना प्राप्त हुई कि एक कश्मीर निवासी संदिग्ध व्यक्ति कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश में रह रहा है और विभिन्न आतंकी संगठनों से जुड़कर देश विरोधी कार्यों में लिप्त है। उस व्यक्ति द्वारा फेसबुक, इन्स्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय रहकर आतंकियों और आतंकी संगठनो के फोटो वीडियो प्रसारित कर रेडिकल लोगो को जोड़ा जा रहा है।

इस सूचना को एटीएस द्वारा इलेक्ट्रॉनिक एवं साइबर ध्सोशल मीडिया मॉनिटरिंग द्वारा विकसित करने पर ज्ञात हुआ कि रिजवान खान पुत्र मुहम्मद फारुख निवासी. 123, वार्ड नम्बर.2, बीपीओ सलवा पूंछ, मेंढर, गुरसई लैंडमार्क . मिडिल स्कूल, जम्मू.कश्मीर नामक एक व्यक्ति सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आतंकी प्रोपेगेंडा फैला रहा हैं और प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के आतंकियों की फोटो लगाकर अन्य लोगों को भी अपने साथ जोड़ने का काम कर रहा हैं। यह भी तथ्य प्रमाणित हुए कि रिजवान खान कुछ समय पूर्व तक उन्नाव की एक मीट फैक्टरी इंडागों फूड प्राइवेट लिमिटेड में सुरक्षा गार्ड का काम कर रहा था जबकि वर्तमान समय में फारबिसगंज, बिहार में मरहबा फ्रोजेन फूड प्राइवेट लिमिटेड फैक्टरी में सुरक्षा गार्ड का काम कर रहा है।

इस सूचना के पुष्ट होने पर संदिग्ध रिजवान को नियमानुसार नोटिस देकर एटीएस मुख्यालय पूछताछ हेतु बुलाया गया, जहां प्रारम्भिक पूछताछ मे संदिग्ध से उनकी ऑनलाइन एक्टिविटी के बारे में प्रमाण सहित पूछा गया तो रिजवान ने स्वयं के द्वारा विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किए रेडिकल पोस्ट की

बात स्वीकार की। रिजवान ने प्रारम्भिक पूछताछ में बताया कि उसे मिलिटेंट और बंदूकें बहुत प्रभावित करती हैं और वो मुजाहिद बनना चाहता था। रिजवान की पोस्टों में एके 47, कारतूस, आतंकियों के हथियार के साथ प्रशिक्षण करते फोटोज़, भारत विरोधी गाने मिले हैं। यह भी बताया कि उसे जाकिर मूसा की तंजीम संगठन अंसार गजवातुल हिन्दश् ;जो इसका अमीर भी थाद्ध और बुरहान वानी ;हिज्ब उल मुजाहिदीन का मुजाहिदद्ध के जैसा बनना था। रिज़वान को उनकी तंजीमों और उनकी जेहादी सोचपर पूरा विश्वास है और इस सोच को वह हमखयालात अपने लोगों के बीच फैलाता था और उनकी उस जेहादी सोच की हिमायत करता था, जिससे उनकी तंजीम और मजबूत हो। वह बयत ; कसम खाकरद्ध लेकर उनकी तंजीम में शामिल हुआ है और अपने जेहादी मंसूबो को पूरा करने के लिए उनसे खुफ्फिया तौर पर राब्ता रखता है। रिजवान का कहना है किए श्जेहाद की राह पर फिदा होने के लिए इंशा अल्लाह मै अपनी बारी का इंतज़ार कर रहा था। इसी प्रकार एक अन्य संदिग्ध व्यक्ति के बारे में एटीएस को सूचना मिली कि शेख पुत्र मुंशी मियां है और जो एनटीसी नामक एक कम्पनी, ढाबसपेट, बंगलुरु, कर्नाटक में चालक का काम करता है, वह आतंकी संगठनों से जुड़ा है और देश विरोधी मंसूबे बनाकर कोई बड़ी घटना कारित करने वाला है। सूचना को पुष्ट करने पर यह तथ्य प्रकाश मे आए कि संदिग्ध सद्दाम शेख पुत्र मुंशी मियां मूल रूप से पठानपुरवा, नजदीक रेशम फार्म, करनपुर थाना कोतवाली देहात, गोंडा, उप्र का रहने वाला है व उपरोक्त एनटीसी नाम की कंपनी में ड्राईवर का काम करता है। सोशल मीडिया मॉनिटरिंग, भौतिक व इलेक्ट्रॉनिक सर्विलान्स से ये तथ्य भी पुष्ट हुए कि सद्दाम शेख सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव है और आतंकी संगठनों के समर्थन में रेडिकल पोस्ट करता रहता है। एटीएस की टीम द्वारा सद्दाम उपरोक्त को नियमानुसार नोटिस देकर पूछताछ के लिए एटीएस मुख्यालय बुलाया गया। सद्दाम से उसके द्वारा किए गए पोस्ट और ऑनलाइन एक्टिविटी के बारे में साक्ष्य के आधार पर प्रारम्भिक पूछताछ की गयी तो सद्दाम ने स्वयं द्वारा किए अपराध स्वीकार लिए और बताया कि वह अल कायदाए अंसार गजवातुल हिन्द और हिजबुल के आतंकी बुरहान वानी से बहुत प्रभावित है।

सद्दाम ने यह भी बताया कि ओसामा बिन लादेनए जाकिर मूसाए रियाज नायकूए नावेद जटए समीर टाइगर जैसे आतंकी उसके आइडियल हैं और इसके फोन में इन आतंकियों से संबन्धित फोटो ध् वीडियो भी बरामद हुए हैं। वह एक मुजाहिद बनना चाहता है। वह इन वीडियोज़ को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुकए इन्स्टाग्रामए आईएमओ आदि पर भेजकर अन्य लोगों को भी प्रेरित करता था। सद्दाम बाबरी मस्जिद के फैसले से भी नाराज था और इसका बदला लेना चाहता था। इसने फेसबुक पर कई बार आईडी बनाई जो आतंकी सामग्री पोस्ट करने के कारण फेसबुक द्वारा ब्लॉक कर दी गयी। सद्दाम इसलिए भी रेडिकल कंटेंट पोस्ट करता था ताकि कोई उससे संपर्क करके उसे हथियारों का प्रशिक्षण भी दे सके। जिन मुसलमानो पर अत्याचार हुआ है वह उनको साथ लेकर अपनी एक सेना बनाना चाहता था जिससे शरिया कानून लागू करके भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाया जा सके। सद्दाम की डीण्पीण् में आईएसआईएसए अलबद्रए लश्कर.ए.तैयबा जैसे आतंकी संगठनों व आतंकियों से संबन्धित फोटो लगी मिली हैं। वह आईएमओ के माध्यम से पाकिस्तानीध् काश्मीरी मिलिटेंट से संपर्क में था। एटीएस के अनुसार अभियुक्त रिजवान और शेख को गिरफ्तार कर लिया गया।

नए उद्योगों की रोशनी से जगमगाएगा गीडा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

● 253 भूखंडों के लिए शीघ्र शुरू होगी आवेदन प्रक्रिया

● गुलजार होगा प्लास्टिक व गारमेंट पार्क, सामान्य उद्योगों की भी तैयार होगी लंबी श्रृंखला

उद्योग स्थापना के लिहाज से समृद्ध हो रहा गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) आने वाले समय में नए उद्योगों की रोशनी से जगमगाएगा। निवेशकों को उनकी जरूरत व पसंद के मुताबिक भूखंड उपलब्ध कराने को प्रतिबद्ध गीडा प्रशासन 253 औद्योगिक भूखंडों के आवंटन के लिए जल्द ही आवेदन प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। इन नए भूखंडों के आवंटन के बाद प्लास्टिक पार्क व गारमेंट पार्क गुलजार हो जाएगा। सामान्य उद्योगों की भी लंबी श्रृंखला तैयार होगी।

कानून व्यवस्था की सुदृढ़ता और योगी सरकार की प्रोत्साहन पूर्णए उद्योगपरक पारदर्शी नीतियों से बीते छह साल से गीडा भी नोएडा की तरह निवेशकों के लिए पसंदीदा स्थल बन चुका है। फरवरी में हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में गीडा को केंद्र में रखकर गोरखपुर को मिले 1ण्71 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव इसकी तस्दीक करते हैं। निवेशकों को उनकी जरूरत के आकार के भूखंड मिल सकें इसके लिए गीडा प्रशासन मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप लगातार अपना लैंड बैंक भी समृद्ध कर रहा है। साथ ही उद्यमियों को भूखंड देने और उनके भूखंड को इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट से जोड़ने की प्रक्रिया को भी तेजी से बढ़ा रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के साथ गीडा जल्द ही प्लास्टिक पार्कए रेडीमेड गारमेंट पार्क समेत अन्य सेक्टर में कुल मिलाकर 253 भूखंड आवंटित करने की प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है।

प्लास्टिक पार्क योजना में आवंटित होंगे 92 भूखंड-गीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पवन अग्रवाल के मुताबिक नए भूखंड आवंटन प्रक्रिया से प्लास्टिक पार्क परियोजना तेजी से आकार लेती नजर आएगी। सेक्टर 28 स्थित प्लास्टिक पार्क में कुल 218859 वर्गमीटर क्षेत्रफल में 92 भूखंड आवंटित किए जाएंगे। ये भूखंड 594 से 20764 वर्गमीटर तक की साइज के हैं। इनमें 1000 वर्गमीटर तक के 42ए 1001 से 4000 वर्गमीटर तक 42ए 4001 से 20000 वर्गमीटर तक के 5 तथा 20001 वर्गमीटर से अधिक के 3 प्लॉट के लिए उद्यमी निवेशक आवेदन कर सकेंगे। गीडा की तरफसे जिन नए भूखंडों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाने हैंए उनमें से 120 सामान्य उद्योग के लिए होंगे। कुल चार सेक्टर में स्थित इन भूखंडों का कुल क्षेत्रफल 479053.83 वर्गमीटर है। उद्यमी व निवेशक सेक्टर 13 में 600 से 42284.20 वर्गमीटर तक के 26ए सेक्टर 15 में 759 से 15500 वर्गमीटर तक के 18, सेक्टर 26 में 3996 से 17514 वर्गमीटर तक के 12 तथा सेक्टर 27 में 541 से 62952.70 वर्गमीटर तक के 64 भूखंडों में से अपनी जरूरत के अनुसार आवेदन प्रक्रिया से जुड़ सकते हैं। इन सभी भूखंडों को साइज के आईने में देखें तो 1000 वर्गमीटर तक के 35, 1001 से 4000 वर्गमीटर तक के 64, 4001 से 20000 वर्गमीटर तक के 17 तथा 20001 वर्गमीटर से अधिक के 4 भूखंड उपलब्ध होंगे। मुख्य कार्यपालक अधिकारी गीडा पवन अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप गीडा को उत्कृष्ट औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्राप्त निवेश प्रस्तावों को ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में अमलीजामा पहनाने की प्रक्रिया भी तेजी से आगे बढ़ाई जा रही है। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के लिए गीडा को 12500 करोड़ रुपये का लक्ष्य मिला है। अभी तक करीब दो तिहाई का लक्ष्य हासिल हो चुका है। नए भूखंडों के आवंटन से गीडा लक्ष्य से भी आगे की उपलब्धि हासिल करता नजर आएगा।

बसपा यूसीसी लागू करने के खिलाफ नहीं : मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के खिलाफ नहीं है लेकिन वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार द्वारा इसे देश में लागू करने के तौर-तरीके से सहमत नहीं है।

बसपा प्रमुख ने रविवार को यहां पत्रकारों से यूसीसी के मुद्दे पर कहा कि संविधान के अनुच्छेद 44 में यूसीसी बनाने का प्रयास तो वर्णित है लेकिन इसे थोपने का नहीं है इसलिए इन सब बातों को ध्यान में रखकर ही भाजपा को देश में यूसीसी लागू करने के लिए कोई कदम उठाना चाहिए।

मायावती ने कहा, हमारी पार्टी यूसीसी लागू करने के खिलाफ नहीं है बल्कि भाजपा और उसकी सरकार द्वारा इसे देश में लागू करने के तौर-

तरीकों से सहमत नहीं है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि विभिन्न धर्मों को मानने वाले लोगों पर हर मामले में समान कानून लागू होता है तो उससे देश कमजोर नहीं बल्कि मजबूत ही होगा। साथ ही लोगों में आपसी सद्भाव और भाईचारा भी पैदा होगा। उन्होंने कहा, यह बात भी काफी हद तक सही है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) बनाने का जिक्र किया गया है लेकिन इसे जबरन थोपने का प्रावधान बाबा साहब डॉक्टर भीमराव के संविधान में निहित नहीं है और इसके लिए जागरूकता तथा आम सहमति को श्रेष्ठ माना गया है, जिस पर अमल न करके इसकी आड़ में संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति करना देश हित में सही नहीं है जो इस समय की जा रही है। मायावती ने महंगाई पर कहा, यह आम चर्चा है कि प्रमुख समस्याओं की तरफ सरकार का ध्यान नहीं जा रहा है बल्कि जनता का ध्यान बांटने के लिए ए लोग यूसीसी की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम इसके खिलाफ नहीं हैं लेकिन यह मानकर चलना चाहिए कि देश में विभिन्न धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं। उनके अपने रस्म रिवाज हैं, उनकी अपनी कार्यशैली हैं, जन्म से लेकर मृत्यु तक उनके अपने अलग तौर-तरीके हैं इसलिए जब ए कानून बनाए जाए तो इन सब चीजों को भी ध्यान में रखकर चलना चाहिए।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 3 जुलाई 2023

थाने पहुंचीं थीं महिलाएं, कमरे में बंद कर थानेदार ने पट्टे से था पिटवाया

सीता की नगरी में महिला सुरक्षा को खाकी वर्दीधारियों ने किया कलंकित-पहले सीओ महमूदाबाद करते रहे बचाव अब दोषी पुलिस कर्मियों पर दर्ज कराया केस, एसओ समेत तीन पुलिसकर्मी कर दिए गए निलंबित

संवाददाता। सीतापुर

योगी सरकार महिलाओं को सुरक्षा दिए जाने के प्रति जितना संवेदनशील है उतना ही बेलगाम पुलिस महिलाओं पर ज्यादती करने के लिए मशहूर है। ताजा मामला यूपी की राजधानी लखनऊ से सटे सीतापुर जनपद के रामपुर मथुरा थाने का है, जिनके कंधो पर कानून का पालन कराने की जिम्मेदारी है, वही खाकी वर्दीधारी कानून का उल्लंघन किस प्रकार करते हैं, यह जानकर आपके पैरों तले जमीन खिसक जायेगी। सीता की नगरी सीतापुर में खाकी वर्दीधारियों ने थाने के अंदर कमरा बंदकर थानेदार के कहने पर महिलाओं की बेरहमी से पट्टे से जो पिटाई की उससे पहुंची चोट के स्याह निशान देखकर हर किसी को सिहरन हो जायेगी। इस घटना से पुलिस आमजनों पर किस तरह ज्यादती करती है वह भी थाने के अंदर इसको तो उजागर कर ही दिया। थानो में आजादी के इतने साल बाद भी पुलिस के समझावन लाल के तौर पर पट्टे मौजूद हैं यह भी साबित कर दिया और यह भी बता दिया कि थानेदार सही करें या गलत उनके अधिकारी भी उनके साथ हां मे हां मिलाने के लिए सांप को रस्सी बनाने में गुरेज नहीं करते हैं। सोशल मीडिया के इस युग में पुलिस ज्यादती से कराहती महिलाओं पर जुल्मों सितम करने वाले पुलिस कर्मियों को दोषी ठहराने में कई-कई दिन अधिकारियों को लग गए। इसके लिए दोषी सिर्फ थाने तक ही हैं या फिर और भी जो दोषियों को बचाने का प्रयास किए और मनमाफिक डाक्टरी रिपोर्ट भी बनवाने का कुचक्र रचे। जांच के बाद थाने के अंदर महिलाओं को पीटने के दोषी चर्चित थानेदार रामअवध चौहान, थाने के मुंशी कमलेश यादव और महिला सिपाही रचना चौधरी को निलंबित कर दिया गया है साथ ही इनके विरूद्ध धारा 323, 504, 342 के तहत मुकदमा भी पंजीकृत कराया गया है। पहले आपको सुनाते हैं कि पीड़ित महिलाओं की उस गुहार को जिसको लेकर कई दिनों तक अधिकारियों की ड्योढ़ी पर माथा रगड़ना पड़ा। अब आइये आपको पूरा मामला भी बताते हैं। दरअसल सीतापुर जिला मुख्यालय से करीब 100 किलोमीटर दूर रामपुर मथुरा थाना है। यहां इलाके में नियम कानून के बजाए खाकी वर्दीधारियों का ही अपना कानून और मनमर्जी चलती है। बात 18 जून की है, रामपुर मथुरा कस्बा निवासी ओमकार और उसके भाई निरंकार के बीच नल को लेकर आपसी विवाद सुबह 7 बजे हो जाता है। दोनो भाई थाने पहुंचते हैं थानेदार रामअवध चौहान उन्हें बिठा लेते हैं, कुछ देर बाद निरंकार की पत्नी लक्ष्मी देवी बहन अन्नपूर्णा पड़ोसी राजकुमारी और उनकी बेटी गायत्री देवी हालचाल जानने पहुंचती हैं। दूसरे पक्ष की ओमकार की पत्नी रेखा देवी भी थाने पहुंचती हैं। पुलिस का कहना है कि थाने के अंदर ही यह महिलाएं विवाद करने लगती हैं तब उन्हें बैठा लिया जाता है, लेकिन पुलिस की इस थ्योरी में कितना दम है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इन महिलाओं को थाने के अंदर कमरे में बंदकर थानेदार रामअवध चौहान पट्टे से मुंशी कमलेश यादव और महिला सिपाही रचना चौधरी से जमकर पिटवाते हैं, पिटाई से इनके बदन पर स्याह निशान पड़ जाते हैं। पुलिस का पिटाई से ही मन नहीं भरता है सभी का 107/16, 151 में चालान भी कर दिया जाता है। जैसा पुलिस आदतन करती है, वैसा ही इस मामले में ओमकार की पत्नी रेखा देवी को अपने पाले में मिला लेती है। इधर निरंकार शर्मा की पत्नी लक्ष्मी देवी, अन्नपूर्णा, राजकुमारी तथा गायत्री देवी के साथ 19 जून को पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाने पहुंचती हैं और उनसे सभी पुलिस कर्मियों पर पिटाई करने के आरोप लगाती हैं, एसपी घुले सुशील चन्द्रभान के निर्देश पर सीओ महमूदाबाद रविशंकर प्रसाद मामले की जांच करते हैं। आरोपों को निराधार बताते हुए थानेदार और अन्य दोषी कर्मियों को क्लिन चिट दे देते हैं। इसके बाद फिर यह सभी पीड़ित अधिकारियों के यहां गुहार लगाने पहुंच जाते हैं। इधर सेवता से भाजपा विधायक ज्ञान तिवारी तक जब यह मामला पहुंचता है तो पुलिस की बर्बरता के साक्ष्यों सहित मामले की शिकायत एडीजी जोन पीयूष मोर्डिया तक पहुंचा देते हैं। सोशल मीडिया पर पुलिस की बर्बरता टेऊंड होने लगती है। पुलिस अधीक्षक घुले सुशील चन्द्रभान फिर एक बार मामले की जांच अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी एनपी सिंह को सौंपते हैं, अपर पुलिस अधीक्षक की जांच में महिलाओं के आरोप सच साबित होते हैं। एसपी के निर्देश पर महिला कोतवाल पूजा यादव भी हकीकत को जानने के लिए रामपुर मथुरा पहुंचती हैं। एसपी के निर्देश पर थाने के अंदर महिलाओं की पिटाई करने वाले थानेदार रामअवध चौहान, मुंशी कमलेश यादव और महिला सिपाही रचना चौधरी को निलंबित कर दिया जाता है। इन्हें बचाने वाले सीओ महमूदाबाद रविशंकर प्रसाद खुद रामपुर थाना पहुंचते हैं और दोषी पुलिस कर्मियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराते हैं। पुलिस ने थाने के अंदर बंदकर महिलाओं की पिटाई तो की ही डाक्टरी रिपोर्ट में चोट न साबित हो इसके लिए रामपुर मथुरा सीएचसी के डाक्टर अवधेश वर्मा को भी मैनेज किया।

आषाढ़ महीने की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है

लखीमपुर.खीरी। गुरु पूर्णिमा क्यों मनाई जाती हैघ् जानिए इसका महत्व और आषाढ़ पूर्णिमा की तिथि हर व्यक्ति का जीवन बिना गुरु के अधूरा होता है।गुरु ही होते हैं जो हमें सही और गलत मार्ग का अंतर बताते हैं। आषाढ़ महीने की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। हमारा भारत देश अनेक परंपराओं का साक्षी रहा है।इन्हीं परंपराओं में से एक है गुरु.शिष्य परंपरा। प्राचीनकाल से ही भारत देश महान गुरु और उनके शिष्यों की जन्मस्थली रहा है।गुरु भारतीय संस्कृति का एक अहम हिस्सा हैं और उस संस्कृति को याद रखने के लिए ही आषाढ़ महीने की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा का नाम दिया गया है।गुरु पूर्णिमा के सापेक्ष में यह भी माना जाता है कि इसी दिन वेद व्यास जी ने वेदों का संकलन किया था और कई पुराणोंएउपपुराणों व महाभारत की रचना भी इसी दिन पूर्ण हुई थी। इसलिए इस दिन को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। गुरु पूर्णिमा का महत्व शास्त्रों में गुरु को भगवान से भी ऊंचा दर्जा दिया गया है।गुरुओं के बारे में स्वयं भगवान शिवजी कहते हैं. गुरुर्देवो गुरुर्धर्मोएगुरौ निष्ठा परं तपः। गुरोःपरतरं नास्तिए त्रिवारं कथयामि ते।।अर्थात् गुरु ही देव हैंए गुरु ही धर्म हैंए गुरु में निष्ठा ही परम धर्म है।गुरु से अधिक और कुछ नहीं है।आपको ज्ञात होगा भगवान शिव भी किसी न किसी के ध्यान में लगे रहते हैंएयानी उनसे भी बड़ा कोई है जो उन्हें मार्गदर्शन देता है और जिनकी शरण में वे अपना मस्तक झुकाते हैं।यानि कि गुरु की आवश्यकता सिर्फ मनुष्यों को ही नहीं बल्कि स्वयं भगवान को भी होती है। यह बात गुरु सांदीपनि और कृष्ण जी पर अच्छे से लागू होती है। गुरु सांदी पनि भगवान कृष्ण और बलराम दोनों के गुरु थे। उनके गुरुकुल में कई महान राजाओं के पुत्र पढ़ते थेए लेकिन गुरु सांदीपनि ने कृष्ण जी को पूरी 64 कलाओं की शिक्षा दी थी। भगवान विष्णु के अवतार होने के बाद भी कृष्ण जी ने गुरु सांदीपनि से शिक्षा ग्रहण की। गुरु.शिष्य के इस अनोखे रिश्ते से यह साबित होता है कि कोई भी चाहे कितना ही ज्ञानी होएफिर भी उसे एक गुरु की आवश्यकता तो होती ही है।यहां पर एक बात यह भी सामने आती है कि जब कृष्ण जी की शिक्षा पूरी हो गई तो गुरु सांदीपनि ने उनसे गुरु दीक्षा के रूप में यमलोक से अपने पुत्र को वापस लाने को कहा और कृष्ण जी ने भी उनके पुत्र को वापस धरती पर लाकर अपनी गुरु दीक्षा दी।यानि गुरुत्व प्राणियों का आधार है। कहते हैं किश्हरि रूठे गुरु ठौर हैएगुरु रूठे नहिं ठौरश्अर्थात् भगवान के रूठने पर तो गुरु की शरण मिल जाती हैएपरंतु गुरु के रूठने पर कहीं भी शरण नहीं मिल पाती। एक गुरु आत्मज्ञानीएआत्मनियंत्रितएसंयमी और अंतरदृष्टि से युक्त होता है जो अपने शिष्य की कमजोरीएताकतए उसकी बुद्धि को भली.भांति पहचानकर ही उसे शिक्षा प्रदान करता है ताकि अपने ज्ञान के क्षेत्र में उसे कोई पराजित न कर सके। कहते हैं गुरु पूर्णिमा से लेकर अगले चार महीने अध्ययन के लिये बड़े ही उपयुक्त माने जाते हैं।साधु.संत भी इस दौरान एक स्थान पर रहकर ध्यान लगाते हैं। लिहाजा आज के दिन अपने गुरुओं को प्रणाम करना चाहिएएउनका आशीर्वाद लेना चाहिए और हो सके तो उन्हें कुछ भेंट करना चाहिए। आज ऐसा करने से आपके ऊपर गुरु कृपा हमेशा बनी रहेगी।

गुरु पूर्णिमा 2023 शुभ मुहूर्त और तिथि
गुरु पूर्णिमा आरंभ.रात 8 बजकर 21 मिनट पर;2 जुलाई 2023
गुरु पूर्णिमा समापन. शाम 5 बजकर 8 मिनट पर;3 जुलाई 2023
गुरु पूर्णिमा तिथि.3 जुलाई 2023

पलिया में दो लोगों की मौत

पलिया कलां.खीरी। थाना क्षेत्र पलिया में शनिवार को 2 लोगों की मौत हो गई। एक व्यक्ति की मौत सर्पदंश से हुई तथा दूसरे एक नवयुवक की मौत ओवरडोज नशे के कारण हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बड़ागांव ग्राम पंचायत के मजरा धोबिन पुरवा में अजीत सिंह की चक्की पर बहादुर नामक 65 वर्षीय व्यक्ति देखरेख करता था ।वहां पर उसे चूहे का एक बिल दिखाई पड़ा उसमें उसने उंगली डाल दी। उंगली डालते ही उसमें बैठे जहरीले सर्प ने उसे डस लिया ।उसके घर वाले लोग झाड़.फूंक में लगे रहे। जब उसकी ज्यादा हालत बिगड़ गई तब एचएचसी पलिया ले आए पर उसकी मौत हो गई। दूसरी घटना ग्राम मकनपुर के इमलिया फार्म की है जहां पर मनजिंदर सिंह ;30एद्ध पुत्र जोगिंदर सिंह की ओवरडोज नशे से मौत होने की बात कही गई है। वह शनिवार की शाम को ग्राम लालपुर ढाका अपने रिलेशन में गया था फिर वहां से नहीं लौटा ।तो घर वालों ने काफी उसकी तलाश की। आज रविवार को प्रातः सवेरे उसका शव मोहल्ला कृष्णा नगर के पास एडमंटन स्कूल के पीछे गन्ने के खेत में मिला । शव के उच्चपास ही नशे की सीसी भी बरामद हुई जानकारी होने पर लोगों की भीड़ लग गई ।पुलिस को सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार मिश्रा दल बल के साथ पहुंचे शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

चाचा ने फर्जी बैनामा करवाकर हड़प ली जमीन

लखीमपुर खीरी। कोतवाली सदर क्षेत्र के पिपरिया राजापुर निवासी एक व्यक्ति की जमीन उसके ही चाचा ने फर्जी तरीके से बैनामा करवाकर हड़प ली। इसकी जानकारी पीड़ित को तब हुई जब उसने जमीन का इंतखाब निकलवाया। पीड़ित पक्ष ने मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक से करते हुए न्याय दिलाने की गुहार लगाई है। एसपी को दिए गए प्रार्थना पत्र में शहर से सटे पिपरिया राजापुर निवासी विवेक कुमार ने बताया कि उसके पिता के नाम ग्राम रायपुर कला तहसील मोहम्मदी में एक जमीन दर्ज थी। पिता की मृत्यु के उपरांत उसके नाम जमीन वरासतन दर्ज हो गई थी। जिसके बाद विवेक के चाचा यदुनंदन प्रसाद ने विवेक से वरासत कराने के नाम पर आधार कार्ड और फोटो मांगा। आर्यावर्त बैंक में खाता खुलवाने ले गए। आरोप है कि पीड़ित विवेक अपने चाचा पर पूर्ण विश्वास करता था जिस का नाजायज फायदा उठाते हुए यदुनंदन प्रसाद ने विवेक को मोहम्मदी ले जाकर तहसील के कर्मचारी से सांठगांठ करके फर्जी बैनामा अपने नाम लिखवा लिया। अपने साथ हुए धोखे की जानकारी विवेक को तब हुई जब उसने जमीन की खतौनी निकलवाई। इस संबंध में जब उसने अपने चाचा से पूछा तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। 6 जून की शाम को जब वह मजदूरी करने बाहर गया। हुआ थाए उस दौरान यदुनंदन असलहा लेकर अपने साथियों के साथ उसके घर पहुंचा और पत्नी के साथ अभद्रता करते हुए उसे मारा.पीटा। घटना की जानकारी देने जब उनकी पत्नी एलआरपी चैकी देने पहुंची तो उसे वहां से भगा दिया गया। विवेक ने एसपी को शिकायती पत्र देते हुए न्याय की गुहार लगाई है।

कार की टक्कर से बाइक सवार चाचा-भतीजे की मौत

बरेली । मोटरसाइकिल में पेट्रोल डलवाने के बाद घर लौट रहे ग्रामीण और उनके भतीजे की रास्ते में ही सड़क दुर्घटना में मौत हो गई पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।मीरगंज थाना क्षेत्र के गांव खमरिया सानी निवासी 50 वर्षीय नन्हे शाह और उसके भतीजे 17 वर्षीय साहिबे आलम की बीती रात सिधौली चौराहा पर हुई सड़क दुर्घटना में मौत हो गई पोस्टमार्टम हाउस पर मृतक के घर वालों ने बताया कि नन्हे शाह अपने भतीजे साहिबे आलम के साथ कल रात में मोटरसाइकिल में पेट्रोल डलवाने के लिए रसूलपुर स्थित पेट्रोल पंप पर गया था जहां से वापस लौटते समय सिधौली चौराहा पर तेजी से आ रही कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार चाचा भतीजे गंभीर रूप से घायल हो गए स्थानीय लोगों ने कार को रोकने की कोशिश की तो उसका चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा जहां पहुंचते ही डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

ट्रक में सो रहे हेल्पर की संदिग्ध हालात में मौत

बरेली ।ट्रक में सो रहे एक हेल्पर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई ट्रक चालक ने घटना की जानकारी पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को शिनाख्त के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू कर दी।लखीमपुर खीरी जिले के सिंघाई थाना क्षेत्र के भैरमपुर निवासी अर्जुन पुत्र बाबूराम की बीती रात बरेली में बारादरी थाना क्षेत्र में एक ढाबे के पास खड़े ट्रक में सोते समय संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के घर वालों ने बताया कि अर्जुन गुड्डू राठौर के ट्रक पर हेल्पर के तौर पर काम करता था और कल वह ट्रक में लकड़ी लादकर बरेली आए थे जहां ट्रक खाली होने के बाद रात के समय उन्होंने ट्रक को पीलीभीत बाईपास स्थित एक ढाबे के पास खड़ा कर दिया और ट्रक में ही सो गए लेकिन लगभग 2 घंटे बाद अर्जुन के मुंह से खून की उल्टी आई और उसकी मौत हो गई ट्रक चालक गुड्डू ने घटना की जानकारी अर्जुन के घरवालों और पुलिस को दी घरवाले मौके पर पहुंचे और उन्होंने अर्जुन की मौत पर हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से शिकायत कर दी।

गृहराज्य मंत्री टेनी ने जनता दरबार में सुनीं जनसमस्याएँ

निघासन .खीरी। केन्द्रीय गृहराज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी ने नगर के पी डब्ल्यू डी गेस्ट हाउस में जनता दरवार लगाकर लोगों की समस्याएं सुनी। इस जनता दरवार निघासन सहित अन्य तहसीलों से लोगो ग्रह राज्य मंत्री से मिलकर समस्याएं बताई जिसपर मंत्री कुछ समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर दिया।इसके अलावा क्षेत्र के विकास पर भी चर्चा की इसके अलावा कुछ समस्याओं का निस्तारण हेतु तुरंत विभागीय अधिकारियों को निर्देशित कर निस्तारण हेतु कहा।इस दौरान पलिया तहसील के ग्राम मझगई निवासी मदन लाल ने प्रार्थना पत्र देकर अपनी मृतक लड़की की न्याय हेतु गुहार लगाई है।जिसपर ग्रह राज्य मंत्री ने गंम्भीरता से लेते हुए न्याय दिलाने का आश्वासन दिया।इसके बाद सरपतहा निवासी मनोज ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि हमने निघासन में प्लाट लिया जिसकी दाखिल खारिज होने के बावजूद पड़ोसियों ने कब्जा करने नहीं दे रहे है ।और छेदुई पतिया के ग्रामीणों द्वारा उचित दर विक्रेता के खिलाफ कालाबाजारी की कार्रवाई हेतु प्रार्थना पत्र दिया है। पलिया तहसील की कोठिया निवासी चम्पा ने बताया कि खेत के पास मेरा आटो रिक्सा खडा था जिसको एक ब्यक्ति द्वारा लेजाकर पेड़ से टक्कर देकर छतिग्रस्त कर दिया जिससे महिला ने मुवाजा हेतु केन्द्रीय गृहराज्य मंत्री जी से न्याय की गुहार लगाई है।

रेलवे लाइन पर मिला आइटीबीपी के जवान का शव

बरेली ।आईटीबीपी के जवान का शव आज सुबह लाइन पर पाया गया पुलिस ने मृतक के घर वालों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के पालमपुर सिल्हा निवासी चुन्नीलाल पुत्र ख्यालीराम की लाश आज सुबह बरेली मे फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र में रेलवे लाइन पर पाई गई पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के परिजनों ने बताया कि चुन्नीलाल 1997 बैच के आइटीबीपी के जवान थे और कानपुर बटालियन में तैनात थे कुछ दिन पहले वह अपने घर गए थे जहां से वापस कानपुर जाने के लिए वह 2 दिन पहले चले थे कल दिन में वह चंडीगढ़ से कानपुर जाने वाली ट्रेन में सवार हुए थे लेकिन वह वहां नहीं पहुंचे और उनकी लाश आज सुबह फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र में रेलवे लाइन पर मिली सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मृतक की जेब से मिले पहचान पत्र के माध्यम से स्थानीय आईटीबीपी अधिकारियों को सूचना दी।

अंतरजनपदीय स्थानातंरित शिक्षक और शिक्षिकाएं नहीं होंगी कार्यमुक्त

सीतापुर। सीतापुर के विभिन्न ब्लाकों के अंतरजनपदीय स्थानातंरित शिक्षक शिक्षिकाओं को कार्यमुक्त नहीं किया जाएगा। इस संबंध में अग्रिम आदेशों तक रोक लगा दी गई है। बीएसए अजीत कुमार ने बताया कि परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के अंतरजनपदीय स्थानातंरण सत्र 2023-24 में आनलाइन आवेदन के जरिए हुए थे, लेकिन बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन संचालित परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिकाओं का तबादला फिलहाल रोक दिया गया हैं। बीएसए ने बताया कि उच्च न्यायालय में महेंद्र पाल व अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं अन्य सम्बद्ध रिट याचिकाओं में पारित आदेश 13 मार्च 2023 के समादर में अंतरजनपदीय स्थानातंरित 69 हजार शिक्षक, शिक्षिकाओं के कार्य मुक्त पर अग्रिम आदेशों तक रोक लगा दी गई है। उधर बीएसए कार्यालय पर रिलीव आर्डर पाने के लिए तमाम शिक्षक जमा हो गए।

राज्यमंत्री राकेश राठौर गुरू ने किया श्यामनाथ मंदिर का औचक निरीक्षण

सीतापुर। नगर विकास राज्यमंत्री राकेश राठौर गुरू ने 4 जुलाई से शुरू हो रहे सावन मास की तैयारियों को लेकर शहर के प्रसिद्ध शिवालय श्यामनाथ का औचक निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान सीतापुर नगर पालिका परिषद चेयरमैन प्रतिनिधि मुनींद्र अवस्थी भी मौजूद रहे। नगर विकास मंत्री ने निर्देश दिए गए कि मंदिर में साफसफाई, जल, रोशनी व सुरक्षा के समूचित प्रबंध किए जाएं साथ ही श्यामनाथ की ओर आने वाले रास्तों को रोशनी से जगमग किया जाए। इसके अतिरिक्त नगर पालिका की ओर से कावंड़ियों पर पुष्पा वर्षा के भी प्रबंध किए जाएंगे। निरीक्षण के दौरान ईओ वैभव त्रिपाठी भी मौजूद रहे।

डॉक्टर डे पर चिकित्सक को सम्मानित किया

बरेली । इनर व्हील्स क्लब बरेली मर्करी डिस्टिक 311 इनर व्हील क्लब बरेली मरकरी द्वारा एक जुलाई को नए सत्र के प्रारंभ में डॉक्टर डे के उपलक्ष में डॉक्टर को सम्मानित किया गया जीवन बचाने के लिए हर क्षण तत्पर रहने वाले सभी चिकित्सकों को राष्ट्रीयश्चिकित्सकश्दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई ।स्वस्थ एवं निरोगी समाज के निर्माण में डॉक्टर का योगदान अविस्मरणीय है। पूरी मानव जाति आपके सेवा भाव के प्रति नतमस्तक है। क्लब की ओर से सम्मानित किए जाने वाले डॉक्टर की कड़ी में में मंत्री डॉ अरुण कुमार , डॉक्टर विमल भारद्वाज जी, डॉक्टर विनोद पगरानी ,इनर व्हील क्लब की डिस्ट्रिक्ट एडिटर डॉक्टर नीलू मिश्रा को सम्मानित किया गया क्लब के कार्यक्रम में प्रेसिडेंट नीरू सक्सेना , सेक्रेटरी रचना सक्सेना, राखी, रुचि, निधि सदस्य उपस्थित रहे।

लड़की ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बरेली बिशारतगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली नाबालिग लड़की की लाश अपने घर में ही छत के कुंडे से बंधी साड़ी के सहारे फांसी पर लटकी पाई गई पोस्टमार्टम हाउस पर मृतका के घरवालों ने बताया कि लड़की लगभग 3 वर्ष पूर्व गांव के ही रहने वाले दूसरे समुदाय के युवक के साथ फरार हो गई थी उसके घरवालों ने युवक और उसके दो अन्य दोस्तों पर मुकदमा दर्ज कराया तब पुलिस ने लड़की को बरामद कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और जेल भेजा तब से लड़की मानसिक रूप से परेशान चल रही थी और आज सुबह जब उसके पिता खेत पर गए थे मां और छोटा भाई घर में ही थे लेकिन छोटे भाई को शौच कराने के लिए मां जंगल में लेकर चली गई उसके जाने के बाद किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली मां जब घर वापस लौटी तो उसने बेटी की लाश को फांसी पर लटके देखा।

आवला सांसद को ज्ञापन सौंपा

बरेली । राष्ट्रीय संघर्ष समिति ने ई पी एस 95 पेंशनर्स की छः वर्षों से लम्बित मिनिमम पेंशन 7500. डी ए सहित चार सूत्रीय मांगों की पूर्ति हेतु मंडल अध्यक्ष ए के अरोरा के नेतृत्व में प्रधानमंत्री को संबोधित आवला सांसद धर्मेन्द्र कश्यप को ज्ञापन सौंपा।मंडल अध्यक्ष ए के अरोरा ने कहा राष्ट्रीय संघर्ष समिति के केन्द्रीय नेतृत्व के आह्वान पर राष्ट्रीय संघर्ष समिति बरेली के पदाधिकारी गणों ने सांसद आंवला धर्मेंद्र कुमार कश्यप के आवास पर ई पी एस 95 पेंशनर्स की छः वर्षों से लम्बित मिनिमम पेंशन 7500 डी ए सहित चार सूत्रीय मांगों की पूर्ति हेतु प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

जलवायु परिवर्तन को रोकने में पेड़ों का महत्व

शाहजहाँपुरं। वन महोत्सव के अन्तर्गत जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने तिलहर चीनी मिल में वृक्षारोपड़ कर वन महोत्सव का शुभांरभ किया। उन्होने कहा कि जलवायु परिवर्तन को रोकने में वनों और पेड़ों का बहुत अधिक महत्व है। वनों और पेड़ों के मूल्य के बारे में जागरूकता हेतु 1 जुलाई से 07 जुलाई 2023 तक वन महोत्सव मनाया जायेगा। उन्होने कहा कि वन महोत्सव के अन्तर्गत विभिन्न विभागो को भी वृक्षारोपड़ हेतु लक्ष्य दिया जायेगा, जिससे अधिक से अधिक वृक्षारापेड़ किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि वृक्षा रोपड़ उपरान्त उसका संरक्षण भी बहुत अधिक महत्वपूर्ण है, पेड़ लगाने के बाद उसका संरक्षण भी अवश्य करें। वन विभाग द्वारा बताया गया कि जनपद मे 5491090 लाख वृक्षारोपड़ का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिसमें वन विभाग द्वारा 1401000 लाख तथा अन्य हितधारक विभागों द्वारा 4090090 लाख वृक्षरोपित् किये जायेगें। इस अवसर पर जिलाधिकारी सहित डीएफओ श्री प्रखर गुप्ता, उपजिलाधिकारी श्रीमती दीपशिखा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक श्री संजीव बाजपेयी सहित अन्य अधिकारियों ने भी तिलहर चीनी मिल में वृक्षारोपड़ किया तथा वन विभाग की ओर से जिलाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को पौधे भेंट किये गये।

बारिश के पानी से जलभराव की स्थिति

शाहजहांपुर । नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा द्वारा नगर क्षेत्र के लोधीपुर में सफाई व्यवस्था एवं मार्ग प्रकाश व्यवस्था का निरीक्षण किया ।इस मौके पर मुख्य मार्ग एवं लोधीपुर में सफाई की स्थिति एवं मार्ग प्रकाश के सम्बंध में निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय क्षेत्र के पार्षद रूपेश कुमार वर्मा द्वारा अवगत कराया गया कि क्षेत्र में बारिश के पानी से जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गयी है,जिस पर नगर आयुक्त महोदय द्वारा संबंधित को निर्देशित किया गया कि क्षेत्र में जल निकासी की व्यवस्था तत्काल कराया जाना सुनिश्चित करे। साथ ही विभिन्न प्रकार के रोगों से आमजन को बचाव हेतु बेहतर सफाई व्यवस्था रखने तथा दिनांक 01-07-2023 से प्रारंभ संचारी रोग अभियान के अंतर्गत चलाये जा रहे विशेष अभियान को माइक्रो प्लान के अंतर्गत नगर के प्रत्येक वार्ड में सफाई अभियान संचालित किए जाने के निर्देश दिए गए। इस मौके पर अधिशासी अभियंता सिविल आशीष त्रिवेदी, अवर अभियंता सिविल मनोज कुमार, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक पवन कुमार, हरवंश कुमार दीक्षित एवं क्षेत्रीय पार्षद रूपेश कुमार वर्मा तथा अन्य क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री को मुस्लिम जमात ने भेजा ज्ञापन

बरेली। ईद -उल-अजहा के दिन स्वीडन देश में कूरआन शरीफके जलाए जाने पर ऑल इंडिया मुस्लिम जमात ने मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी की कयादत में सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन दिया , जिला अधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा भारत सरकार से कार्यवाही की मांग की।ज्ञापन में कहा गया हैं कि यूरोपीय देशों में स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम की मस्जिद के बाहर ईद -उल -अजहा के दिन कुरआन शरीफको जलाएं जाने और बेहूरमती (बेदबी) करने की घटना सामने आई है। पुलिस की सुरक्षा में इराकी नागरिक ने मस्जिद के बाहर कुरआन शरीफको जलाया और मुक्द्दस किताब की बेहूरमती की है, ये सब कुछ हुकूमत के इशारे पर किया गया है, इस घिनौने कार्य के खिलाफ भारत के मुसलमानों में सख्त बेचौनी और नाराजगी है। ये वाक्या करोड़ों मुसलमानों को भड़काने और बेज्जती पर कार्यरत हैं, अरबों मुसलमानों के जज्बात को ठेस पहुंचाने वाली है। ये वाक्य उस वक्त हुकूमत के इशारे पर किया गया जब मुसलमान ईद -उल - अजहा मना रहे थे। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि यूरोपी यूनियन मजहब या अकिदा और नस्ल परस्ती व नफरत फैलाने के खिलाफ दावा करती है। इजहारे आजादी राए के नाम पर इस तरह का घिनौना खेल मुसलमान बर्दाश्त नहीं करेगा। इस्लाम अम्न व शांति और भाईचारे का सबक देता है, इस्लाम तमाम धर्म के मानने वालों को सम्मान की निगाह से देखता है। इस्लाम में इंतशार, बदमनी, नफरत अंगेज कार्रवाई की कोई गुंजाइश नहीं है।इस ज्ञापन के माध्यम से भारतीय हुकूमत से मांगा की गई है कि नई दिल्ली में स्थित स्वीडन एम्बेसी के राजदूत को आप तलब करें और तलब करने के बाद भारतीय मुसलमानो की तरफसे सख्त एहतजाज करें। ज्ञापन देने वालों में मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी, मौलाना पीर मुजाहिद हुसैन, हाजी नाजिम बेग, हाफिज अब्दुल वाहिद, , सय्यद तय्यब चिश्ती, सय्यद शाबान अली, रोमान अंसारी, मोहम्मद युसूफ अब्दुल हसीब खां, जारिब गद्दी, साहिल रजा कादरी, हाजी फय्याज हुसैन, हाफिज जावेद रजा आदि लोग मौजूद रहे।

छह युवक गिरफ्तार, 55 चोरी के मोबाइल बरामद

शाहजहांपुर । जीआरपी पुलिस ने झारखंड के छह युवकों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 55 चोरी के मोबाइल बरामद किए । आरोपी दिल्ली से लखनऊ रूट पर ट्रेनों से मोबाइल चोरी कर उसको एक एजेंट के माध्यम से बांग्लादेश में बेचते थे। पुलिस ने उनके पास से 55 चोरी के मोबाइल बरामद किए हैं। चोरी के मोबाइलों की कीमत साढ़े आठ लाख रुपये बताई जा रही है। सभी आरोपी बरेली में एक किराये के मकान में रहते थे। पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपियों को जेल भेज दिया है। शाहजहांपुर के रेलवे स्टेशन पर पिछले दो महीने से मोबाइल चोरी की घटनाएं बढ़ गई थीं। सबसे ज्यादा चोरी दिल्ली से लखनऊ जाने वाली ट्रेनों में हो रही थी। रेलवे पुलिस लगातार प्लेटफार्म पर संदिग्धों पर नजर रख रही थी। तभी पुलिस को प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर तीन संदिग्ध युवक खड़े दिखे। पुलिस ने उनको पकड़ने की कोशिश की, आरोपियों ने भागने की कोशिश की तो पुलिस ने उनको दौड़ाकर दबोच लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने तीन अन्य साथियों की जानकारी दी। पुलिस ने उनको भी गिरफ्तार कर लिया। जिसमें एक आरोपी नाबालिग है।

सभी आरोपी झारखंड के रहने वाले हैं। तलाशी लेने पर उनके पास कुछ मोबाइल बरामद किए। कड़ाई से पूछताछ की तो उनकी निशानदेही से पुलिस ने 55 मोबाइल बरामद किए। जिसकी कीमत साढ़े आठ लाख रुपए है। आरोपी बादल कुमार, शुभम कुमार, अश्विनी कुमार, राज नौनिया, शमशुर और एक आरोपी नाबालिग है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने रेलवे पुलिस को बताया कि, झारखंड में पुलिस ने ज्यादा सख्ती कर रखी है। इसलिए जिला छोड़कर बरेली में किराये के मकान में रहकर दिल्ली से लखनऊ जाने वाली ट्रेनों में मोबाइल चोरी की घटनाएं कर रहे थे।

मोबाइल चोरी करने के बाद झारखंड के एक एजेंट के माध्यम से बांग्लादेश में बेचते थे। 55 मोबाइल चोरी करके झारखंड भेजने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। इंस्पेक्टर रेहान अली ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ कर ली गई है। कुछ अन्य नाम भी सामने आए हैं। उनकी तलाश की जा रही है। आरोपियों के पास से 55 मोबाइल बरामद कर लिए गए हैं। आरोपी सभी मोबाइलों को झारखंड भेजने की फिराक में थे। आरोपी भी झारखंड के ही रहने वाले हैं।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर हादसा चालक और परिचालक की मौत

● डस्ट भरे ट्रक ने खड़े ट्रक में पीछे से मारी टक्कर

● जेसीबी से केबिन काट फंसे शवों को निकाला बाहर

संवाददाता। उरई, जालौन

रविवार को बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर एक बार फिर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जहां तेज रफ्तार ट्रक खड़े ट्रक में पीछे से घुस गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक के परखच्चे उड़ गए और हादसे में चालक व परिचालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई और उनके शव केबिन में फंस गए। हादसे की जानकारी मिलते ही बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की पिकेट टीम मौके पर पहुंची, जिन्होंने पुलिस को अवगत कराया। स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, जिन्होंने जेसीबी की मदद से केबिन में फंसे चालक परिचालक को कड़ी मशक्कत करने के बाद बाहर निकाला और शिनाख्त करने के बाद परिजनों को अवगत कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार यह दर्दनाक सड़क हादसा कुठौंद थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम ततारपुर से निकले बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के 223 किलोमीटर पॉइंट के पास हुआ। जहां एक ट्रक चित्रकूट से डस्ट लादकर रविवार सुबह बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे से औरैया की तरफ जा रहा था। जैसे ही ट्रक कुठौंद थाना क्षेत्र गांव ततारपुर के पास 223 किलो मीटर पॉइंट से गुजर रहा था तभी डस्ट भरे ट्रक ने एक्सप्रेस वे पर खड़े ट्रक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। उसमें ट्रक चालक शेखन हुसैन (28) व परिचालक मान सिंह (25) निवासीगण ग्राम जातपारा थाना पिहानी जनपद ट्रक की केबिन में फंसकर मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि जिस खड़े ट्रक में पीछे से ट्रक ने टक्कर मारी थी, वह टक्कर होने के बाद इसका फायदा उठाकर घटनास्थल से भाग गया।

एसआर ग्रुप के प्रतिभा सम्मान समारोह में 514 मेधावी सम्मानित

संवाददाता। उरई, जालौन

दसवां जनपदीय प्रतिभा सम्मान समारोह रविवार को एसआर ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस उरई के तत्वाधान में बंशीधर पैलेस कोंच बस स्टैंड उरई में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री भानुप्रताप सिंह वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डा. घनश्याम अनुरागी रहे।

समारोह में वर्ष 2023 की परीक्षा में हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 514 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया जिसमें बीए एवं बीएससी के भी छः छात्र छात्राएं एसआर डिग्री कॉलेज उरई के सम्मिलित रहे। सर्वप्रथम प्रदेश स्तर पर सातवां एवं जनपद स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले एसआर इण्टर कॉलेज उरई के इण्टरमीडिएट के छात्र सत्यम प्रजापति को सम्मानित किया गया। तत्पश्चात हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की जनपदीय टापटेन लिस्ट में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं सहित समस्त मेधावी पुरस्कृत हुए। मंच का संचालन विद्यालय के शिक्षक संतोष कुमार गोस्वामी ने किया।

चित्रकूट में गुरु पूजन को लगेगा लाखों शिष्यों का जमावड़ा

● जगदगुरु रामभद्राचार्य एवं कामदगिरि प्रमुख द्वार समेत प्रमुख मठों में चलेगा गुरू दीक्षा का कायक्रम

संवाददाता। चित्रकूट

आदितीर्थ के रूप में विख्यात भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट में गुरु पूर्णिमा को लेकर देश भर से लाखों शिष्यों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया है। सोमवार को गुरूपूर्णिमा के उपलक्ष्य पर पतित पावनी मंदाकिनी में आस्था की डुबकी लगाने के बाद भगवान श्रीकामतानाथ के दर्शन कर शिष्य अपने गुरुओं का पूजन कर आर्शीवाद लेगें।

गुरु पूर्णिमा को लेकर यूपी-एमपी प्रशासन द्वारा चित्रकूट के साधू संतों और महात्माओं के मठ-मंदिरों और देवालयों में सुरक्षा आदि के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं।

साधू संतों और महात्माओं के दर्शन-पूजन एवं गुरु दीक्षा लेने के लिए देश भर से लाखों शिष्यों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया है। जिसे लेकर मठ-मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। चित्रकूट के श्रीतुलसी पीठ में जगदगुरु रामभद्राचार्य महाराज, पुरानी लंका, आचार्य आश्रम, कामदगिरि प्रमुख द्वार, प्राचीन मुखारविंद मंदिर, सनकादिक आश्रम, पंजाबी भगवान आश्रम, रघुवीर मंदिर, रावतपुरा सरकार आश्रम, संतोषी अखाड़ा, गायत्री शक्तिपीठ, राम धाम मंदिर, भरत मंदिर, यज्ञवेदी मंदिर, स्वर्ग आश्रम पीली कोठी, सती अनुसूइया आश्रम, रामायणी कुटी, फलाहारी आश्रम, वेदांती आश्रम, सुतीक्षण मुनि आश्रम, सरभंग ऋषि आश्रम समेत चित्रकूट के प्रमुख मठ मंदिरों शिष्यों का पहुंचना शुरू हो रहा है।

वरिष्ठ पत्रकार रतन पटेल बने चुनाव आयोग के मीडिया सेल के सदस्य

चित्रकूट। जिला मजिस्ट्रेट/जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देश पर आगामी लोक सभा चुनाव 2024 के मद्देनजर जिला निर्वाचन कार्यालय में मीडिया सेल एवं सोशल मीडिया सेल का गठन किया गया है। जिसमें वरिष्ठ पत्रकार रतन पटेल को टीम में शामिल किया गया है। गौरतलब है कि वरिष्ठ पत्रकार रतन पटेल करीब 20 वर्षों से चित्रकूट जिले में सक्रिय रूप से पत्रकारिता कर रहे हैं। इसके साथ ही पत्रकार प्रेस परिषद एवं जिला प्रेस क्लब समेत कई संगठनों में अध्यक्ष पद का दायित्व निभा चुके हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने जिलाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

चित्रकूट। कर्वी तहसील परिसर में महिला आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ ने सभी ब्लॉकों के अध्यक्ष व सदस्य तथा सभी आंगनबाड़ी बहनों ने बैठक में हिस्सा लिया। बैठक के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश खरे को अध्यक्ष ने ज्ञापन सौंपा। रविवार को आंगनबाडी संगठन की अध्यक्ष अमृता चतुर्वेदी की बैठक में बहनों ने समस्याओं पर चर्चा की। अध्यक्ष ने भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश खरे को सौंपे ज्ञापन में कहा कि केन्द्रों में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के पोषाहार का कम होना। लाभार्थियों का ज्यादा होना। इससे वितरण में समस्या खडी होती है। अभिभावक लड़ाई करते हैं। फीडिंग के अनुसार पोषाहार दिलाया जाये। किशोरी बालिकाओं का पोषाहार नियमित दिया जाये। लाभार्थियों को राशन- चावल कोटेदार के जरिये न देकर आंगनबाड़ी केन्द्रों में दिलाया जाये। मासिक रिपोर्ट की फीडिंग के नाम पर सुपरवाइजरों की वसूली बंद कराई जाये। प्रोत्साहन राशि की कोई धनराशि नहीं आ रही, सभी आंगनबाड़ी बहनों को भेजी जाये। समूह को दिया जाने वाला पोषाहार आंगनबाडियों को कम दिया जाता है। समूह में भी कटौती की जाती है। स्कूलों में जिन बहनों के केन्द्र लगाये जाते हैं, उन्हें छुट्टी के समय गेट की चाभी न होने से गेट के बाहर टीकाकरण कराया जाता है। आंगनबाड़ी बहनों को गेट की एक चाभी दिलाई जाये।

मंदिर परिसर में आयोजित शिविर में मोतियाबिंद के 31 मरीज हुए चिन्हित

पुखरायां, कानपुर देहात। ओमर वैश्य सेवा समिति पुखरायां की ओर से रविवार को 98 वॉ नि:शुल्क नेत्र शिविर सुआबाबा मंदिर परिसर में आयोजित किया गया। जिसमें शंकरा आई हॉस्पिटल चौबेपुर कानपुर की टीम ने 94 मरीजों के आंखों का इलाज किया। इसमें 16 मरीज मोतियाबिंद के चिन्हित किये गए।

ओमर वैश्य सेवा समिति पुखरायां की ओर से आयोजित शिविर में शंकरा आई हॉस्पिटल चौबेपुर कानपुर डा.प्रतिश माथुर, सहयोगी डॉ. पलास विनायके, डॉ. राममोहन , डॉ. रानी, प्रियार्सी, हरीओम आदि टीम के सदस्यों ने 94 मरीजों की आंखों का परीक्षण किया। परीक्षण के दौरान मरीजों का शुगर लेवल, ब्लड प्रेशर की जांच के की गई। शिविर में कुल 16 मरीज मोतियाबिंद के चिन्हित किये। सभी चिन्हित मरीजों की आंखों का आप्रेशन करने के लिए चौबेपुर कानपुर स्थित शंकरा आई हॉस्पिटल निजी बस द्वारा ले जाया गया है। सेवा समिति के पदाधिकारियों ने टीम के सदस्यों के लिए चाय नाश्ता भोजन की व्यवस्था की। वहीं मरीजों को भी स्वल्पाहार में पूड़ी, सब्जी वितरित किया गया।

एसडीएम ने की राजस्व वसूली की समीक्षा

● राजस्व वसूली की धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी

संवाददाता। राजापुर, चित्रकूट

जिले की राजापुर तहसील के सभागार में उपजिलाधिकारी प्रमोद झा की अध्यक्षता में एक संयुक्त बैठक शनिवार को की गई जिसमें विद्युत विभाग, बैंक, विकास विभाग व अमीनों की एक संयुक्त बैठक की गई जिसमें राजस्व वसूली कृषकों को दिए जाने वाले ऋणों की समीक्षा की गई।

उपजिलाधिकारी ने बताया कि जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द के निर्देशानुसार राजस्व वसूली में तेजी लाने के कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। जिसमें आर्यावर्त बैंक, इण्डियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, भूमि विकास बैंक कर्वी व जिला सहकारी बैंक के शाखा प्रबन्धकों से वार्ता करते हुए बताया कि बैंकों में किसानों को दिए गए ऋण का भुगतान न होने पर बैंकों द्वारा आर0सी0 निर्गत की गई थी लेकिन वसूली में प्रगति न होने पर नाराजगी व्यक्त की। बड़े बकायादारों के यहाँ अमीन, बैंक व तहसील के तहसीलदार संजय अग्रहरि, नायब तहसीलदार पुष्पेंद्र सिंह गौतम की एक संयुक्त टीम बनाई गई है जो ऋण वसूली का कार्य प्रगति पर करेंगे।

इसके अलावा डीसी मनरेगा धर्म सिंह को निर्देशित किया गया है कि किसानों के द्वारा प्रस्तुत ऋण पत्रावली तथा केन्द्र सरकार और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं में केवाईसी का कार्य तुरन्त किया जाए। जिससे किसान बार-बार दफ्तरों के चक्कर न काटे।

टीआई दो वाहनों को सीजकर वसूला 55 हजार का जुर्माना

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला के निर्देश पर खनिज सामग्री की अवैध ढुलान में रोकथाम को अभियान जारी है। रविवार को अभियान के तहत सीओ यातायात श्रीमती निष्ठा उपाध्याय की देखरेख में प्रभारी यातायात मनोज कुमार की अगुवाई में यातायात पुलिस टीम ने भरतकूप थाना क्षेत्र के नेशनल हाइवे पर खनिज लदे भारी वाहनों की जांच की। यातायात पुलिस टीम ने दो ट्रकों में नम्बर प्लेट न होने पर सीज किया। एमवी एक्ट के तहत 38 वाहनों का 55 हजार रुपये का ई-चालान किया। यातायात प्रभारी मनोज कुमार ने कहा कि बिना वैध प्रपत्रों के खनिज सामग्री की ढुलाई करने पर भारी वाहनों का चालान जारी रहेगा।

क्विक न्यूज

चोरों ने लाखों के जेवर व नगदी पार की

मौदहा, हमीरपुर। ग्राम परछछ में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक घर में घुस लाखों रुपए के सोने चांदी के जेवरात पार कर दिए। पुलिस ने नाम दर्ज रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। गांव की अनुराधा पत्नी संतराम ने पुलिस को बताया कि तीस जून की रात्रि वह परिवार समेत घर में सो रहे थे तभी रात्रि में अज्ञात चोरों ने उसके घर में घुस बक्से में रखे सोने चांदी के जेवरात पार कर दिए। सुबह नींद खुलने पर जब उसने घर का सामान अस्त व्यस्त देखा तो उसे मामला समझते देर नहीं लगी। चोरी गए जेवर की कीमत पचास हजार से अधिक बतायी जा रही है। पीड़िता ने इस मामले में गांव के ही पिंटू और संजय तथा ग्राम करहिया के धीरू सिंह पर चोरी करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली पुलिस से लिखित शिकायत की है।

रिटायर्ड जेई का सरकारी आवास में एक साल से कब्जा

हमीरपुर। स्वास्थ्य विभाग के अवर अभियंता सेवानिवृत्त होने के एक वर्ष बाद भी सरकारी आवास में कब्जा किए है। वर्तमान अवर अभियंता ने इस मामले की शिकायत उच्चाधिकारियों से की है। सीएमओ कार्यालय के अवर अभियंता आरके अवस्थी ने बताया कि उनका तबादला हमीरपुर में चार अगस्त 2022 को हो गया था। उनके द्वारा विभाग के स्वास्थ्य केंद्र व निर्माण कार्यों का परीक्षण करना होता है। विभाग के ही अवर अभियंता श्रीराम प्रसाद कुशवाहा जो 30 जून 2022 को सेवानिवृत्त हो गए थे। लेकिन एक वर्ष पूरे होने के बाद भी अभी तक उन्होंने सरकारी आवास खाली नहीं किया है। जिससे उन्हें बांदा से हमीरपुर प्रतिदिन आना पड़ता है। जिससे राजकीय कार्य प्रभावित हो रहा है और हमेशा सड़क दुर्घटना की संभावना बनी रहती है।

होटल में लगी आग, कर्मचारी झुलसा

फर्रुखाबाद। होटल के हाल में चल रहे रुकाई के कार्यक्रम के दौरान अचानक सिलेंडर में आग लग गई। आग लगने से होटल का एक कर्मी घायल हो गया। जिसे निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। वहीं कई फेसे लोगों को सकुशल बाहर निकाला गया। अधिकारियों नें मौके पर जाकर जांच की। कोतवाली फतेहगढ़ के बेबर रोड पोलिटेक्निक कालेज के पास रामा पैलेस के नाम से होटल व रेस्टोरेंट है। रविवार को उसके तीसरी मंजिल के हाल में रुकाई का कार्यक्रम था। एक टेबल पर कामर्शियल सिलेंडर से टिक्की गर्म की जा रहीं थी। लिहाजा उसी दौरान अचानक सिलेंडर में आग लग गयी। आग से फतेहगढ़ के होटल गढ़ी कोहना निवासी होटल कर्मी 18 वर्षीय संदीप कुमार वाल्मीकि पुत्र झब्बू लाल झुलस गया। उसे परिजनों नें मसेनी के निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया। दमकल ने आग पर बमुश्किल काबू पाया।

बिजली कटौती के विरोध में आप ने निकाला लालटेन जुलूस

फतेहपुर। अंधाधुंध बिजली कटौती के विरोध में रविवार को आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों ने लालटेन जुलूस निकालकर विरोध जताया। जुलूस भ्रमण के दौरान प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए रास्ते में पड़ने वाली महापुरूषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करते हुए यूपी सरकार से चौबीस घंटे बिजली उपलब्ध कराये जाने की मांग की। जुलूस का नेतृत्व जिलाध्यक्ष रंजीत कुमार मौर्य एड. ने किया। जुलूस की शुरूआत विद्यार्थी चौराहा से हुई, जहां से पटेलनगर चौराहा, सुभाष चौराहा से लाल बहादुर शास्त्री चौराहे तक जुलूस निकला।

डंपर चालक को डीसीएम ने कुचला, मौत

फतेहपुर। बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के बेहटा गांव निवासी रावेंद्र कुमार का 29 वर्षीय पुत्र शुभम जो डंपर चालक था। वह अपने डंपर में मोरंग लादकर जा रहा था जब वह औंग थाना क्षेत्र के रावतपुर गांव के समीप एनएच 2 पर पहुंचा तभी वह अपना डंपर खड़ा कर उसका टायर चेक कर रहा था। उसी समय रोड से गुजरी एक तेज रफ्तार डीसीएम ने उसको कुचल दिया। जिससे डंपर चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को हुई तो मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मेडिकल संचालक की मौत

फर्रुखाबाद। बाइक से जा रहे मेडिकल संचालक की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हो गयी। सड़क पर गिरते ही उसके शव को और कई वाहन भी रौंदते हुए निकल गये। जिससे उसका शव क्षत विक्षत हो गया। पुलिस नें शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी भेज दिया। कोतवाली मोहम्मदाबाद क्षेत्र के पिपरगांव के ग्राम कनहुपुर निवासी 26 वर्षीय राधाकृष्ण पुत्र रामकृष्ण बाइक से अपनी ससुराल गया था। रात को वह बाइक से वापस लौट रहा था। उसी दौरान थाना नवाबगंज क्षेत्र में किसी अज्ञात वाहन नें उसे कुचल दिया। जिससे वह सड़क पर गिर गया। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक उसके शव के ऊपर से और कई तेज रफ्तार वाहन गुजर गये।

दूसरों की जान बचाने वाले प्राइवेट गोताखोरों को सदर विधायक ने वितरित की लाइफ सेविंग किट

● बाढ़ को ध्यान में रखकर गोताखोरों को सरकार दे रही है प्रोत्साहन

संवाददाता। जालौन, उरई

बाढ़ क्षेत्र में यदि कोई प्रभावित होता है तो गोताखारों की मदद ली जाती है। कई बार लाइफ सेविंग किट के अभाव में गोताखोर कार्य नहीं कर पाते हैं। ऐसे में सरकार द्वारा गोताखोरों को लाइफ सेविंग किट का वितरण किया जा रहा है। आवश्यकता पड़ने पर गोताखोर इस सामग्री के साथ अपने अनुभव का भी इस्तेमाल करें। यह बात तहसील सभागारी में सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने गोताखोरों को सामग्री का वितरण करते हुए कही।

तहसील क्षेत्र के गांव टिकरी मुस्तिकिल, लोहई, दिवारा आदि गांव यमुना किनारे स्थित हैं। जब कभी यमुना में जलस्तर बढ़ता है तो यह क्षेत्र बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आ जाते हैं। बाढ़ आने की स्थिति में जन व धन हानि से बचने के लिए गोताखोरों की मदद ली जाती हैं। इसके अलावा पानी में डूबे किसी व्यक्ति को बचाने अथवा उसको तलाश करने के लिए भी गोताखोरों की मदद ली जाती है। कई बार स्थितियां ऐसी होती हैं कि लाइफ सेविंग किट न होने की वजह से गोताखोरों को परेशानी होती है। गोताखोरों की परेशानी को देखते हुए सरकार की ओर से गोताखोरों का लाइफ सेविंग किट का वितरण किया जा रहा है।

एसडीएम सुरेश कुमार ने कहा कि सरकार की ओर से आठ लोगों को लाइफ सेविंग किट में लाइफ जैकेट, पतवार, बॉस, रस्सी, टार्च, मेडिकल किट आदि सामग्री का वितरण किया गया है। इस दौरान ग्राम भदेख निवासी जगराम, सुनील कुमार, रामसिंह, सुरेंद्र, अखिलेश, जगदीश, रामजीवन, राजेंद्र को लाइफ सेविंग किट का वितरण किया गया।

बगैर नंबर प्लेट के डंपर से बाइक सवार की मौत

पुखरायां, कानपुर देहात। थाना क्षेत्र के कानपुर-झांसी हाईवे पर चौरा गांव के समीप एक ढाबे के निकट रविवार को तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई है। वह अपनी ससुराल देवराहट से कदौरा, जालौन के अपने गांव सिरोही वापस जा रहा था। सूचना पर पहुंचे पुलिस के अधिकारियों ने डंपर को सीज कर दिया है और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा है। कदौरा, जालौन के सिरोही गांव निवासी हरिगोविंद नारायण का पुत्र उदित नारायण शनिवार को अपनी ससुराल देवराहट गया था। रविवार को बाइक से वह अपने गांव कदौरा, जालौन के अपने सिरोही जा रहा था। तभी चौरा के निकट कानपुर की ओर से पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। बाइक समेत सवार सड़क के किनारे खड्ड में जा गिरा। बाइक सवार की मौके पर मौत हो गई है। चालक डंपर छोड़कर भाग गया है।

बीजेपी मंडल उपाध्यक्ष को मारी गोली, मुकदमा दर्ज

● पुरानी रंजिश के चलते किया गया हमला

फतेहपुर। धाता थाना क्षेत्र के किशनपुर गांव निवासी दयाशंकर द्विवेदी भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष हैं। शनिवार की रात धाता कस्बा निवासी बीजेपी मंडल अध्यक्ष देवेश त्रिपाठी ने शिवालय मंदिर में भंडारे का आयोजन किया था। निमंत्रण में दयाशंकर द्विवेदी भी आए थे। भंडारे का प्रसाद खाने के बाद दयाशंकर द्विवेदी वापस घर के लिए निकल रहे थे। तभी घात लगाये बैठे हमलावरों ने मंडल उपाध्यक्ष पर ताबड़तोड़ गोली बरसानी शुरू कर दी।

फायरिंग में दयाशंकर के कान और कंधे पर गोली लगने से लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। अचानक गोली की आवाज सुनकर कार्यक्रम स्थल पर भगदड़ मच गई। आनन-फानन घायल दयाशंकर को उपचार के लिए पीएचसी में भर्ती कराया गया जहां हालत गंभीर होने पर उन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया। जहां भर्ती कर उनका उपचार किया जा रहा है। घटना की सूचना पर भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष मिश्रा, क्षेत्रीय विधायक कृष्णा पासवान, हस्वा ब्लाक प्रमुख विकास पासवान ने जिला अस्पताल पहुंचकर घटना के बाबत जानकारी हासिल करते हुए घायल का हालचाल लिया। भाजपा जिलाध्यक्ष का कहना रहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं पर हमला किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाई जायेगी। उधर अपर पुलिस अधीक्षक विजय शंकर मिश्र ने भी अस्पताल पहुंचकर घायल का हालचाल लिया। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया पुरानी रंजिश के चलते परिवार के अंकित द्विवेदी द्वारा घटना को अंजाम दिया गया है।

पेज एक का शेष

पवार से...

है और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है। राजभवन में विधानसभा उपाध्यक्ष नरहरि जिरवाल और राकांपा के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल भी मौजूद थे। भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले ने दावा किया कि राकांपा के 40 विधायकों (कुल 53 में से) ने राज्य सरकार का समर्थन किया है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि राज्य अब एक मुख्यमंत्री और दो उप मुख्यमंत्रियों के साथ विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ेगा। इससे पहले दिन में अजित ने मुंबई में अपने आधिकारिक आवास देवगिरि में पार्टी के कुछ नेताओं और विधायकों के साथ बैठक की। बैठक में राकांपा के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल और पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले उपस्थित थीं। हालांकि, सुले बैठक से जल्द ही चली गईं। हालांकि, शरद पवार ने पुणे में कहा कि उन्हें बैठक की जानकारी नहीं है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र सरकार में राकांपा नेता अजित पवार को उपमुख्यमंत्री के रूप में शामिल करना एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री पद खोने की प्रक्रिया की शुरुआत है।

धोखा देने...

आघाड़ी (एमवीए) के भविष्य से जुड़े सवाल पर पवार ने कहा कि तीनों गठबंधन सहयोगियों ने भविष्य में मिलकर काम करना जारी रखने का फैसला किया है। गौरतलब है कि महा विकास आघाड़ी में शिवसेना (यूबीटी), राकांपा और कांग्रेस शामिल है। पवार ने कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राकांपा पर आरोप लगाते हुए कहा था कि पार्टी भ्रष्टाचार में लिप्त है। मुझे आज खुशी है कि उन्होंने राकांपा के कुछ सहयोगियों को कैबिनेट में जगह दी। इससे पता चलता है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आरोप तथ्यात्मक नहीं थे। उन्होंने पार्टी और उन सभी को आरोपमुक्त कर दिया है, जिनके खिलाफ उन्होंने आरोप लगाए थे और मैं इसके लिए प्रधानमंत्री का आभारी हूं। अजित पवार, छगन भुजबल, दिलीप वाल्से पाटिल और हसन मुशरिफ का नाम लेते हुए शरद पवार ने कहा कि पार्टी के कुछ नेता प्रवर्तन निदेशालय की जांच से घबराए हुए थे।

प्रधान और...

मंत्रियों को हटाया जा सकता है जो 'लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे' या जिन्हें पार्टी टिकट नहीं देगी। सूत्रों ने मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया के लिए बड़ी भूमिका से इनकार नहीं किया है।

रूस ने...

रूस ने 27 हवाई हमले और एक मिसाइल हमला किया। उसने मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर से भी 80 हमलों को अंजाम दिया। वहीं, रूस के स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि हवाई रक्षा प्रणाली ने यूक्रेन की सीमा से सटे बेलगोरोद क्षेत्र में एक ड्रोन को मार गिराया है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी कुर्स्क इलाके में भी गोलाबारी हो रही है, लेकिन उसमें जानमाल के नुकसान की अभी कोई खबर नहीं है।

जेल में...

जाएगा। इस राशि की वसूली कैप्टन अमरिंदर सिंह और रंधावा से की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह राज्य और उसके लोगों के खिलाफ एक गंभीर अपराध था। उन्होंने कहा कि इसमें शामिल लोगों को इसकी कीमत चुकानी होगी। मान ने आरोप लगाया कि सिंह और रंधावा, दोनों ने पंजाब की जेल में कुख्यात गैंगस्टर के आरामदायक प्रवास के लिए दरियादिली दिखाई।

यूं ही...

में रोपवे के लिए किया गया था। अध्ययन के अन्य लेखकों में भूविज्ञान विभाग, एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर से वाईपी सुंदरियाल, सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग से नरेश राणा और देहरादून में वीएसकेसी गवर्नमेंट पीजी कॉलेज के इतिहास विभाग के साथ काम करने वाले विजय बहुगुणा आदि शामिल हैं। शुभ्रा शर्मा वर्तमान में भूविज्ञान प्रभाग, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद में कार्यरत हैं। जोशीमठ शहर में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। विशेष रूप से 1901 और 2011 के बीच शहरी आबादी में 20 गुना तक वृद्धि के कारण शहरी कस्बों का प्रसार हुआ है। परिणामस्वरूप यहां बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का विकास हुआ है। इस प्रकार सीमित संसाधनों पर भारी दबाव पड़ रहा है। बढ़ती आबादी के कारण कमजोर ढलानों पर आवास की जगह बहुत ही सीमित हो गई है। अध्ययन में कहा गया है कि यमुना और भागीरथी घाटियों में बहुमंजिला घर सैकड़ों साल पुराने हैं और उन्होंने 1991 के उत्तरकाशी और 1999 के चमोली की घटनाओं सहित कई भूकंपों का सामना किया है। इसी प्रकार, पहाड़ों में पारंपरिक सिंचाई प्रणाली छोटे नहर नेटवर्क पर आधारित है, जिन्हें बिना किसी रुकावट के छोटी-छोटी धाराओं में बांट कर आगे बढ़ाया गया है। यह भी कम खतरनाक नहीं है।

गुरु पूर्णिमा पर आठ कला साधकों को किया सम्मानित

संवाददाता। फर्रुखाबाद

● संस्कार भारती ने किया कला साधक सम्मान समारोह का आयोजन

संस्कार भारती द्वारा आयोजित गुरु पूर्णिमा उत्सव पर कला साधक सम्मान समारोह कार्यक्रम में विभिन्न विधाओं में कला साधना करने वाले कला साधकों को सम्मानित किया गया।

महादेव प्रसाद स्ट्रीट स्थित नटराज भवन में आयोजित गुरु पूर्णिमा उत्सव पर कला साधक सम्मान समारोह का राष्ट्रीय कवि डॉक्टर शिवओम अम्बर, प्रांतीय महामंत्री सुरेंद्र पाण्डेय, अध्यक्ष डॉक्टर नवनीत गुप्ता, सचिव दिलीप कश्यप ने दीप प्रगवलित व माल्यार्पण कर भगवान नटराज का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उपाध्यक्ष अरविंद दीक्षित, स्नेहा श्रीवास्तव, मानस मर्मज्ञ संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष नवीन मिश्रा नब्बू, संगीत विधा प्रमुख गौरब मिश्रा बंटी, प्रांतीय महामंत्री सुरेंद्र पांडेय ने अपने विचार व्यक्त किए। राष्ट्रीय कवि डॉक्टर शिवओम अम्बर ने आषाढ़ी के दिन पढ़ने वाली गुरु पूर्णिमा के महत्व के बारे में विस्तार से बताया, उन्होंने कहा कि हर पूर्णिमा किसी न किसी विशेष दिन के लिए जानी जाती है, गुरु जीवन में अंधकार को खत्म कर प्रकाश भरने का काम करते हैं।

राष्ट्रीय कवि डॉक्टर शिवओम अम्बर को जोधपुर में आयोजित कवि सम्मेलन में मनहर सम्मान मिलने पर संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। इसके बाद नाट्य विधा में पिछले कई वर्षों से योगदान व कला साधना करने के लिए थानाध्यक्ष मऊदरवाजा अमोद कुमार सिंह को सम्मानित किया गया।

फ्रांस में लगातार पांचवी रात भी हिंसा जारी रही

किशोर की मौत के बाद बिगड़ा माहौल

भाषा। पेरिस

फ्रांस में पुलिस की गोलीबारी में एक किशोर की मौत के बाद फैली हिंसा रविवार तड़के भी जारी रही और प्रदर्शनकारी युवाओं ने एक जलती हुई कार को मेयर के आवास से टकरा दिया। हालांकि, हिंसा के मामलों में अब थोड़ी कमी आई है। पुलिस ने रविवार तड़के 719 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मंगलवार रात को प्रदर्शन शुरू होने के बाद से अब तक पुलिस ने 3,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है। नैनटेरे के उपनगर में पुलिस की गोलीबारी में मारे गए 17 वर्षीय नाहेल को शनिवार को अंतिम विदाई दी गई। कब्रिस्तान में शवों को लाए जाने के दौरान बड़ी संख्या में लोग सड़कों के किनारे खड़े थे। गौरतलब है कि मंगलवार को वाहनों की जांच के दौरान गोलीबारी में 17 वर्षीय नाहेल की मौत होने की घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दो अधिकारी कार की खिड़की के पास खड़े दिख रहे हैं, जिनमें से एक ने चालक पर बंदूक तान रखी है। जैसे ही किशोर आगे बढ़ता है, अधिकारी गोली चला देता है। इस घटना ने देश को झकझोर कर रख दिया है और लोग काफी आक्रोशित हैं। नाहेल की मौत के बाद पेरिस उपनगर में गुस्सा फूट पड़ा और तेजी से पूरे देश में हिंसा भड़क गई। उत्तरी पेरिस के निकट प्रदर्शनकारियों ने पटाखे जलाए और बैरिकेड को आग के हवाले कर दिया। प्रदर्शनकारियों को काबू करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। प्रदर्शनकारियों ने देर रात ने उपनगर हे-लेस रोजेज में मेयर के आवास को निशाना बनाया। प्रदर्शनकारियों ने हाल के दिनों में कई स्कूल, पुलिस स्टेशन, टाउन हॉल और स्टोर में तोड़फोड़ और आगजनी की, लेकिन किसी मेयर के आवास पर हमला करने की यह पहली घटना है। मेयर विंसेंट जीनब्रून ने कहा कि देर रात करीब डेढ़ बजे हुए हमले में उनकी पत्नी और उनके बच्चे घायल हो गए। जब हमला हुआ उस वक्त उनके परिवार के सदस्य घर में सो रहे थे और वह टाउन हॉल में हिंसा की निगरानी कर रहे थे। मेयर ने हिंसा को अस्वीकार्य करार देते हुए सरकार से आपातकाल लागू करने का आग्रह किया। इस बीच, गृह मंत्रालय ने कहा है कि प्रदर्शनकारियों ने मार्सेल शहर में हिंसा की। इसने दावा किया कि पिछली रात की तुलना में अब हिंसक घटनाओं में कमी आई है।

हिंसा की आंच स्विट्ज़रलैंड तक पहुंची, दुकानों पर पथरावअ सात लोग हिरासत में

बर्लिन। फ्रांस के दंगों की आंच पड़ोसी स्विट्ज़रलैंड के लुसाने तक पहुंच गई जहां कुछ दुकानों पर पथराव के बाद सात लोगों को हिरासत में लिया गया है जिनमें से अधिकांश किशोर हैं। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने एक बयान में बताया कि पश्चिमी स्विट्ज़रलैंड के फ्रेंच भाषी लुसाने के मध्य इलाके में शनिवार शाम को 100 से ज्यादा लोग इकट्ठा हो गए। बयान में कह गया है कि वे फ्रांस में हिंसा को लेकर सोशल मीडिया पर की गई अपील के बाद जमा हुए थे। पेरिस के एक उपनगर में एक 17 वर्षीय नाबालिग की पुलिस गोलीबारी में मौत के बाद हुई हिंसा ने फ्रांस को हिला दिया है। पुलिस ने बताया कि युवकों की ओर से किए गए पथराव और पेट्रोल बम फेंकने से कई दुकानों की खिड़कियों के शीशे टूट गए और एक दुकान का दरवाजा क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने कहा कि उसने छह नाबालिगों को हिरासत में लिया है जिनकी उम्र 15 से 17 साल के बीच है और उनमें से तीन लड़कियां और तीन लड़के हैं तथा उनके पास पुर्तगाल, सोमालिया, बोस्निया, स्विट्ज़रलैंड, जॉर्जिया और सर्बिया की नागरिकता है। पुलिस ने बताया कि उसने एक 24 वर्षीय स्विट्ज़रलैंड के नागरिक को भी हिरासत में लिया है। घटना में कोई भी पुलिस अधिकारी जख्मी नहीं हुआ है।

क्विक न्यूज

नेपाल में 2023 की पहली छमाही में भारतीय पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई

काठमांडू। नेपाल में वर्ष 2023 की पहली छमाही के दौरान भारतीय पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। रविवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, उक्त अवधि में करीब 1,68,000 भारतीय पर्यटक नेपाल पहुंचे, जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान 97,313 भारतीय पर्यटकों ने हिमालई देश की यात्रा की थी। नेपाल पर्यटन बोर्ड के अनुसार, 2023 की पहली छमाही में 4,76,481 विदेशी पर्यटक हवाई मार्ग से नेपाल पहुंचे। यह संख्या 2019 में महामारी पूर्व अवधि की तुलना में 83 प्रतिशत अधिक है। वर्ष 2019 (कोविड-19 महामारी पूर्व की अवधि) में 5,36,058 विदेशी सैलानियों ने हवाई जहाज से नेपाल की यात्रा की थी। बोर्ड ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि 2023 की पहली छमाही के दौरान विमान से नेपाल पहुंचने वाले भारतीयों की संख्या 1,67,605 थी, जो पिछले साल इसी अवधि में हवाई मार्ग से हिमालई देश की यात्रा करने वाले 97,313 भारतीय सैलानियों से कहीं अधिक है। विज्ञप्ति के मुताबिक, मई में कुल 1,53,602 विदेशी सैलानी नेपाल पहुंचे, जिनमें 36,575 भारतीय शामिल थे। हालांकि, जून में नेपाल की यात्रा करने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में संख्या कम रही। लेकिन, पिछले साल की तुलना में इस वर्ष जून में नेपाल पहुंचने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या अधिक दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2019 के अंत में कोविड-19 महामारी की दस्तक के कारण नेपाल का पर्यटन उद्योग काफी प्रभावित हुआ था। 2020 की पहली छमाही में जहां नेपाल पहुंचने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या घटकर 2,20,815 हो गई थी। वहीं, 2021 और 2022 की पहली छमाही में नेपाल की यात्रा करने वाले विदेश सैलानियों की तादाद क्रमशः 58,058 और 2,40,901 दर्ज की गई थी।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में आतंकी हमले में चार सुरक्षाकर्मियों की मौत, एक आतंकी ढेर

कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को सुरक्षाकर्मियों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में कम से कम चार सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई, जबकि एक आतंकवादी को मार गिराया गया। यह मुठभेड़ प्रांत के धना सार इलाके में हुई। शेरानी के उपायुक्त (डीसी) बिलाल शब्बीर ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ करीब दो घंटे तक हुई। शब्बीर ने कहा कि शेरानी उप-जिले में हुई इस मुठभेड़ में तीन पुलिसकर्मी और एक सुरक्षा कर्मी की मौत हो गई, जबकि एक आतंकी को मार गिराया गया। उपायुक्त ने कहा, घायल आतंकियों के साथी उन्हें (आतंकवादियों को) अपने साथ ले जाने में सफल रहे। मारे गए आतंकी का शव आतंक रोधी दस्ते (सीटीडी) को सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि आतंकी भारी मात्रा में हथियार लेकर आए थे और उन्होंने जांच चौकी पर हमला किया, जिसके बाद पुलिस और सुरक्षाबलों ने जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ दो घंटे तक जारी रही। शब्बीर ने कहा, एक सुरक्षा कर्मी भी घायल हुआ है, लेकिन वह खतरे से बाहर है। उन्होंने आगे कहा कि मुठभेड़ में मारे गए सुरक्षाकर्मियों के शवों को झोब जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया है। शब्बीर ने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने धना सार और उसके आस-पास के इलाकों की घेराबंदी कर दी है। उन्होने कहा कि सीटीडी ने घटनास्थल से सबूत जुटाए हैं और अपनी जांच शुरू कर दी है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर अब्दुल कुद्दुस बिजेंजो ने चेकपोस्ट पर रॉकेट हमले और गोलीबारी की निंदा की है और चार सुरक्षा कर्मियों के मारे जाने पर दुख जताया है। उन्होंने एक आतंकी को मार गिराए जाने के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों की सराहना भी की। किसी भी संगठन ने हमले की अभी जिम्मेदारी नही ली है।

हैती को तत्काल अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा तथा मानवीय सहायता की जरूरत : संरा प्रमुख

पोर्ट ऑ प्रिंस (हैती)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस शनिवार को कैरेबियाई देश हैती पहुंचे और उन्होंने मजबूत सुरक्षा बलों वाले देशों से, गिरोहों की हिंसा से जूझ रहे इस देश को इससे निपटने में मदद करने का अनुरोध किया। गुतारेस ने एक दिन की अपनी यात्रा के दौरान हैती के प्रधानमंत्री एरियल हेनरी, नागरिक समूहों की प्रमुख शख्सियतों, संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारियों तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने कहा, यह वक्त हैती को भुला देने का या उसके लोगों के प्रति एकजुटता को कमजोर करने का नहीं है। गुतारेस ने हैती के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत की। इस दौरान संवाददाताओं ने उनसे प्रश्न किया कि हैती के प्रधानमंत्री ने पिछले वर्ष अक्टूबर में अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बलों को तैनात करने का अनुरोध किया था, तो क्या ऐसे बलों की तैनाती की जाएगी अथवा नही। इस पर गुतारेस ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री हेनरी से इस मुद्दे पर तथा निष्पक्ष चुनाव कराने की आवश्यकता के संबंध में बातचीत की है। उन्होंने कहा, मै यहां हैती के लोगों को यह बताने नही आया कि उन्हें क्या करना चाहिए। मैं यहां उनकी बात सुनने आया हूं। हैती को जितना जल्दी हो सके लोकतांत्रिक व्यवस्था की ओर लौटना चाहिए। जुलाई 2021 में राष्ट्रपति जोवेनल मोइसे की हत्या के बाद से हेनरी देश की कमान संभाल रहे हैं और उन पर चुनाव कराने का दबाव है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि देश में हिंसा के जो हालात है उन्हें देखते हुए चुनाव करा पाना लगभग असंभव है। देश की राजधानी के 80 फीसदी हिस्से पर विभिन्न गिरोहों का कब्जा है। देश में अक्टूबर 2019 में चुनाव हुए थे। गुतारेस ने कहा कि हैती में गरीबी बढ़ रही है और भुखमरी के मामले बढ़ रहे हैं इसलिए इसे मानवीय सहायता की तत्काल आवश्यकता है। उन्होने कहा कि गिरोह सामानो की आवाजाही रोक रहे है साथ ही जल, खाद्य पदार्थ तथा स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच को भी नियंत्रित कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा, हैती मे हर दूसरा व्यक्ति घोर गरीबी मे जी रहा है, भुखमरी का और पेयजल संकट का सामना कर रहा है। गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व ही संयुक्त राष्ट्र मानवीय अभियानों के प्रमुख ने हैती की यात्रा की थी और यहां अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बलों को तैनात करने की मांग की थी, उनकी यात्रा के बाद गुतारेस की यह यात्रा हुई है।

पाकिस्तान पुलिस ने पंजाब प्रांत में टीटीपी के एक कमांडर को गिरफ्तार किया

लाहौर। पाकिस्तान पुलिस ने रविवार को प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के एक कमांडर को गिरफ्तार किया और पंजाब प्रांत के मुल्तान मे एक आतंकवादी हमले को विफल कर दिया।पंजाब पुलिस के आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) ने कहा कि उन्हे एक गुप्त सूचना मिली थी कि टीटीपी का एक शीर्ष कमांडर मुल्तान मे मौजूद है, जिसके बाद सीटीडी, पुलिस और एक खुफिया एजेंसी ने संयुक्त अभियान शुरू किया।सीटीडी ने कहा, अभियान के दौरान टीम ने मुल्तान मे आतंकवादी के ठिकाने को घेर लिया और उसे गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान कमाल के रूप मे की गई है और पूछताछ के लिए उसे अज्ञात स्थान पर ले जाया गया है। इसने कहा कि कमाल दक्षिण पंजाब मे टीटीपी का एक महत्वपूर्ण कमांडर था और वह मुल्तान मे सुरक्षाकर्मियो को निशाना बनाना चाहता था। गिरफ्तार व्यक्ति के पास से विस्फोटक, हथियार और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानो के नक्शे भी बरामद किए गए हैं।इससे पहले पंजाब प्रांत के विभिन्न जिलो से इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) और टीटीपी से जुड़े नौ आतंकवादियो को गिरफ्तार किया गया था।

सिंगापुर : हिंदी भाषी समुदाय ने स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती मनाई

सिंगापुर। सिंगापुर के लगभग 100,000 हिंदी भाषी समुदाय के लोगों ने रविवार को यहां स्थित आर्य समाज के 96 साल पुराने परिसर मे एक नई विरासत और भित्ति चित्र गैलरी की स्थापना करते हुए स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वी जयंती मनाई। आर्य समाज परिसर की दीवारों पर चीनी मूल के सिंगापुर के भित्ति चित्र कलाकार द्वारा हिंदी भाषी समुदाय के लिए बनाई गई कलाकृति का स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वी जयंती के अवसर पर उद्घाटन किया गया। औपनिवेशिक काल के दौरान सिपाहियो के रूप मे उत्तर प्रदेश और बिहार से आए शुरुआती प्रवासियो को चित्रित करती यह 36एम र 8एम का भित्ति चित्र सिंगापुर के लिटिल इंडिया परिसर मे बनी सबसे बड़ी कलाकृति है। भित्ति कलाकार यिप यू चोंग ने पीटीआई-भाषा से कहा,मेरा लक्ष्य अपनी कला के माध्यम से कहानियां बताना है। मेरे जीवन, लोगों और जगहों की कहानियां। एक सामुदायिक नेता और अनुभवी वकील सतपाल खट्टर ने विरासत गैलरी का उद्घाटन किया, जो 1927 मे सिंगापुर मे स्थापित स्वामी दयानंद सरस्वती और आर्य समाज की कहानी का दस्तावेजीकरण करती है।

लंदन में भारतीय मूल की छात्रा की हत्या के आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया

लंदन। भारतीय मूल की छात्रा सबिता थानवानी (19) की पिछले साल मार्च मे उत्तरी लंदन के क्लर्कनवेल इलाके मे हुई हत्या के बाद इस मामले मे आरोपित किए गए उसके पुरुष मित्र ने अपना अपराध अदालत मे स्वीकार कर लिया है। ट्यूनीशियाई नागरिक एवं आरोपी मैहर मारौफे (23) ने शुक्रवार को यहां ओल्ड बेली कोर्ट मे सुनवाई के दौरान अपना अपराध स्वीकार किया। उसे सितंबर मे सजा सुनाई जाएगी। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया गया कि पिछले साल 19 मार्च को थानवानी का शव छात्रावास के उसके कमरे मे चादर से ढंका हुआ पाया गया था। उसका गला रेता हुआ था। अदालत की रिपोर्ट के अनुसार, अभियोजन पक्ष ने बताया कि दोनों के बीच प्रेम संबंध थे।

पाकिस्तान पुलिस ने पंजाब प्रांत में टीटीपी के एक कमांडर को गिरफ्तार किया

लाहौर। पाकिस्तान पुलिस ने रविवार को प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के एक कमांडर को गिरफ्तार किया और पंजाब प्रांत के मुल्तान मे एक आतंकवादी हमले को विफल कर दिया। पंजाब पुलिस के आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) ने कहा कि उन्हे एक गुप्त सूचना मिली थी कि टीटीपी का एक शीर्ष कमांडर मुल्तान मे मौजूद है, जिसके बाद सीटीडी, पुलिस और एक खुफिया एजेंसी ने संयुक्त अभियान शुरू किया।सीटीडी ने कहा, अभियान के दौरान टीम ने मुल्तान मे आतंकवादी के ठिकाने को घेर लिया और उसे गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान कमाल के रूप मे की गई है और पूछताछ के लिए उसे अज्ञात स्थान पर ले जाया गया है।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Satinder Kumar S/o Sudhir Kumar R/o House No.311, Gali No F-1, Tigri, Delhi-110062 have changed my name from Satinder Kumar to Satinder Gupta for all future purposes.

PD(085)A

ट्वीट पढ़ने की सीमा तय किए जाने के बाद उपयोगकर्ताओं ने ट्विटर का उपयोग नही कर पाने की शिकायतें की

भाषा। सैन फ्रांसिस्को

ट्विटर के मालिक एलन मस्क द्वारा इसके असत्यापित खाते वाले उपयोगकर्ताओं पर एक दिन में 600 ट्वीट ही देखने की सीमा तय किए जाने के बाद इस सोशल मीडिया मंच का उपयोग कर पाने में दिक्कत होने की लोगों ने शनिवार को शिकायत की। मस्क ने अपने इस कदम को माइक्रो ब्लॉगिंग साइट से संभावित रूप से कीमती डेटा चोरी करने से रोकने की कवायद बताया। इससे एक दिन पहले, ट्विटर ने ट्वीट पढ़ने और प्रोफाइल देखने के लिए माइक्रो ब्लॉगिंग साइट पर लॉगइन करने की अनिवार्यता लागू कर दी थी। इन पाबंदियों के कारण उपयोगकर्ता अपने हिस्से के ट्वीट पढ़ने के बाद उस दिन के लिए ट्विटर खाते से बाहर (लॉग आउट) किए जा सकते हैं। शनिवार सुबह से ही इस कदम का असर दिखना शुरू हो गया, जिससे एक वक्त में 7,500 से अधिक लोगों ने सोशल मीडिया सेवा के उपयोग करने में परेशानी होने को लेकर शिकायत की। इसे लेकर दुनिया के कई हिस्सों में ट्विटरडाउन हैशटैग ट्रेंड करता रहा। मस्क ने शुक्रवार को ट्वीट करके नई पाबंदियों को अस्थाई कदम बताया। उन्होंने कहा, हमारे डेटा को चुराया जा रहा था जिससे सामान्य उपयोगकर्ताओं के लिए सेवा की गुणवत्ता में कमी आ रही थी। उन्होंने कहा कि चैटजीपीटी जैसे लोकप्रिय कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) प्रणालियों के लिए ट्विटर के डेटा का दुरुपयोग किया जा रहा है। ए एआई प्रणालियां पाठ सामग्री, तस्वीरें, वीडियो और अन्य सामग्री एकत्रित करने के लिए कई ऑनलाइन सूचनाएं खंगालती हैं। उन्होंने शनिवार को एक ट्वीट में यह ऐलान किया कि असत्यापित खाते के उपयोगकर्ता अस्थाई रूप से हर दिन 600 पोस्ट ही पढ़ पाएंगे, जबकि सत्यापित खाते के उपयोगकर्ता हर दिन 6,000 पोस्ट देख सकेंगे। इसे लेकर आलोचनाओं का सामना करने के बाद मस्क ने ट्वीट किया कि इस सीमा को असत्यापित खातों के लिए 800 पोस्ट और सत्यापित खातों के लिए 8,000 पोस्ट तक बढ़ाया जाएगा तथा बाद में इसे बढ़ाकर क्रमश: ।,000 और 10,000 ट्वीट किया जाएगा। ट्विटर के दुनियाभर में 20 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता हैं। गौरतलब है कि मस्क ने इस साल की शुरुआत में ट्विटर का राजस्व बढ़ाने के लिए सत्यापित खातों पर आठ अमेरिकी डॉलर प्रति महीने का शुल्क लगाया था (

अमेरिका में गोलीबारी की घटना में दो लोगों की मौत, 28 अन्य घायल

भाषा। बाल्टीमोर (अमेरिका)

अमेरिका के बाल्टीमोर शहर में एक कार्यक्रम में जुटे लोगों पर की गई अंधाधुंध गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए। घायलों में सेतीन की हालत नाजुक बताई जा रह है। बाल्टीमोर पुलिस विभाग के कार्यवाहक आयुक्त रिचर्ड वर्ली ने मौके पर संवाददाताओं को बताया कि गोलीबारी में कुल 30 लोग हताहत हुए हैं। वर्ली के मुताबिक, गोलीबारी शहर के दक्षिणी हिस्से में स्थित ब्रुकलिन होम्स इलाके में एक कार्यक्रम के दौरान शनिवार रात साढ़े 12 बजे के बाद हुई। उन्होंने बताया कि नौ घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया, जबकि 20 घायल खुद ही अस्पताल पहुंच गए। पुलिस के अनुसार, 18 वर्षीय एक महिला घटनास्थल पर मृत पाई गई और इसके कुछ ही देर बाद 20 वर्षीय एक युवक को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। घटनास्थल पर मेयर ब्रैंडन स्कॉट ने कहा, मैं चाहता हूं कि जो लोग जिम्मेदार हैं, वे मेरी बात पर गौर करें और मुझे बहुत स्पष्ट रूप से सुनें। हम तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक हम आपको ढूंढ नहीं लेते। गोलीबारी के बाद किसी को तत्काल गिरफ्तार नहीं किया जा सका है।

अमेरिका में स्थानीय रूप से प्रसारित मलेरिया गर्म जलवायु में बीमारी के बढ़ते खतरे का सूचक

फ्लोरिडा। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने 26 जून 2023 को स्थानीय रूप से प्रसारित मलेरिया के पांच मामलों की पहचान की जो मई 2023 से लेकर इस अवधि तक सामने आए। इनमें चार मामले फ्लोरिडा के और एक मामला टेक्सास का है। वर्ष 2003 के बाद से अमेरिका में मच्छरों से फैलने वाली मलेरिया की बीमारी के स्थानीय प्रसार के ए पहले मामले हैं। द कन्वरसेशन ने इन मामलों के महत्व और वे अब क्यों सामने आ रहे हैं, इस बारे में फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के वैश्विक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. राजीव चौधरी से बातचीत की। मलेरिया क्या है और ए लोग कैसे संक्रमित हुए? मलेरिया एक गंभीर और कभी-कभी जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाली बीमारी है, जो एनोफिलीज प्रजाति की मादा मच्छर के काटने से होती है जो मलेरिया फैलाने वाले जीवों के संवाहक होते हैं। सबसे आम लक्षण बुखार, ठंड लगना, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और थकान हैं। ए लक्षण आमतौर पर लोगों में परजीवी से संक्रमित होने के 10 से 15 दिन बाद दिखाई देते हैं। हालांकि, यदि उपचार न किया जाए, तो अधिक गंभीर लक्षण सामने आ सकते हैं जिनमें बेहोशी, सांस लेने में कठिनाई, शरीर में ऐंठन, असामान्य रक्तस्राव और बहुत कुछ, जो अंततः मृत्यु का कारण बन सकते हैं। फ्लोरिडा और टेक्सास में पांच मामले प्लास्मोडियम विवैक्स परजीवी के कारण हुए, जो अफ्रीकी महाद्वीप के बाहर मलेरिया पैदा करने वाला सबसे आम परजीवी स्वरूप है। माना जाता है कि ए सभी मरीज स्थानीय रूप से संक्रमित हुए जिसका अभिप्राय है कि वे देश से बाहर नहीं गए थे। इसके अलावा, ए भी संकेत नहीं है कि ए संक्रमित दोनों राज्यों से जुड़े हैं। प्लाज़्मोडियम विवैक्स विश्व स्तर पर सभी प्लाज़्मोडियम उप प्रकारों में सबसे व्यापक और गंभीर है। यह अकसर घातक संक्रमण का कारण बनता है। बताया जा रहा है कि सभी पांच मरीज ठीक हो गए हैं, और अन्य संभावित मामलों की निगरानी जारी है। लोग मलेरिया प्रसार को रोकने में कैसे मदद कर सकते हैं? सीडीसी और फ्लोरिडा स्वास्थ्य विभाग लोगों से जीवाणु रोधक स्प्रे का उपयोग करके, मच्छरों के जमावड़े वाले क्षेत्रों से बचने और खुली त्वचा को ढककर खुद को बचाने का आग्रह कर रहे हैं। सावधानियों में वह भी शामिल है जिसे नाली और ढक्कन के रूप में जाना जाता है। दूसरे शब्दों में, मच्छरों को बढ़ने से रोकने के लिए जमे पानी को निकालना और मच्छरों को दरवाजे और खिड़कियों से प्रवेश करने से रोकने के लिए जाली का उपयोग करना। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक उन बर्तनों से पानी निकालना महत्वपूर्ण है जिनमें वर्षा का पानी एकत्र हो सकता है जैसे गमले, पुराने टायर और बाल्टियां।

अब ये मामले क्यों सामने आ रहे हैं?

स्थानीय स्तर पर मलेरिया के मामलो के सामने आने के कई कारण हो सकते हैं। एक तो, जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम की परिपाटी मे आ रहा बदलाव है, जिसकी वजह से मलेरिया की स्थिति और खराब हो सकती है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण औसत तापमान में वृद्धि से उन क्षेत्रो मे मच्छरो के प्रवास मे वृद्धि हो सकती है जो पहले एनोफिलिस मच्छरो के प्रतिकूल थे। उच्च तापमान मलेरिया के लिए जिम्मेदार परजीवियों की वृद्धि दर और संचरण क्षमता को भी बढ़ा सकते है। इनमें विवैक्स, नोलेसी और फाल्सीपेरम जैसे प्लास्मोडियम परजीवी के विभिन्न प्रकार शामिल है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से कई स्थानो पर अधिक वर्षा और समुद्र के स्तर मे वृद्धि हो सकती है जिनकी वजह से विस्तृत क्षेत्रों मे या खुले स्थान पर पानी जमा होने की स्थिति उत्पन्न हो सकती है जो आम तौर पर मच्छरों के प्रभावी प्रजनन स्थल के रूप मे काम करते है। स्थानीय परिस्थितियों मे इन परिवर्तनो को देखते हुए, उन आबादी मे अधिक मामले सामने आ सकते हैं जो पहले मलेरिया के प्रति प्रतिरक्षात्मक रूप से अनुभवहीनै थी। दूसरे शब्दों में, चूंकि ए लोग कभी भी इसके संपर्क मे नही आए है।

विरोध प्रदर्शनों पर कार्रवाई करने के लिए ब्रिटिश पुलिस को मिले नए अधिकार

लंदन। ब्रिटिश पुलिस को विरोध प्रदर्शनों को नियंत्रित करने के लिए कुछ और अधिकार दिए गए हैं। पुलिस इन अधिकारों का इस्तेमाल रविवार से कर सकेगी।अधिकारियों ने जस्ट स्टॉप ऑयल और एक्सटिंक्शन रिबेलियन सहित पर्यावरण समूहों की निंदा की है, जिन्होंने व्यस्त राजमार्गों और सड़कों पर कई विरोध प्रदर्शन कर जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कदम उठाए जाने की मांग की है। हाल के वर्षों में उनके विरोध प्रदर्शनों के कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा है।पुलिस के पास विरोध प्रदर्शनों पर काबू पाने के लिए रविवार से कई शक्तियां होंगी। आलोचकों ने हालांकि, दलील दी है कि कड़े कानून विरोध दर्ज कराने के अधिकार के लिए खतरा हैं, लेकिन ब्रिटेन के अधिकारियों का कहना है कि ए उपाय लोगों की परेशानी को दूर करने के लिए जरूरी हैं। इस बीच, गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने कहा, स्वार्थी प्रदर्शनकारियों द्वारा जनता का जीवन काफी हद तक प्रभावित किया जा चुका है। हमने अपनी सड़कों पर जो उत्पात देखा है। अधिकारियों का कहना है कि नए सार्वजनिक व्यवस्था अधिनियम के तहत, प्रदर्शनकारियों को सुरंग बनाने - या नए बुनियादी ढांचे के निर्माण में बाधा डालने के लिए भूमिगत सुरंग खोदने का दोषी पाया गया तो तीन साल की जेल हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस कानून के तहत किसी भी प्रमुख परिवहन परियोजना में बाधा डालने का दोषी पाए जाने पर छह महीने तक की जेल हो सकती है। गौरतलब है कि ब्रिटेन में पिछले साल प्रमुख सड़कों और पुलों को अवरुद्ध करने के आरोप में सैकड़ों प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया था।

पशु-पक्षियों की मदद करते समय बरतें सावधानी

भाषा। यूनिवर्सिटी पार्क (अमेरिका)

आपकी वजह से खत्म हो सकती है उनकी आजादी

प्रकृति प्रेमियों के लिए सैर-सपाटे के लिहाज से गर्मी का मौसम बेहद आकर्षक होता है। इस दौरान पशु-पक्षी एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर जाते हैं: कछुएं अंडे दे रहे होते हैं, छोटे-छोटे पंछी उड़ना सीखते हैं, सांप अपना शिकार ढूंढते हैं और युवा स्तनधारी उभर रहे होते हैं। मध्य पेन्सिलवेनिया में, जहां मैं रहता हूं, वहां पिछले साल अंडों से निकले चितकबरे कछुए अपने घोंसलों में शीत ऋतु बिता चुके हैं। थोड़े दिन बाद ए रैकून तथा कौवों के मुंह का निवाला बन जाते हैं। मैंने किलडियर नामक चिड़िया को बचाया है, जिसने पार्किंग क्षेत्र में घोंसला बना रखा था। यह सड़क पर चली गई थी और नाली के एक जाल में फंस गई थी।

मैं किलडियर को सुरक्षित स्थान पर ले गया, क्योंकि यह उस जगह फंस गई थी, जिसे हम पारिस्थितिकी जाल कह सकते हैं। मनुष्य पशु-पक्षियों के लिए मुफीद ठिकानों को तहस-नहस करके ऐसे जाल बनाते हैं। पार्किंग क्षेत्र और छतों में किलडियर के लिए वो सारी सुविधाएं होती हैं, जिनका ख्याल वे घोंसले बनाते हुए रखती हैं। हालांकि वे नालियों से दूर रहती हैं। इन दिनों उनके प्राकृतिक ठिकाने सिकुड़ते जा रहे हैं। मैंने ईस्टर्न चिपमंक प्रजाति की गिलहरी को तौही नामक चिड़ियों के चूजों का शिकार करते हुए देखा है, लेकिन मैंने इसमें दखल नहीं दिया। खुले में घोंसला बनाने का बच्चों के माता-पिता का फैसला एक बुरा निर्णय हो सकता है या हो सकता है कि बच्चों की आवाज ने शिकारी का ध्यान उनकी ओर आकर्षित किया हो। गिलहरी के हाथों चिड़िया के चूजों का शिकार होने का इनमें से कोई भी कारण हो सकता है। अगर मैंने हस्तक्षेप किया होता, तो शायद नतीजे कुछ और होते। एक वन्यजीव जीवविज्ञानी के रूप में, मैं जानता हूं कि पशु-पक्षियों को स्थानांतरित करना वैज्ञानिक दृष्टिकोण से गलत हो सकता है। यह उस प्राणी को भी नुकसान पहुंचा सकता है जिसकी आप मदद करना चाहते हैं। एक वैज्ञानिक और विश्वविद्यालय के शिक्षक के रूप में अपने अनुभव के आधार पर, मैंने जानवरों के मामलों में हस्तक्षेप करने को लेकर नियम-कायदे तय कर रखे हैं। अगर मैं हस्तक्षेप करता भी हूं तो बहुत ध्यानपूर्वक विचार-विमर्श करके। इनमें पशु की स्थिति के संभावित कारणों, प्रजातियों की आबादी की स्थिति और मेरे कुछ करने से होने वाले संभावित नुकसान पर विचार-विमर्श करना शामिल है। पशु-पक्षियों के मामलों में मेरे ध्यानपूर्वक हस्तक्षेप करने के पीछे कुछ कारण हैं। जंगली पशु-पक्षियों का विशिष्ट आवास के साथ आनुवंशिक संबंध होता है जो कई पीढ़ियों में विकसित हुआ होता है। उन्हें स्थानांतरित करने से वह संबंध प्रभावित हो सकता हैं। पशु-पक्षी जब एक स्थान से दूसरे स्थान पर चले जाते हैं तो वे प्रजनन के माध्यम से अपनी संतान और जीन स्थानीय पशु-पक्षियों की आबादी के बीच नहीं छोड़ पाते। यह धीमी जनसंख्या वृद्धि वाली प्रजातियों के लिए विनाशकारी साबित हो सकता है, जैसे कई सरीसृप, जिन्हें परिपक्व होने में कई साल लग सकते हैं और वे अपने जीवनकाल में केवल कुछ ही बच्चे पैदा कर पाते हैं। इस तरह की प्रजातियों में जनसंख्या का आकार ऊंचा रखने के लिए परिपक्व मादाएं महत्वपूर्ण हैं। जब आबादी छोटी होती है, तो वे आनुवंशिक विविधता खो देते हैं। वन्यजीवों को स्थानांतरित करने से कहीं और नए जीन भी आ सकते हैं, जिससे समय के साथ आनुवंशिक बदलाव हो सकते हैं जो प्राकृतिक चयन के माध्यम से विकसित नहीं हुए हैं। जो पशु-पक्षी किसी स्थान पर बिना किसी परेशानी के रहते हैं, वे अधिक संतानें पैदा करते हैं, और इससे वंशानुगत आनुवंशिक विविधता अधिक सामान्य हो जाती है तथा स्थानीय पर्यावरण से जुड़ जाती है। सुरक्षित रहने के लिए यह जरूरी होता है। एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने वाले पशु-पक्षी नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। दूसरी जगह से आए पशु-पक्षी उस स्थान पर जीवित नहीं रह पाते, जहां पहले से अन्य प्राणियों का दबदबा हो। इसके अलावा भी कई और कारण है। जिनको ध्यान में रखते हुए हमें पशु-पक्षियों का ठिकाना बदलने से पहले काफी विचार-विमर्श करना चाहिए। यदि आप प्रकृति प्रेमी हैं या फिर कुदरत को गहराई से समझते हैं, तो पशु-पक्षियों के मामले में हस्तक्षेप करने से पहले इन बातों को ध्यान में रख सकते हैं। ऐसा करने से न सिर्फ आप इनकी अच्छी तरह से मदद कर पाएंगे बल्कि इनके सामने आने वाली पारिस्थितिकीय समस्याओं का भी आसानी से हल निकाल सकेंगे।

पांच राज्यों में नहीं पा रहे एकतिहाई छात्र मध्याह्न भोजन

● केंद्र सरकार ने दायरे से बाहर करने की कड़ी आपत्ति, व्यवस्था तैयार करने को कहा

भाषा। नई दिल्ली

देश के पांच राज्यों बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश और झारखंड के स्कूलों में नामांकित कुल बच्चों में से औसतन लगभग एक तिहाई छात्रों के वर्ष 2022-23 की तीन तिमाही के दौरान मध्याह्न भोजन योजना के दायरे से बाहर रहने पर कड़ा संज्ञान लेते हुए केंद्र सरकार ने इन राज्यों से कवरेज बढ़ाने के लिए व्यवस्था तैयार करने को कहा है। साथ ही शिक्षा मंत्रालय ने कुछ राज्यों से योजना के आंकड़ों की प्रमाणिकता की जांच करने और विसंगतियां दूर करने के लिए सुधारात्मक कदम उठाने को कहा है। वर्ष 2023-24 के लिए शिक्षा मंत्रालय के अधीन पीएम पोषण योजना की वार्षिक कार्य योजना एवं बजट पर, कार्यक्रम मंजूरी बोर्ड (पीएबी) की बैठक के कार्यवृत (मिनट्स) से यह जानकारी मिली है। यह बैठक मार्च से मई महीने के बीच हुई थी। कार्यवृत में अप्रैल से दिसंबर 2022 तक राज्यों में मध्याह्न भोजन के प्रदर्शन की समीक्षा का लेखाजोखा प्रस्तुत करते हुए कहा गया है कि स्कूलों में दाखिले की तुलना में मध्याह्न भोजन प्राप्त करने वाले छात्रों का औसत प्रतिशत इन पांच राज्यों में भी सबसे ज्यादा खराब बिहार (57 प्रतिशत) और उत्तर प्रदेश (57.37 प्रतिशत) है जबकि दिल्ली(60 प्रतिशत), मध्यप्रदेश (68.81 प्रतिशत), झारखंड (69 प्रतिशत) की स्थिति थोड़ी बेहतर है। इसके अलावा, दाखिले की तुलना में मध्याह्न भोजन प्राप्त करने वाले छात्रों का औसत तेलंगाना में 79 प्रतिशत, असम में 82 प्रतिशत, उत्तराखंड में 83 प्रतिशत, त्रिपुरा में 86 प्रतिशत, पंजाब और मणिपुर में 87 प्रतिशत, तमिलनाडु में 88 प्रतिशत, मेघालय में 89 प्रतिशत दर्ज किया गया। कार्यक्रम मंजूरी बोर्ड (पीएबी) ने इन राज्यों में दाखिले की तुलना में कम संख्या में छात्रों के मध्याह्न भोजन मिलने पर संज्ञान लेते हुए इन राज्यों से ऐसी कोई व्यवस्था तैयार करने को कहा जिससे अधिक संख्या में नामांकित छात्रों को इस कार्यक्रम के दायरे में लाया जा सके। वहीं, मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने को लेकर पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, केरल, मध्यप्रदेश सरकार के आंकड़ों पर केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने सवाल भी उठाया है। मंत्रालय ने इन राज्यों से आंकड़ों की प्रमाणिकता की जांच करने और विसंगतियां दूर करने के लिए सुधारात्मक कदम उठाने को कहा है।कर्नाटक में दाखिले की तुलना में मध्याह्न भोजन प्राप्त करने वाले छात्रों का औसत प्रतिशत प्राथमिक कक्षा के स्तर पर 95 प्रतिशत और उच्च प्राथमिक स्तर पर भी 95 प्रतिशत दर्ज किया गया। इस पर, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव ने कहा कि कर्नाटक के सभी जिलों में 95 प्रतिशत का कवरेज असंगत एवं त्रुटिपूर्ण लग रहा है। उन्होंने राज्य सरकार से इन विसंगतियों पर ध्यान देने और उपयुक्त उपचारात्मक कदम उठाने का सुझाव दिया है।दस्तावेज के अनुसार, मध्यप्रदेश में दाखिले की तुलना में मध्याह्न भोजन प्राप्त करने वाले छात्रों का औसत प्रतिशत प्राथमिक कक्षा के स्तर पर 68.78 प्रतिशत और उच्च प्राथमिक कक्षा के स्तर पर 68.86 प्रतिशत दर्ज किया गया। राज्य में नामांकन की तुलना में औसतन कुल 68.81 प्रतिशत छात्रों ने मध्याह्न भोजन प्राप्त किया।स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव ने कहा कि राज्य में अनेक जिलों में एक समान कवरेज 65 प्रतिशत सामने आना कृत्रिम और असंगत लग रहा है। उन्होंने राज्य सरकार को इन विसंगतियों पर ध्यान देने और उपयुक्त उपचारात्मक कदम उठाने का सुझाव दिया है। इसी प्रकार, केरल में पीएबी ने पाया कि राज्य सरकार ने दाखिला लेने वाले पंजीकृत छात्रों में से प्राथमिक कक्षा के स्तर पर 99 प्रतिशत के मध्याह्न भोजन मिलने और उच्च प्राथमिक स्तर पर 95 प्रतिशत छात्रों के कवरेज की बात कही है जो काफी अधिक है।

ग्रीष्मावकाश के बाद सुप्रीम कोर्ट आज खुलेगा

● कई अहम याचिकाओं पर होगी सुनवाई

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय 42 दिनों के ग्रीष्मावकाश के बाद सोमवार को फिर से खुलने वाला है और यह मणिपुर में हिंसा से जुड़ी याचिकाओं के समूह तथा उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में मारे गए गैंगस्टर अतीक अहमद और अशरफ क बहन की एक याचिका सहित कई महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई करेगा। अहमद और अशरफ की बहन की याचिका में दोनों की पुलिस हिरासत में मौत की जांच के लिए एक आयोग गठित करने का अनुरोध किया गया है। सूत्रों के अनुसार, ग्रीष्मावकाश में कई अवकाशकालीन पीठ ने 2,000 से अधिक मामलों की सुनवाई की और 700 से अधिक मामलों का निस्तारण किया। इनमें सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड की जमानत याचिका भी शामिल है। शीर्ष न्यायालय ने शनिवार देर रात सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड को गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा प्रदान करते हुए गुजरात उच्च न्यायालय के एक आदेश पर एक सप्ताह के लिए रोक लगा दी। उक्त आदेश में नियमित जमानत के लिए उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी और 2002 में गोधरा बाद के बाद हुए (गुजरात) दंगों के मामले में निर्दोष लोगों को फंसाने के लिए साक्ष्य गढ़ने के आरोप में उन्हें तुरंत आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया था। देर रात हुई विशेष सुनवाई में न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति ए.एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ अपील करने के लिए सीतलवाड को समय नहीं देने पर सवाल उठाया और कहा कि एक सामान्य अपराधी भी कुछ अंतरिम राहत का हकदार होता है। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान, तीन वरिष्ठ न्यायाधीशों-न्यायमूर्ति के.एम. जोसेफ, न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रमण्यन-की सेवानिवृत्ति के बाद उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या घटकर 31 रह गई। उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 है। न्यायमूर्ति जोसेफ और रस्तोगी की सेवानिवृत्ति के साथ प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले पांच सदस्यीय (उच्चतम न्यायालय) कॉलेजियम की संरचना बदल गई है और दो वरिष्ठ न्यायाधीशों-न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत-को इसमें शामिल किया गया है। एक अन्य वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी आठ जुलाई को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ मणिपुर हिंसा से संबंधित याचिकाओं के एक समूह पर सोमवार को सुनवाई करेगी। शीर्ष न्यायालय उस जनहित याचिका पर भी सुनवाई करेगा, जिसमें घरेलू हिंसा पीड़ित विवाहित पुरुषों द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामलों से निपटने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने और उनके हितों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय पुरुष आयोग के गठन संबंधी निर्देश का अनुरोध किया गया है।

क्विक न्यूज

झारखंड के दिवंगत शिक्षामंत्री की पत्नी आज मंत्री पद की शपथ लेंगी

रांची। झारखंड के दिवंगत शिक्षामंत्री जगरनाथ महतो की पत्नी बेबी देवी महतो सोमवार को दोपहर साढ़े बारह बजे हेमंत सोरेन की अगुवाई वाली संप्रग सरकार के मंत्री के तौर पर शपथ लेंगी। सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के एक नेता ने इसकी जानकारी दी। जगरनाथ महतो के निधन के बाद से हेमंत सोरेन सरकार की कैबिनेट में मंत्री का एक पद रिक्त है। महतो के पास स्कूल शिक्षा के अलावा साक्षरता एवं आबकारी विभाग था। झामुमो नेता ने बताया कि बेबी देवी बाद के प्रदेश के डुमरी विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव पार्टी के टिकट पर लड़ने की संभावना हैं। इस बीच, राजभवन के एक प्रवक्ता ने बताया कि बेबी देवी के शपथ ग्रहण का कार्यक्रम सोमवार को साढ़े बारह बजे होने की उम्मीद है। इससे पूर्व झारखंड मुक्ति मोर्चा के मुख्य प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने बताया कि दिवंगत शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के स्थान पर उनकी पत्नी बेबी महतो को राज्य मंत्रिमंडल में शामिल करने का फैसला किया गया है और वह कल पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगी। उन्होंने बताया कि इस शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ उनके मंत्रिमंडल सहयोगी तथा पार्टी नेता राजभवन में उपस्थित रहेंगे। राज्य के शिक्षा मंत्री रहे जगरनाथ महतो डुमरी विधानसभा क्षेत्र से लगातार झामुमो के चार बार विधायक रहे। जगरनाथ महतो की छह अप्रैल 2023 को असामयिक मृत्यु के बाद डुमरी विधानसभा सीट रिक्त हो गई थी। इस विधानसभा क्षेत्र में छह अक्तूबर से पहले उपचुनाव होना है जहां से ऐसा समझा जाता है कि बेबी देवी झामुमो उम्मीदवार के तौर पर चुनाव मैदान में उतरेंगी। बेबी ने यहां मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि वह अपने पति जगरनाथ महतो के अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए दिन रात काम करेंगी। झारखंड में 81 सदस्यीय विधानसभा है, जहां मंत्रिमंडल में अधिकतम 12 मंत्री हो सकते हैं, हेमंत सरकार के मंत्रिमंडल में फिलहाल मुख्यमंत्री समेत दस मंत्री हैं। ऐसा माना जा रहा है कि झामुमो चुनाव जीतने के पहले ही बेबी को मंत्री बना कर डुमरी उपचुनाव में उनकी जीत सुनिश्चित करना चाहती है। झामुमो ने यही फार्मूला हफीजुल अंसारी के लिए अपनाया था जिन्हें मधुपुर उपचुनाव से पूर्व ही राज्य मंत्रिमंडल में जगह दे दी गई थी।

कोच्चि को केरल की राजधानी बनाने के कांग्रेस सांसद के प्रस्ताव को पार्टी समेत हर किसी ने किया खारिज

तिरुवनंतपुरम-कोच्चि। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम की जगह कोच्चि को बनाए जाने के कांग्रेस सांसद हिबी ईडन के कदम की उनकी खुद की पार्टी सहित अन्य राजनीतिक दलों ने व्यापक आलोचना की है। कांग्रेस ने उनके इस कदम को आतार्किक और अव्यावहारिक बताते हुए इसे खारिज कर दिया। केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने यह स्पष्ट कर दिया है कि तिरुवनंतपुरम हमेशा राजधानी शहर बना रहेगा। माकपा ने ईडन के इस कदम को अपरि पक्क और 2024 के लोकसभा चुनाव में अपनी (ईडन की) संभावनाएं बेहतर करने के उद्देश्य से उठाया गया बताया। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि वह ईडन के प्रस्ताव को पूरी तरह खारिज करते हैं क्योंकि यह अतार्किक है। थरूर ने कहा, हिबी ईडन को विधेयक पेश करने का अधिकार है, लेकिन यह एक अतार्किक फैसला है। मैं इसे पूरी तरह से खारिज करता हूं। नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीशन ने कहा कि ईडन उनके लिए छोटे भाई की तरह हैं, लेकिन जैसे ही उन्हें प्रस्ताव के बारे में पता चला तो उन्होंने तुरंत एर्नाकुलम के सांसद के समक्ष अपना असंतोष व्यक्त किया। सतीशन ने संवाददाताओं से कहा कि ईडन को लोकसभा में विधेयक पर जोर नहीं देने और इसे वापस लेने के लिए कहा गया है। सतीशन ने कहा कि यह एक गैर सरकारी (निजी) विधेयक है, जो पार्टी के रुख को व्यक्त नहीं करता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस प्रस्ताव की स्वीकृति नहीं देती। माकपा नेता और राज्य में मंत्री पी राजीव और वी सिवानकुट्टी ने भी ईडन के कदम की आलोचना की। हालांकि, ईडन ने अपनी आलोचना पर कोई प्रतिक्रिया नहीं व्यक्त की है। इस बीच, तिरुवनंतपुरम में भाजपा की युवा शाखा युवा मोर्चा ने ईडन के फैसले के खिलाफ राज्य सचिवालय तक मार्च किया और उनका पुतला फूंका।

केसीआर का रिमोट कंट्रोल मोदी के पासः राहुल गांधी

भाषा। खम्मम (तेलंगाना)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव पर तीखा हमला करते हुए रविवार को कहा कि उनका रिमोट कंट्रोल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास है। कांग्रेस नेता ने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को भाजपा की बी-टीम बताते हुए इसका नया नामकरण बीजेपी रिश्तेदार पार्टी किया। गांधी ने आरोप लगाया कि राव और उनकी पार्टी के नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों ने उन्हें (बीआरएस) भाजपा के सामने झुकने को मजबूर कर दिया है। गांधी ने कहा कि उन्होंने अन्य सभी विपक्षी दलों के नेताओं से कहा है कि कांग्रेस ऐसे किसी भी समूह में शामिल नहीं होगी, जहां बीआरएस होगी। गांधी ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, बीआरएस बीजेपी रिश्तेदार समिति की तरह है। केसीआर (के. चंद्रशेखर राव) सोचते हैं कि वह राजा हैं और तेलंगाना उनकी रियासत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा संसद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ खड़ी रही है, लेकिन राव की पार्टी भाजपा की बी-टीम रही है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव का रिमोट कंट्रोल है। गांधी ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने हाल में कर्नाटक में भ्रष्ट और गरीब विरोधी सरकार के खिलाफ चुनाव लड़ा और हमने राज्य में गरीबों, ओबीसी, अल्पसंख्यकों और वंचितों के समर्थन से उन्हें हराया। उन्होंने कहा, ऐसा ही कुछ तेलंगाना में होने जा रहा है। एक तरफ राज्य के अमीर और शक्तिशाली लोग होंगे और दूसरी तरफ हमारे साथ गरीब, आदिवासी, अल्पसंख्यक, किसान और छोटे दुकानदार होंगे। कर्नाटक में जो हुआ, वही तेलंगाना में भी दोहराया जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि पहले कहा गया था कि तेलंगाना में टीआरएस (तेलंगाना राष्ट्र समिति जो अब बीआरएस है), कांग्रेस और भाजपा के बीच त्रिकोणीय लड़ाई है। उन्होंने कहा, लेकिन भाजपा का तेलंगाना में कोई अस्तित्व ही नहीं है। उसके चारों टायर पंक्चर हो गए हैं। अब यह कांग्रेस और भाजपा की बी-टीम के बीच लड़ाई है। अगले लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करने के हालिया प्रयासों का जिक्र करते हुए, गांधी ने कहा, हमने अन्य विपक्षी नेताओं से कहा कि अगर टीआरएस बैठक में शामिल होती है, तो कांग्रेस इसमें शामिल नहीं होगी, कांग्रेस टीआरएस के साथ मंच साझा नहीं कर सकती है। एक दर्जन से अधिक विपक्षी दलों ने हाल में बिहार के पटना में भाजपा के खिलाफ एकजुट मोर्चा बनाने के लिए बैठक की और जल्द ही बेंगलुरु में फिर से बैठक करेंगे। बीआरएस और कुछ अन्य गैर-भाजपा दल इस समूह का हिस्सा नहीं हैं। गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बब्बर शेर और पार्टी की रीढ़ बताया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा, आपके समर्थन से हम बीआरएस को हरा सकते हैं जैसा हमने कर्नाटक में किया था। उन्होंने कहा, भारत जोड़ो यात्रा के दौरान हमें यहां (तेलंगाना) से भारी समर्थन मिला और मैं इसके लिए आप सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं।

गोद दिए जा सकने वाले बड़े बच्चों के मामलों की समीक्षा करें : ईरानी

भाषा। नई दिल्ली

महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने रविवार को बाल कल्याण समितियों (सीडब्ल्यूसी) से बाल-देखभाल गृहों का दौरा करने और ऐसे बड़े बच्चों के मामलों की समीक्षा करने को कहा, जिन्हें जल्द से जल्द गोद दिया जा सकता है। बाल-देखभाल गृहों में रहने वाले कई ऐसे बच्चे हैं, जिन्हें कानूनी रूप से गोद नहीं लिया जा सकता। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, देश भर में बाल-देखभाल गृहों में लगभग 66,000 बच्चे हैं और उनमें से 3,000 से भी कम बच्चों को कानूनी रूप से गोद लिया जा सकता है। बाल संरक्षण, सुरक्षा और शिशु कल्याण विषय पर एक परिचर्चा को संबोधित करते हुए ईरानी ने सीडब्ल्यूसी से बाल-देखभाल गृहों का दौरा करने और ऐसे बड़े बच्चों के मामलों की समीक्षा करने के लिए कहा, जिन्हें कानूनी रूप से गोद दिया जा सकता है। कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति के सदस्यों और बाल-देखभाल गृहों के अधिकारियों सहित अन्य लोगों ने भाग लिया। ईरानी ने कहा कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने पहले ही दो राज्यों की समीक्षा की है, जहां बड़े बच्चों के 9,000 मामलों पर गौर किया गया तथा 164 ऐसे बच्चों की पहचान की गई, जिन्हें कानूनी रूप से गोद दिया जा सकता है।

नायडू पर निशाना साध रहे मुख्यमंत्री जगन

● तेदेपा का राज्य सरकार के खिलाफ आक्रामक अभियान

भाषा। अमरावती

आंध्र प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मी तेज होने के बीच वाईएसआरसीपी प्रमुख एवं मुख्यमंत्री वाई.एस. जगनमोहन रेड्डी ने तेदेपा अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू और जनसेना के नेता पवन कल्याण पर हमला करते हुए दावा किया कि विपक्ष राज्य की जनता की भलाई के लिए किए जा कार्यों को पचा नहीं पा रहा है। वहीं, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) ने आंध्र प्रदेश सरकार के खिलाफ नलुगेल्ला नरकम (नरकीय चार साल) अभियान शुरू किया है, जिसके तहत सरकार की विफलताओं को उजागर करने का प्रयास किया जाएगा। जगन मोहन रेड्डी ने 28 जून को जगनन्ना अम्मा वोडी योजना के तहत 6,393 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता वितरित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम के दौरान तेदेपा प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू, जनसेना के संस्थापक पवन कल्याण और मीडिया घरानों के एक वर्ग पर निशाना साधते हुए कहा कि ए लोग जनता के लिए किए जा रहे अच्छे काम को पचा नहीं पा रहे हैं। गौरतलब है कि अपने बच्चों को स्कूल भेजने वाली पात्र माताओं को अम्मा वोडी योजना के तहत शैक्षिक खर्चों को पूरा करने के लिए 15,000 रुपए की आर्थिक सहायता मिलेगी। जगन मोहन रेड्डी ने दावा किया कि नायडू ने तीन बार मुख्यमंत्री रहने के बावजूद कोई भी अच्छा काम नहीं किया लेकिन चुनाव से पहले घोषणापत्र लाते हैं और बाद में उसे कूड़ेदान में फेंक देते हैं। कल्याण पर निशाना साधते हुए रेड्डी ने कहा कि वह नायडू की विफलताओं पर सवाल खड़ा नहीं करते, बल्कि अपने विरोधियों को पीटने की धमकी देते हैं। इस बीच, जनसेना के संस्थापक कल्याण ने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले जनता तक पहुंचने के लिए एक राजनीतिक यात्रा शुरू की है। इस यात्रा के लिए विशेष तौर पर तैयार किए गए वाहन वराही का उपयोग विभिन्न गांवों में भाषण देने के लिए किया जा रहा है। इस बीच, मुख्य विपक्षी दल तेदेपा ने 27 जून को आंध्र प्रदेश सरकार के खिलाफ नलुगेल्ला नरकम (नरकीय चार साल) अभियान शुरू किया, जिसके तहत सरकार की विफलताओं को उजागर करने का प्रयास किया जाएगा। अभियान के दौरान जनता को आंकड़ों के जरिए राज्य में कथित तौर पर बिगड़ती कानून-व्यवस्था के बारे में बताया जाएगा। गुंटूर कॉम्प्लेक्स, विजयवाड़ा के सरकारी अस्पतालों और ओंगोल रेलवे स्टेशन जैसी जगहों पर पोस्टर लगाए गए हैं।

भाजपा आलाकमान ने नेता प्रतिपक्ष को चुनने में देरी के बीच एदियुरप्पा को दिल्ली बुलाया

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष को चुनने में देरी के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेतृत्व द्वारा बुलाए जाने के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता बी एस एदियुरप्पा रविवार को नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए। हालांकि, भाजपा के संसदीय बोर्ड के सदस्य ने दिल्ली बुलाए जाने के कारण पर अनभिज्ञता जताई, लेकिन पार्टी सूत्रों ने कहा कि उन्हें नेता प्रतिपक्ष के साथ-साथ पार्टी के प्रदेश प्रमुख के पदों के लिए उम्मीदवारों पर फैसला करने के लिए बुलाया गया है। एदियुरप्पा ने यहां संवाददाताओं से कहा, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने मुझे नई दिल्ली बुलाया है। मुझे नहीं पता कि विषय क्या है। उन्होंने कहा, मैं वहां जाऊंगा, उनसे बात करूंगा और अगर संभव हुआ, तो आज रात तक लौट आऊंगा, क्योंकि परसों बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई गई है। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें नेता प्रतिपक्ष के चुनाव पर चर्चा के लिए नई दिल्ली बुलाया गया है, इसपर एदियुरप्पा ने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। उनसे बात करने पर ही मुझे पता चलेगा कि उनके दिमाग में क्या चल रहा है। मुझे कोई जानकारी नहीं है कि उन्होंने मुझे क्यों बुलाया है। दोनों शीर्ष पदों के लिए लामबंदी के संबंध में एक सवाल पर ऐसे मामलों पर केवल राष्ट्रीय नेता ही फैसला लेंगे। कई लोग कई चीजों की मांग करते हैं...हमारे राष्ट्रीय नेता फैसला करेंगे। चूंकि, उन्होंने (नड्डा) मुझे बुलाया है, मैं वहां जाऊंगा और उनसे बात करूंगा। मंगलवार को होने वाले भाजपा के प्रदर्शन के बारे में एदियुरप्पा ने कहा कि अपने चुनावी वादों को पूरा करने में विफलता के लिए सत्तारूढ़ कांग्रेस के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा।

समृद्धि की ओर अग्रसर हो रही हैं सहकारी समितियां : ओम बिरला

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि एक समय था जब सहकारी समितियां भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और राजनीति के कारण बदहाल थी, लेकिन अब समय बदल गया है और मोदी सरकार के सुधारों के कारण यह क्षेत्र अब समृद्धि की ओर अग्रसर होने के लिए तैयार है। बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से सहकारिता के लिए अलग मंत्रालय बनाने की पहल से तंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही आई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सहकारी समितियां देश में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन के एक नए युग की शुरुआत करेंगी। लोकसभा अध्यक्ष यहां 17वीं भारतीय सहकारी कांग्रेस के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। बिरला ने कहा, सहकारिता एक बहुत बड़ा क्षेत्र है, लेकिन एक दौर ऐसा भी था जब किसी न किसी रूप में इसमें भ्रष्टाचार था, उचित प्रबंधन की कमी थी, व्यवस्था में ठहराव था, राजनीति थी... जो सहकारी समितियो के लिए अच्छा नही था। भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और पारदर्शिता की कमी के कारण लोग सहकारी समितियो पर सवाल उठाने लगे थे।

क्या ईडी दोबारा हसन मुशरिफ के ठिकाने पर छापेमारी करेगी : श्रीनिवास

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बी.वी. ने भाजपा पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे नीत सरकार में शामिल होने के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के विधायक हसन मुशरिफ भ्रष्टाचार के सभी आरोपों से मुक्त हो गए है। राकांपा नेता अजित पवार ने रविवार को एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली, जबकि राकांपा के आठ अन्य विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। श्रीनिवास ने ट्विटर पर मुशरिफ के महाराष्ट्र के मंत्री के रूप में शपथ लेने का एक वीडियो साझा किया और कहा, यह राकांपा विधायक हसन मुशरिफ है। कुछ दिन पहले, ईडी ने मामला दर्ज किया था और उनके घर तथा चीनी मिल पर छापा मारा था। उन्होंने कहा, आज वॉशिंग मशीन में जाने के बाद उनके सारे दाग धुल गए है। क्या उनके ठिकानों पर ईडी फिर से छापेमारी करेगी? ग्यारह जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राज्य में स्थित कुछ चीनी मिलो के संचालन में कथित अनियमितताओ के संबंध में मुशरिफ और अन्य के खिलाफ धन शोधन जांच के तहत कई ठिकानों में तलाशी अभियान चलाया था।

बुलेट ट्रेन परियोजना का कार्य जोरों पर

नवसारी में एक महीने में बने तीन नदी पुल

भाषा। अहमदाबाद

बुलेट ट्रेन परियोजना के नाम से मशहूर मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर) का काम देख रहे अधिकारियों का कहना है कि कार्य तेजी से चल रहा है और उन्होंने गुजरात में एक महीने में तीन नदी पुलों का निर्माण किए जाने की जानकारी दी। हाई स्पीड कोरिडोर का निर्माण कर रहे राष्ट्रीय हाई स्पीड रेल कॉरिडोर (एनएचएसआरसीएल) के अधिकारियों का कहना है कि पिछले छह महीने में 24 पुलों में से चार का निर्माण किया जा चुका है। एनएचएसआरसीएल ने एक विज्ञप्ति में कहा कि इन चार में से तीन पुलों का निर्माण एक महीने में नवसारी जिले में किया गया है, जो कि हाई स्पीड रूट पर बिलिमोरा और सूरत स्टेशन के बीच स्थित है। बता दें कि इस कॉरिडोर पर 24 नदी पुल हैं, जिसमें से 20 गुजरात और बाकी बचे हुए 4 पुल महाराष्ट्र में हैं। भारतीय रेलवे की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनएचएसआरसीएल का कहना है कि पहला पुल पूर्णा नदी पर, दूसरा मिन्धोला नदी पर और तीसरा पुल अंबिका नदी पर बनाया गया है। एमएएचएसआर कॉरिडोर ने काफी प्रगति की है क्योंकि पिछले एक महीने में तीन नदी पुल बनकर तैयार हो चुके हैं। गुजरात में सबसे लंबा नदी पुल 1.2 किलोमीटर का है और इसे नर्मदा नदी पर बनाया जा रहा है। वहीं इस गलियारे का सबसे लंबा नदी पुल महाराष्ट्र में 2.28 किलोमीटर का है, जिसे वैतरणा नदी पर बनाया जा रहा है। एनएचएसआरसीएल के प्रबंध निदेशक राजेंद्र प्रसाद का कहना है कि नदियों पर पुलों के निर्माण के लिए कुशल योजना की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि मिन्धोला और पूर्णा नदी पर पुलों के निर्माण के दौरान अरब सागर की लहरों पर करीब से नजर रखी गई थी। अंबिका नदी पर पुल के निर्माण के लिए हमारे इंजीनियरों ने 26 मीटर की उंचाई से काम किया। एनएचएसआरसीएल का कहना है कि पूर्णा नदी पर बना पुल 360 मीटर लंबा है और इसके निर्माण के दौरान अरब सागर में उच्च और निम्न ज्वार पर लगातार निगरानी की जरूरत थी। एनएचएसआरसीएल के मुताबिक, पुल की नींव रखने का काम भी काफी चुनौतीपूर्ण था क्योंकि नदी में पानी का स्तर उच्च ज्वार के दौरान पांच से छह मीटर तक बढ़ जाता था।

भारी बारिश से गुजरात के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात

भाषा। अहमदाबाद

गुजरात के कई हिस्सों में भारी बारिश होने से बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है जिससे कई गांवों का संपर्क टूट गया है। यह जानकारी अधिकारियों ने रविवार को दी। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के आंकड़े से पता चला है कि वलसाड और नवसारी जिलों के कुछ हिस्सों में रविवार सुबह समाप्त हुए पिछले 24 घंटे की अवधि में अत्यधिक भारी बारिश हुई। अधिकारियों ने कहा कि सड़कों पर पानी भर जाने या उसके बह जाने के कारण कई गांवों का संपर्क टूट गया है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) फंसे हुए लोगों को बचाने के अभियान में लगे हैं। जामनगर सबसे अधिक प्रभावित जिलों में से एक है और पुलिस का कहना है कि शुक्रवार से बारिश संबंधी घटनाओं में 11 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को घर से बाढ़ का पानी निकालने के दौरान कुएं में गिरने से तीन साल की एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि भारी बारिश के बाद लापता हुए दो लोगों के शव शनिवार को बचाव दल को मिले। राज्य सरकार के अधिकारियों ने कहा कि सुरेंद्रनगर जिले के लिंबडी तालुका के गांवों में संपर्क मार्गों पर पानी भर जाने के कारण उनका संपर्क टूट गया है, जिनमें से एक गांव से स्थानीय निवासियों ने सात लोगों को बचाया है। इस बीच, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि गुजरात सरकार भारी बारिश के बीच लोगों को राहत पहुंचाने के लिए सभी प्रयास कर रही है। शाह ने ट्वीट किया, गुजरात में भारी बारिश के कारण कई जगहों पर बाढ़ जैसी स्थिति से प्रभावित लोगों को हर संभव मदद मुहैया कराने के लिए सरकार कड़ी मेहनत कर रही है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से मैंने बात की और स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें और स्थानीय प्रशासन इन क्षेत्रों में लोगों की मदद कर रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारें इस कठिन समय में लोगों के साथ खड़ी हैं। एसईओसी ने कहा कि पिछले 24 घंटे में, राज्य में 32 मिलीमीटर औसत बारिश हुई है तथा वलसाड जिले के धरमपुर तालुका में 234 मिलीमीटर बारिश हुई है। उसने कहा कि राज्य के 205 तालुका में काफी बारिश हुई है। उसने कहा कि वलसाड, नवसारी, जूनागढ़, अमरेली, छोटा उदयपुर, अहमदाबाद और सुरेंद्रनगर जिलों के कुछ हिस्सों में 100-234 मिलीमीटर के बीच बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि सोमवार सुबह तक दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के जिलों में विभिन्न स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

मुंबई में थमा भारी बारिश का दौर

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई में सप्ताह भर भारी बारिश होने के बाद सप्ताहांत में हल्की बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार सुबह समाप्त हुए पिछले 24 घंटे में कोलाबा वेधशाला में जहां 14 मिमी बारिश दर्ज की गई, वहीं सांताक्रूज मौसम स्टेशन में इस अवधि में 22.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। रिपोर्ट में कहा गया कि इससे पहले शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे समाप्त हुए 24 घंटों में कोलाबा में 45.4 मिमी और सांताक्रूज मौसम स्टेशन में इसी अवधि में 110 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसमें कहा गया कि शनिवार को उत्तर महाराष्ट्र के नासिक और नंदुरबार जिलों में अच्छी बारिश हुई लेकिन जलगांव में अधिकतर इलाकों में बारिश नहीं हुई। मराठवाड़ा के सूखा प्रभावित क्षेत्रों में पिछले कुछ दिनों में बारिश नहीं हुई है, जिसने किसानों की चिंताएं बढ़ा दी है। क्षेत्र में दक्षिण पश्चिमी मॉनसून के देरी से आने से फसलों की बुवाई दो से अधिक सप्ताह के लिए टल गई है।

स्टोक्स की साहसिक पारी भी नही बचा सकी हार

- एशेज टेस्टः इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया ने 43 रन से हराया
- कंगारूओं ने श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली

भाषा। लंदन

कप्तान बेन स्टोक्स की 155 रन की शानदार पारी के बाद भी इंग्लैंड को एशेज श्रृंखला के दूसरे टेस्ट मैच के पांचवें दिन रविवार को यहां 43 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की श्रृंखला में 2–0 की बढ़त बना ली। स्टोक्स ने अपनी पारी के दौरान 2019 के हेडिंग्ले टेस्ट मैच की यादें ताजा कर दी जब उन्होंने ऐसी ही परिस्थितियों में यादगार शतकीय पारी खेलकर टीम को एक विकेट से जीत दिलाई थी। जीत के लिए 371 रन के रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की दूसरी पारी 327 रन पर सिमट गई। स्टोक्स ने 214 गेंद में 155 रन की पारी के दौरान नौ छक्के और इतने ही चौके जड़े। वह जोश हेजलवुड की शॉर्ट गेंद पर विकेटकीपर एलेक्स कैरी को कैच देकर आउट हुए। उनके आउट होते ही स्टेडियम में सन्नाटा पसर गया। स्टोक्स जब पवेलियन की तरफ लौट रहे थे तब लॉर्ड्स में खचाखच भरे दर्शकों ने खड़े होकर उनके सम्मान में तालियां बजाई। वह टीम के सातवें बल्लेबाज के तौर पर आउट हुए और उनके पवेलियन जाते ही ऑस्ट्रेलिया की जीत पर लगभग मुहर लग गई थी। टीम को हालांकि अगले तीन विकेट झटकने में एक घंटे का समय लग गया। इंग्लैंड ने दिन की शुरुआत चार विकेट पर 114 रन से आगे से की। स्टोक्स ने बेन डकेट (83) के साथ पांचवें विकेट के लिए 132 रन की साझेदारी कर मैच में इंग्लैंड की वापसी कराई थी। ऑस्ट्रेलिया ने दिन के शुरूआती सत्र में बेन डकेट (83) और जॉनी बेयरस्टो (10) को चलता किया। बेयरस्टो विवादित तरीके से रन आउट हुए जिसके बाद स्टेडियम में मौजूद घरेलू दर्शकों ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों पर बेईमानी करने का आरोप लगाया। लंच के विश्राम के लिए जब टीम के खिलाड़ी पवेलियन की तरफ जा रहे थे तब भी दर्शक धोखेबाज, धोखेबाज का नारा लगा रहे थे। ड्रेसिंग रूम के रास्ते में लॉन्ग रूम में एक दर्शक ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी के साथ मौखिक रूप से दुर्व्यवहार भी किया। मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने बाद में अपने कुछ सदस्यों द्वारा लॉन्ग रूम में किए गए दुर्व्यवहार पर ऑस्ट्रेलिया की टीम से माफी मांगी। बेयरस्टो ने कैमरून ग्रीन की बाउंसर गेंद को विकेटकीपर के हाथों में जाना दिया। वह इसके बाद गेंद को डेड होने से पहले ही क्रीज से निकल कर दूसरे छोर पर खड़े अपने साथी के पास जाने लगे इसी बीच विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने गेंद को स्टंप पर मार दिया। बेयरस्टो इससे भौचक्के रह गए और मैदानी अंपायर ने तीसरे अंपायर की तरफ इशारा कर दिया। तीसरे अंपायर ने रीप्ले देखने के बाद उन्हें स्टंप आउट करार दिया।

क्रिकेट में नहीं लेकिन जीवन में नस्लवाद का सामना किया हैः सुनक

लंदन। भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने यहां लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान मे एशेज टेस्ट श्रृंखला (इंग्लैड बनाम ऑस्ट्रेलिया) के दूसरे मैच के चौथे दिन कहा कि उन्होंने इस देश मे बड़े होने के दौरान नस्लवाद का सामना किया था। सुनक से शनिवार को बीबीसी के प्रतिष्ठित टेस्ट मैच स्पेशल (टीएमएस) रेडियो कार्यक्रम मे जब इंग्लैड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) मे सभी स्तर पर व्यापक और गहरे नस्लवाद और लिंगभेद के बारे मे जारी एक रिपोर्ट के बारे मे पूछा गया तो उन्होंने खुद क्रिकेट मे इसका सामना करने से इंकार कर दिया। इस 43 साल के क्रिकेट प्रशंसक ने बीबीसी क्रिकेट संवाददाता जोनाथन एग्न्यू के एक सवाल के जवाब मे कहा, मैने क्रिकेट मे ऐसा अनुभव नही किया है, लेकिन निश्चित रूप से मैने बड़े होते हुए नस्लवाद का अनुभव किया है। यह आपको गंभीर तरीके से प्रभावित करता है। मै एक ऐसे पेशे मे हूं जहां मुझे रोजाना, हर घंटे, हर मिनट आलोचना का सामना करना पड़ता है।

कमिंस ने पिंडली की चोट के साथ बल्लेबाजी नहीं करने को कहा थाः लियोन

लंदन। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर नाथन लियोन को यहां इंग्लैड के खिलाफ चल रहे दूसरे एशेज टेस्ट के दौरान उनके कप्तान पैट कमिंस ने पिंडली की चोट के कारण बल्लेबाजी नही करने को कहा था लेकिन यह अनुभवी ऑफ स्पिनर टीम के अपने साथियो का समर्थन करने के लिए बल्लेबाजी करने उतरा। अपना लगातार 100वां टेस्ट खेल रहे लियोन को लार्ड्स मे दूसरे एशेज टेस्ट के दूसरे दिन के खेल के दौरान कैच लेने के प्रयास में दाएं पैर की पिंडली में चोट लगी थी। शनिवार को हालांकि वह मैच के चौथे दिन बल्लेबाजी करने उतरे और मिशेल स्टार्क के साथ अंतिम विकेट के लिए 15 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया की कुल बढ़त को 370 रन तक पहुंचाया। लियोन चार रन बनाकर आउट होने वाले अंतिम बल्लेबाज रहे जिससे ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 279 रन बनाए। ऑस्ट्रेलि के 371 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैड ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक 114 रन तक चार विकेट गंवा दिए थे। लियोन ने रविवार को सेन रेडियो से कहा, पैट (कमिंस) ने शुरुआत में मुझे कहा था कि मै बल्लेबाजी के लिए नही जाउंगा। लेकिन मैने (मुख्य कोच) एंड्रयू मैक्डोनाल्ड और हमारी मेडिकल टीम से बात की और यह जानने का प्रयास किया कि मै क्रीज पर कैसे उतर सकता हूं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से 121 टेस्ट खेलने वाले लियोन ने कहा कि टीम के फिजियो के प्रयास से वह दूसरी पारी मे 13 गेंद खेलने मे सफल रहे। लियोन के नाम 496 टेस्ट विकेट दर्ज है। मैने फिजियो के साथ और पैर मे टेप बांधकर यहां लार्ड्स मे जिम मे काफी समय बिताया जिससे कि क्रीज पर उतरने का प्रयास कर सकूं। मै क्रीज पर उतरकर अपनी भूमिका निभाने का प्रयास कर रहा था। मेरी पारी को लेकर काफी बातें हो रही है लेकिन मै टीम के अपने साथियो का समर्थन करने के लिए उतरा।

दलीप ट्रॉफीः चोटिल सकारिया की जगह देशपांडे पश्चिम क्षेत्र की टीम में शामिल

मुंबई। मुंबई के तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे को बाएं हाथ के चोटिल तेज गेंदबाज चेतन सकारिया की जगह रविवार को दलीप ट्रॉफी के लिए पश्चिम क्षेत्र की टीम में शामिल किया गया। सौराष्ट्र के तेज गेंदबाज सकारिया अपनी गेंदबाजी वाले हाथ मे कोहनी की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा को बताया, सकारिया को चोट से उबरने में होने मे दो से तीन सप्ताह लगेंगे। दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पश्चिम क्षेत्र का मुकाबला मध्य क्षेत्र से होगा। मध्य क्षेत्र ने क्वार्टर फाइनल मे पूर्वी क्षेत्र को 170 रन से हराया था। देशपांडे ने प्रथम श्रेणी के 29 मैचों मे 27.77 की औसत से 80 विकेट लिए है। उन्होने इस साल आईपीएल में अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया। चेन्नई सुपरकिंग्स के इस खिलाड़ी ने 16 मैचों मे 21 विकेट चटकाए थे।

भारतीय टीम बैडमिंटन जूनियर एशिया चैम्पियनशिप के लिए मंगलवार को इंडोनेशिया रवाना होंगे

पंचकूला। भारत की 18 सदस्ईय बैडमिंटन टीम यहां ताऊदेवीलाल स्टेडियम मे दो सप्ताह के कड़े प्रशिक्षण शिविर के बाद जूनियर एशिया चैपियनशिप मे भाग लेने के लिए मंगलवार को इंडोनेशिया के लिए रवाना होगी। इस महाद्वीपीय चैपियनशिप का आयोजन सात से 16 जुलाई तक इंडोनेशिया के योग्यकार्ता मे होगा। चौदह दिनो तक चले इस प्रशिक्षण शिविर के दौरान खिलाड़ियो को खेल और फिटनेस प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा। इस शिविर का आयोजन आरईसी लिमिटेड, भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) और भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने मिलकर किया था। बीएआई महासचिव संजय मिश्रा ने यहां जारी विज्ञप्ति मे कहा, इस दो सप्ताह के प्रशिक्षण शिविर ने टूर्नामेंट से पहले अच्छी तैयारी करने मे मदद की है। मुझे विश्वास है कि इस शिविर ने टीम को एक-दूसरे से जुड़ने और एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जानने मे भी मदद की है। भारतीय टीम टूर्नामेंट मे ग्रुप सी मे है। इस ग्रुप मे मलेशिया, बांग्लादेश और हांगकांग की टीमें भी है। ग्रुप की शीर्ष दो टीमें नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई करेगी।भारत ने अतीत में दो स्वर्ण पदक, एक रजत पदक और एक कांस्य पदक जीता है। पीवी सिंधू ने 2012 जबकि लक्ष्य सेन ने 2108 मे स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय टीमःबालक एकलः लक्ष्य शर्मा, समरवीर, आयुष शेट्टी और ध्रुव नेगी।बालिका एकलः रक्षिता श्री एस, श्रियांशी वलीशेट्टी, तारा शाह और अनमोल खरब।

हॉकी इंडिया ने राज्य और जिला सदस्य इकाइयों के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा की

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने जमीनी स्तर पर होने वाले टूर्नामेंटो के स्तर मे सुधार के लिए रविवार को राज्य एवं जिला इकाइयो को वित्तीय सहायता की घोषणा की। खेल को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता के तहत राष्ट्रीय महासंघ ने सभी राज्य सदस्य इकाइयों को दो लाख रुपए का अनुदान दिया है। हॉकी इंडिया ने बयान मे कहा, शुरुआती अनुदान से जिला इकाइयो को मदद मिलेगी और वे जरूरी दिशानिर्देशों का पालन कर पाएंगे। शुरुआती अनुदान के अलावा हॉकी इंडिया संबंधित जिला इकाइयों के अनुपालन सफलतापूर्वक पूरा करने की स्थिति में संबंधित राज्य सदस्य इकाइयों मे प्रत्एक को एक लाख रुपए देगा। यह अतिरिक्त कोष राज्य इकाई सदस्यो के लिए प्रोत्साहन राशि के रूप मे होगा जिससे कि वे अपनी जिला इकाइयो का प्रभावीपूर्ण तरीके से समर्थन और मार्गदर्शन कर सकें। इसमे कहा गया, हॉकी इंडिया उन राज्य इकाइयों को 10 लाख रुपए का अतिरिक्त अनुदान देगा जो सफलतापूर्ण राज्य स्तर की चैंपियनशिप का आयोजन करेंगी और कैलेंडर वर्ष 2023 मे अपने राज्यो मे जिला चैंपियनशिप का आयोजन सुनिश्चित करेंगी।

दीक्षा फिनलैंड में 26वें स्थान पर रहीं

सियुनटियो (फिनलैंड)। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर लेडीज ओपन गोल्फ टूर्नामेंट मे संयुक्त रूप से 26वे स्थान पर रही। दीक्षा ने अंतिम दौर मे एक अंडर 71 के स्कोर से कुल तीन अंडर 213 का स्कोर बनाया। वह भारतीय गोल्फरो के बीच शीर्ष पर रही। प्रणवी उर्स ने भी अंतिम दौर मे 71 के स्कोर से संयुक्त रूप से 32वां स्थान हासिल किया। टूर्नामेंट मे कट हासिल करने वाली एक अन्य भारतीय वाणी कपूर अंतिम दौर मे दो ओवर 74 के स्कोर से संयुक्त रूप से 56वें स्थान पर रही।

चीन ने महिला बास्केटबॉल एशिया कप जीता

सिडनी। चीन ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए रविवार को यहां रोमांचक फाइनल मे पांच बार के गत चैंपियन जापान को 73-71 से हराकर 2012 के बाद पहला महिला बास्केटबॉल एशिया कप खिताब जीता। मध्यांतर के समय चीन की टीम पिछड़ रही थी और ऐसा लग रहा था कि गत चैंपियन टीम के खिलाफ फाइनल मे उसे लगातार तीसरी बार हार का सामना करना पड़ेगा। जापान ने पहले हाफ में अंतिम 14 अंक जुटाए और मध्यांतर तक टीम ने नौ अंक की बढ़त बना रखी थी। शू हेन ने तीसरे क्वार्टर मे हालांकि चीन को लय दिलाई और टीम क्वार्टर के अंतिम लम्हों मे बढ़त बनाने मे सफल रही।

पेनल्टी का बचाव करने के लिए अनुभव और किस्मत का साथ जरूरीः संधू

बेंगलुरु। लेबनान के खिलाफ सैफ चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पेनल्टी शूटआउट मे शानदार बचाव कर टीम को फाइनल मे पहुंचाने वाले गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने कहा कि वह सामने वाले खिलाड़ी की मानसिकता को भाप कर एक तरफ डाइव लगाते है और इसके नतीजे को किस्मत पर छोड़ देते है। भारतीय टीम मंगलवार को टूर्नामेंट के फाइनल मे कुवैत का सामना करेगी। कप्तान सुनील छेत्री ने पेनल्टी शूटआउट मे भारत के लिए पहला गोल किया। इसके बाद संधू ने बाई ओर डाइव लगाकर हसन मातोक के किक पर शानदार बचाव किया।

बार्सीलोना और आर्सेनल के पूर्व मिडफील्डर फाब्रेगास ने संन्यास लिया

लंदन। बार्सीलोना और स्पेन के पूर्व मिडफील्डर सेस्क फाब्रेगास ने 36 साल की उम्र में प्रतिस्पर्धी फुटबॉल को अलविदा कह दिया। फाब्रेगास ने 16 साल की उम्र मे आर्सेनल की ओर से पदार्पण करने के लगभग 20 साल बाद फुटबॉल से संन्यास लिया। स्पेन की 2010 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे फाब्रेगास ने शनिवार को ट्विटर पर संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने पिछले साल इटली की दूसरी डिविजन की टीम कोमो के साथ दो साल का करार किया था लेकिन इसके पूरा होने से पहले ही संन्यास लेने का फैसला किया।

हॉकी इंडिया एचआईएल को 2024 या 2025 में नए रूप में शुरू करने की तैयारी में

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया सात साल के अंतराल के बाद फ्रेंचाइजी-आधारित लीग को पुनर्जीवित करने की कोशिश में है जिससे बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) अगले साल या 2025 की शुरुआत में एक नए अवतार में शुरू हो सकती है। एचआईएल को 2017 में वित्तीय मुद्दो और टीम मालिको के असहयोग के कारण निलंबित कर दिया गया था। हॉकी इंडिया इस लीग को पेरिस ओलंपिक के बाद आयोजित करने की योजना बना रहा है जिसमें पहली बार महिलाओं के मुकाबले भी होंगे। पूर्व ओलंपियन दिलीप टिर्की के नेतृत्व में हॉकी इंडिया ने एचआईएल के माध्यम से उभरते हुए खिलाड़ियों को अनुभव प्रदान करके देश में हॉकी परिदृश्य को फिर से जीवित करने की योजना बनाई है।

विश्व कप की मेजबानी से चूकने वाले राज्य संघों को द्विपक्षीय घरेलू सत्र में मौका मिलेगा

भाषा। नई दिल्ली

भारत में इस साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के मुकाबलों की मेजबानी से चूकने वाले स्थलों को आगामी घरेलू सत्र के दौरान उनकी बारी के बिना भी 50 ओवर के मैचों की मेजबानी मिलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने यह सुझाव रखा है कि विश्व कप मुकाबलों की मेजबानी करने वाले स्थल घरेलू सत्र के दौरान एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की मेजबानी की अपनी बारी छोड़ देंगे जिससे कि उन राज्य संघों को भरपाई की जा सके जो इस प्रतिष्ठित आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी से चूक गए हैं। राज्य संघों को लिखे पत्र में शाह ने सूचित किया है कि उनके प्रस्ताव को विश्व कप

की मेजबानी करने वाले स्थलों के अधिकारियों ने सर्वसम्मति से स्वीकार किया है जिसमें दिल्ली, धर्मशाला, चेन्नई, कोलकाता, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, अहमदाबाद, बेंगलुरू और लखनऊ शामिल हैं। हालांकि विश्व कप के दौरान सिर्फ अभ्यास मैचों की मेजबानी करने वाले गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम को आगामी सत्र में मेजबानी का मौका मिलेगा। शाह ने इस हफ्ते की शुरुआत में विश्व कप के कार्यक्रम की घोषणा से पहले राज्य संघों के प्रमुखों से मुलाकात की थी। हमारी बैठक के दौरान मैंने आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 के मैचों का उचित वितरण सुनिश्चित करने के लिए एक समाधान का प्रस्ताव रखा था। मैंने अभ्यास मैचों की मेजबानी करने वाले असम और केरल को छोड़कर अन्य मेजबान संघों से द्विपक्षीय अंतरराष्ट्रीय सत्र के दौरान एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी की अपनी बारी स्वैच्छिक रूप से छोड़ने का अनुरोध किया था यह प्रस्ताव उन राज्य संघों को समायोजित करने के लिए रखा गया था जो दुर्भाग्य से क्रिकेट विश्व कप के मैचों की मेजबानी करने से चूक गए थे। पीटीआई के पास मौजूद पत्र में शाह ने कहा, मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि प्रस्ताव को बैठक में भाग लेने वाले सभी संघों से सर्वसम्मत सहमति और समर्थन मिला है।

श्रीलंका ने पक्का किया विश्व कप का टिकट

- विश्व कप क्वालीफायर का सुपर सिक्स चरण-जिम्बाब्वे पर प्रभावशाली जीत

भाषा। बुलावायो

महीश तीक्षणा (25 रन पर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद के बाद सलामी बल्लेबाज पथुम निशंका की नाबाद शतकीय पारी के दम पर श्रीलंका ने विश्व कप क्वालीफायर के सुपर सिक्स चरण में जिम्बाब्वे को नौ विकेट से हार कर भारत में इस साल पांच अक्टूबर से खेले जाने वाले आईसीसी वनडे विश्व कप का टिकट पक्का कर लिया। तीक्षणा की शानदार गेंदबाजी के सामने जिम्बाब्वे का मध्यक्रम से लड़खड़ा गया और पूरी टीम 32.2 ओवर में 165 रन पर आउट हो गई। इसके बाद दाएं हाथ के बल्लेबाज निशंका ने 102 गेंद में 14 चौके की मदद से नाबाद 101 रन की पारी खेल श्रीलंका की जीत सुनिश्चित कर दी। श्रीलंका ने 33.1 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही श्रीलंका के आठ अंक हो गए और टीम ने एक मैच बाकी रहते तालिका में शीर्ष दो में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया। जिम्बाब्वे को तालिका में शीर्ष दो में

अपना स्थान स्वताः सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को स्कॉटलैंड को हराना होगा। टीम अगर यह मुकाबला हारती है तो उसे स्कॉटलैंड और नीदरलैंड के मैच के नतीजे का इंतजार करना होगा। श्रीलंका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया और गेंदबाजों ने कप्तान दासुन शनाका को निराश नहीं किया। दिलशान मदुशंका (15 रन पर तीन विकेट) सातवें ओवर में टीम के शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजों को चलता कर दिया। शानदार लय में चल रहे सीन विलियम्स (56) ने इसके बाद सिकंदर रजा (31) के साथ चौथे विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी कर मैच में टीम की वापसी कराई। शनाका ने रजा को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद तीक्षणा ने विलियम्स को चलता किया। जिम्बाब्वे की टीम इन झटकों से उबर नहीं पाई। टीम ने 67 रन के अंदर आखिरी सात विकेट गंवा दिए। तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना ने भी दो विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए निशंका और करुणारत्ने (30) ने 20 ओवर के अंदर 103 रन की साझेदारी कर जीत की पटकथा लिख दी। इसके बाद कुसल मेंडिस (नाबाद 25) ने निशंका का अच्छे से साथ देते हुए टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

दीपा पर से 21 महीने का प्रतिबंध समाप्त

- भुवनेश्वर में एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में वापसी करेंगी

नई दिल्ली। भारतीय जिम्नास्ट दीपा कर्माकर डोप जांच में असफल होने पर 21 महीने के प्रतिबंध को पूरा कर के 11 और 12 जुलाई को भुवनेश्वर में एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेंगी। त्रिपुरा की 29 वर्षीय खिलाड़ी को मई में भारतीय जिम्नास्टिक महासंघ ने संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया था। दीपा की प्रतिबंध अवधि 10 जुलाई को खत्म हो जाएगी। दीपा ने पीटीआई–भाषा को फोन पर बताया, यह पुष्टि हो गई है कि मैं ट्रायल में भाग लूंगी। मैं पिछले कुछ महीनों से अगरतला में प्रशिक्षण ले रही हूं। मुझे खुद से इसलिए प्रदर्शन की उम्मीद है। दीपा किसी वैश्विक आयोजन में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय जिमनास्ट है। उन्होंने 2018 में तुर्की में आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक वर्ल्ड चैलेंज कप की वॉल्ट स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया था। उन्होंने उसी वर्ष कॉटबस में कांस्य भी जीता था। वह 2014 ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता और 2015 हिरोशिमा में एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य विजेता भी हैं। इसके बाद लगातार चोट से जूझने के कारण उनका करियर प्रभावित हुआ। चोट के कारण ही वह तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी। कर्माकर पर अंतरराष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी (आईटीए) द्वारा कराए गए डोप टेस्ट में नाकाम रहने के बाद 21 महीने का प्रतिबंध लगा दिया गया है। कर्माकर के डोप नमूने 11 अक्टूबर 2021 को आईटीए द्वारा प्रतिस्पर्धा से इतर लिए गए थे। आईटीए अंतरराष्ट्रीय जिम्नास्टिक महासंघ (एफआईजी) के डोपिंग निरोधक कार्यक्रम का जिम्मा संभालने वाली स्वतंत्र एजेंसी है। वह हिजेनामाइन के सेवन की दोषी पाई गई थी जो विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी की प्रतिबंधित सूची में है।

ताइक्वांडो में ऑक्सफोर्ड को 5 स्वर्ण

लखनऊ। ऑक्सफोर्ड ताइक्वांडो अकादमी के खिलाड़ियों ने मनाली हिमाचल प्रदेश में आयोजित इंडिया ओपन ताइक्वांडो कप प्रतियोगिता-2023 में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए 5 स्वर्ण, 4 रजत, 1 कांस्य सहित 10 पदक जीत अपना दबदबा कायम रखा। हिमाचल प्रदेश ताइक्वांडो संघ द्वारा मनाली के फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के इंडोर हाल में गत 29 व 30 जून 2023 को आयोजित इंडिया ओपन ताइक्वांडो कप में विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। यह सभी खिलाड़ी लखनऊ में अतुल यादव से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। यह जानकारी निदेशक व मुख्य प्रशिक्षक अतुल यादव निदेशक ऑक्सफोर्ड ताइक्वांडो अकादमी ने दी।

योग प्रशिक्षकों किया सम्मानित

लखनऊ। उ प्र नॉन ओलम्पिक एसोसियेशन व लखनऊ योग स्पोटस एसोसियेशन के संयुक्त तत्वाधान में अन्तार्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर यूनिटी कालेज, शुभकामना एकडेमी, रामाधीन इण्टर कालेज व सेन्ट्रल अकादमी, अमाइकस एकडमी, प्रधान कान्वेन्ट स्कूल, खुनखुन जी पीजी गर्ल्स कालेज,चौक, एपीसेन गर्ल्स डिग्री कालेज, कृष्णा देवी गर्ल्स डिग्री कालेज,तथा हार्नर कालेज,महानगर, सेन्ट रोज पब्लिक स्कूल, स्वर्णिम स्कूल में प्रशिक्षण शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न कराये जाने के लिए उ प्र नॉन ओलम्पिक एसोसियेशन के अध्यक्ष अजय दीन सिंह, पूर्व आईएएस एवं लखनऊ योग स्पोटस एसोसियेशन के अध्यक्ष केपी सिंह राठौर द्वारा कृष्णा नगर में एक सम्मान समारोह में योग प्रशिक्षकों को नगद पुरूस्कार व प्रषस्ति पत्र देकर सम्मानित

माना पटेल और आर्यन नेहरा ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ प्रभावित किया

हैदराबाद। ओलंपियन माना पटेल ने रविवार को 76 वीं सीनियर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप के शुरुआती दिन अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया जबकि गुजरात के आर्यन नेहरा और कर्नाटक के तैराक नीना वेंकटेश और लिनेशा ए.के. ने भी नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वालो में शामिल हुए। तोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र महिला तैराक माना ने महिलाओं की 100 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में एक मिनट 03.48 सेकंड के समय के साथ अपने पिछले रिकॉर्ड एक मिनट 04.33 सेकंड में सुधार किया। इस स्पर्धा में महाराष्ट्र की पलक जोशी (एक मिनट 04.32 सेकंड) और कर्नाटक की सुवाना भास्कर (एक मिनट 05 सेकंड) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। पुरुषों की 800 मीटर और 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप के लिए जगह पक्की कर चुके है।

वेस्टइंडीज के विश्वकप से बाहर होने से मचा कोहराम

- टीम में राजनीति मुक्त प्रबंधन चाहते है सहवाग, टीम की वापसी की उम्मीद है गंभीर को

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने वेस्टइंडीज टीम के लचर प्रदर्शन का कारण वेस्टइंडीज क्रिकेट ढांचे में क्षेत्रीय राजनीति को बताया जबकि भारतीय क्रिकेट जगत ने टीम के एकदिवसीय विश्व कप क्वालीफायर से बाहर होने पर दुख और निराशा व्यक्त की। सहवाग ने इस दौरान अच्छे टीम प्रबंधन और राजनीति मुक्त संघ की वकालत की। सहवाग ने ट्वीट किया, क्या शर्म की बात है। वेस्टइंडीज विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहा। यह दर्शाता है कि सिर्फ प्रतिभा ही काफी नहीं है, एकाग्रता और अच्छे टीम प्रबंधन की भी जरूरत है जो राजनीति से मुक्त हो। एकमात्र सांत्वना यह है कि यहां से और नीचे गिरने की गुंजाइश नहीं है। वेस्टइंडीज को इससे पहले जिंबाब्वे और नीदरलैंड के खिलाफ भी हार का सामना करना पड़ा था। इसका मतलब है कि 1975 और 1979 का विश्व चैंपियन टूर्नामेंट के 48 साल के इतिहास में पहली बार इसका हिस्सा नहीं होगा। भारत की 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य मदनलाल ने कहा कि दुनिया भर में टी20 फ्रेंचाइजी लीग में खेलने को तरजीह देने के लिए खिलाड़ियों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। मदनलाल ने ट्वीट किया, यह देखकर दुख हुआ कि वेस्टइंडीज विश्व कप 2023 के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया। यह उनकी स्वयं की गलती है क्योंकि उनकी रुचि सिर्फ टी20 लीग में है। देश के लिए खेलने में कोई गौरव नहीं। पूर्व टेस्ट सलामी बल्लेबाज और अब कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने इसे निराशाजनक करार दिया लेकिन वह इससे हैरान नहीं हैं। चोपड़ा ने ट्वीट किया, वेस्टइंडीज की टीम विश्व कप से बाहर। पिछले कुछ वर्षों में उनके स्तर में जो गिरावट आई है उसे देखते हुए यह हैरानी भरा नहीं है। यह फिर भी थोड़ा निराशाजनक है कि क्रिकेट का पूर्व चैंपियन विश्व प्रतियोगिता में सिर्फ दर्शक होगा। वे 2017 चैंपियन्स ट्रॉफी में भी जगह बनाने में नाकाम रही थी। टीम 2019 विश्व कप में 10 टीम में नौवें स्थान पर रही जबकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2019–21 और 2021–23 चक्र में टीम ने नौ टीम में आठवां स्थान हासिल किया। टी20 विश्व कप 2021 में वेस्टइंडीज की टीम सिर्फ एक मैच जीत पाई।

वेस्टइंडीज का निरंतर पतन हुआ और मौजूदा खिलाड़ियों के खेलना शुरू करने से पहले हुआः बिशप

हरारे। वेस्टइंडीज क्रिकेट के निरंतर पतन ने इयान बिशप को अतीत की उन बड़ी कंपनियो की याद दिलाई जो समय के साथ बदलाव नही ला पाईं और अपने पुराने गौरव को दोबारा कभी हासिल नही कर पाईं। दो बार के पूर्व चैंपियन वेस्टइंडीज के स्कॉटलैंड के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में शिकस्त के साथ 48 साल में पहली बार विश्व कप मे जगह बनाने से चूकने पर यह पूर्व तेज गेंदबाज किसी अन्य कैरेबियाई क्रिकेट प्रेमी के जितना ही निराश है। बिशप का मानना है कि वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों की मौजूदा पीढ़ी पर अंगुली उठाना गलत होगा क्योंकि पतन की शुरुआत काफी पहले हो गई थी। बिशप ने ईएसपीएन क्रिकइंफो से कहा, हां, यह निरंतर पतन रहा है। मै हमेशा से कहता आया हूं कि यह मौजूदा खिलाड़ियों के समय से पहले ही बात है। हमने संभवतः एक दशक से शीर्ष देशो के खिलाफ लगातार अच्छा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नही खेला है। दो बार चैंपियन रहने के बाद टी20 टीम के प्रदर्शन में भी गिरावट आई। वेस्टइंडीज के लिए 161 टेस्ट और 118 एकदिवसीय विकेट चटकाने वाले बिशप का मानना है कि कोई विजन नही होना इस स्थिति मे पहुंचने के सबसे बड़े कारणो में से एक है। जैसे एक समय कुछ बड़ी कंपनियां शीर्ष पर थी लेकिन इसके बाद मुझे लगता है कि शायद विजन नही होने या इसे आप जो भी कहो उसके कारण वे व्यवसाय से बाहर हो गईं। (दो बार के विश्व चैंपियन) वेस्टइंडीज के साथ भी ऐसा ही हुआ ।

प्रांतीय मानसिकता बदलने की जरूरत : होल्डर

हराने। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने टीम के भारत मे होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने मे नाकाम रहने के बाद साथी क्रिकेटरो से अपील की कि वे खेल की बेहतरी के लिए प्रांतीय मानसिकता छोड़े और एक क्षेत्र के रूप मे साथ आएं। दो बार का विश्व चैंपियन वेस्टइंडीज 1975 मे विश्व कप की शुरुआत के बाद से पहली बार 50 ओवर के इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का हिस्सा नही होगा। शनिवार को यहां विश्व कप क्वालीफायर के सुपर सिक्स मुकाबले मे स्कॉटलैंड के खिलाफ सात विकेट की हार के साथ वेस्टइंडीज प्रतियोगिता से बाहर हो गया। होल्डर ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, यह (क्रिकेट) निजी चीज या प्रांतीय चीज नही है। हमे एक क्षेत्र के रूप मे एकजुट होना होगा और सोचना होगा कि एक समूह के रूप मे हमे कैसे आगे बढ़ना है। होल्डर ने शनिवार को 45 रन बनाने के अलावा एक विकेट चटकाया। टीम की संचालन संस्था क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) छह संघों का समूह है जिसमे बारबडोस, ग्याना, जमैका, लेवर्ड आइलैड्स, त्रिनिदाद एवं टोबैगो और विंडवर्ड आइलैड्स शामिल है। ऑलराउंडर होल्डर ने कहा कि उनकी टीम को स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले की अहमियत पता थी और उनके पास अच्छा मौका था लेकिन वे अंत में जीत दर्ज नही कर पाए। हमें पता था कि क्या दांव पर लगा है और हमारे पास क्वालीफाई करने का मौका था। हमारे पास स्कॉटलैंड को हराने का मौका था लेकिन हम ऐसा नही कर पाए।

लीग क्रिकेट की तुलना में वेस्टइंडीज के प्रतिनिधित्व के लिए खिलाड़ियों को मिलती है कम रकम

नई दिल्ली। शिमरेन हेटमायर को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने के लिए राजस्थान रॉयल्स से 8.5 करोड़ रुपए मिलते है तो वही कोलकाता नाइट राइडर्स आंद्रे रसेल को 16 करोड़ रुपए सालाना देता है। यह बड़ी रकम इस बात का संकेत है कि क्रिकेट का वित्तीय परिदृश्य बदल गया है और खिलाड़ियो का वेस्टइंडीज के लिए खेलना अब प्रेरणा का स्रोत नही रहा। वेस्टइंडीज के इन खिलाड़ियो के लिए पैसा अधिक मायने रखता है। इसने क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के लिए कम से कम शीर्ष खिलाड़ियों को पूरे साल दिलचस्पी बनाए रखने मे सबसे बड़ी बाधा पैदा की है। मौजूदा विश्व कप क्वालीफायर के दौरान वेस्टइंडीज के पास हेटमायर, आंद्रे रसेल या सुनील नारायण की सेवाएं नही थी। ए सभी खिलाड़ी सीडब्ल्यूआई द्वारा पिछले साल जारी 18 सदस्ईय केंद्रीय अनुबंध सूची मे नही है। इन सभी ने स्वेच्छा से बाहर होने का विकल्प चुना था क्योंकि वे पूरे साल दुनिया की अलग-अलग टी20 लीग मे खेलते है। आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स से 16 करोड़ रुपए की बोली हासिल करने वाले निकोलस पूरन विश्व कप क्वालीफायर की टीम मे शामिल है। ए फ्रेंचाइजी खिलाड़ियो को लंबी अवधि और एक से अधिक लीग का करार देने की योजना बना रहे है, ऐसे मे पूरन जैसे विस्फोटक बल्लेबाज कब तक वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व करना जारी रखेगा यह देखना दिलचस्प होगा। ईएसपीएन क्रिकइंफो के आंकड़ो के मुताबिक 2017 मे वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों को टेस्ट के लिए 5750 डॉलर (प्रति मैच लगभग 4.72 लाख रुपए), वनडे के लिए 2300 डॉलर (प्रति मैच लगभग 1.88 लाख रुपए) और टी20 अंतरराष्ट्रीय के लिए 1735 डॉलर (लगभग 1.42 लाख रुपए) का भुगतान होता था। सीडब्ल्यूआई ने इन आंकड़ो को संशोधित किया था या नही इसकी जानकारी नही मिल पाई है।